शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 08 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10+4 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-96

॥ वंदे श्री ऋषभं वीरं ॥

JAIN INTERNATIONAL TRADE ORGANISATION

JITO BANGALORE

ONE WORLD, ONE CHANT
TOGETHER FOR PEACE

जैन धर्म ने दिया विश्व को, अनुपम एक उपहार है।
आओ मिलकर जाप करे, ये महामंत्र नवकार है।

सिर्फ मंत्र नहीं ये, कर्मों का क्षय करने का उपचार है।
आओ मिलकर जाप करें ये महामंत्र नवकार है।

विश्व नवकार महामंत्र दिवस

9 APRIL '25
WEDNESDAY

TIMING
7.00 AM TO 9.45 AM

अल्पहार की व्यवस्था कार्यक्रम के पश्चात्

पहले 1000 प्रतिभागियों को गिफ्ट की व्यवस्था फ्रीडम् पार्क में रखी गई है।

सामायिक की व्यवस्था रखी गई है।

Courtesy by:
micro print & pack
Design, Print and Packaging Solutions
www.microprintpack.com

Co-Courtesy by:
ONE SOURCE
INTERIOR & EXTERIOR PRODUCTS
M/s One Source, Shanthinagagr

M.K.SILK & SAREES
Bangalore

विश्व कल्याण के लिए जुड़ें, नवकार महामंत्र का जाप करें

भारत सहित जुड़ेंगे **108 देशों के** लाखों लोग | **100+** मेगा इवेंट्स | **6000+** देरासर / उपाश्रय / स्थानक / भवन से सीधा प्रसारण

फ्रीडम् पार्क में निश्रादाता गुरु भगवंत
प.पू.आचार्य श्री अभयशेखरसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.आचार्य श्री विमलसागरसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू. श्री विरेन्द्रमुनिजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.श्री पंकजमुनिजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.पं. श्री विमलपुण्यविजयजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.मु.श्री मलयप्रभसागरजी म.सा. आदि ठाणा

उपस्थित साध्वीजी भगवंत
प.पू.सा.श्री कंचनकवरजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.सा.श्री उज्वलज्योतिश्रीजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.सा.श्री पुण्यनिधिश्रीजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.सा.श्री पावनप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.सा.श्री संयमलताजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.सा.श्री सुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.सा.श्री परमसौम्यजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.सा.श्री तत्त्वज्ञाजी म.सा. आदि ठाणा

विभिन्न जाप स्थानों पर निश्रादाता गुरु भगवंत :
प.पू.आचार्य श्री पार्श्वचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.आचार्य श्री उदयप्रभसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.श्री विनयमुनिजी म.सा. आदि ठाणा

साध्वीजी भगवंत
प.पू.सा.श्री मेघाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा

बेंगलोर में विराजित समस्त आचार्य भगवंत, साधुजी एवं साध्वीजी भगवंत को कोटिश: वंदन करते हुए निवेदन करते है कि नवकार महामंत्र दिवस में विभिन्न स्थलों पर आयोजित नवकार महामंत्र जाप में आपकी पावन निश्रा प्रदान कर हमें आर्शीवाद प्रदान करें।

सकल श्री संघ से नम्र निवेदन है कि दि. 9 अप्रैल 2025 को बेंगलोर के समस्त आराधना भवन, उपाश्रय, स्थानक, तेरापंथ सभाभवन एवं दिगंबर मंदिरजी में सुबह 7-00 बजे से 9-45 बजे तक विश्व नवकार महामंत्र जाप आयोजन हेतु सहभागी बनें।

सकल संघ व समाज से निवेदन है कि इस आयोजन में भाग लेकर वैश्विक शांति, करुणा और एकता के लिए नवकार महामंत्र जाप करें और इस ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक जागरण का हिस्सा बनें।

Main Venue: FREEDOM PARK Gandhinagar, Bangalore-09

Other Venues:

- MAHAVEER DHARMASHALA, VV Puram
- GANESH BAGH, Infantry Road
- MEWAR BHAVAN, Yeshwantpur
- SRI SAMBHAVNATH JAIN TEMPLE, VV Puram
- SRI DHARMANATH JAIN TEMPLE, Jayanagar
- SRI VARDHAMAN STHANAKVASI JAIN SHRAVAK SANGH, Hanumanthnagar
- TERAPANTH SABHABHAWAN, Rajrajeshwarinagar
- KHANDELWAL DIGAMBAR JAIN TEMPLE, Wilson Garden
- Arham Bhawan, RPC Layout
- SHRI GYANODAY DIGAMBER JAIN TEMPLE, Whitefield
- SHREE HEERA BAGH STHANAK, Seppings Road
- SRI VIMALNATH JAIN TEMPLE, Basavanagudi

JITO BANGALORE SOUTH

Ranjeet Solanki, Chairman; Mahendra Jiani, Vice Chairman; Mahendra Ranka, Vice Chairman; Rajkumar Kothari, Vice Chairman; Rajendra Dantewadia, Vice Chairman; Nitin Lunia, Chief Secretary
Nemichand Chopra, Treasurer; Komal Bhandari, Secretary; Pratik Gandhi, Secretary; Mahaveer Dantewadia, Jt. Treasurer; Narendra Sanklecha, Jt. Treasurer

Chetan Bohra, Chetan Ladhani, Dinesh Mehta, Hitendra Jain, Inder Nahar, Kamlesh Nahar, Lalith Bagrecha, Mahaveer Bhansali, Manish Gulechha, Praveen Sofadiya, Rajesh Bhansali, Raunak Gulecha, Safal Sakaria, Shreyans Rakhecha, Tejpal Jain, Vijay Mehta

JITO LADIES: Babita Raysoni, Chairperson; Nidhi Palrecha, Chief Secretary
JITO YOUTH: Mehul Srisrimal, Chairman; Rishab Chopra, Chief Secretary

JITO BANGALORE NORTH

Vimal Kataria, Chairman; Kamal Punmiya, Vice Chairman; Dinesh Bafna, Vice Chairman; Vijay Singhvi, Chief Secretary; Narendra Achha, Treasurer; Ashok G Bhandari, Secretary
Madan B Jain, Secretary; Pankaj S Balar, Secretary; Preteesh Jain, Secretary; Kishore S Karnawat, Jt. Treasurer

Arun Kumar Jain, Arvind Kumar Taprawat, B Ramesh Chand Bohra, Chandra Shekar Jain, Dinesh Kumar Khivesara, Dinesh Lodha, Nemi Chand Dalal, Nitesh Kumar Gandhi, Pramit J Bafna, Praveen Kumar Chowhan, Rakesh Choudhary, Ramesh Chand B Dak, Rhakesh Pokarana, Satish Porwad, Siddarth Patwa, Sunil Kumar D, Sunilkumar Lodha, Suresh Kumar Ganna, Vinod Nandawat, Yogesh Chowdhary,

JITO LADIES: Laxmi Bafna, Chairperson; Raksha Chajjed, Chief Secretary
JITO YOUTH: Anish Bhojani, Chairman; Ashish Taprawat, Chief Secretary

AWAS NIWAS PROJECT TEAM
Kiran Gala, Project Chairman; Mahendra Jiani, Vice Chairman; Kamal Shah, Secretary

JITO KKG ZONE
Praveen Bafna, Chairman; Santosh Porwal, Vice Chairman; Dilip Jain, Chief secretary; Omprakash Jain, Treasurer

JITO APEX DIRECTOR FROM KKG ZONE
Sripal Bachawat, Secretary JITO Apex; Praveen Bafna, Director JITO Apex; Bherumal Bhandari, DIC Shraman Arogyam; Narendra Singh Samar, Director; Praveen Shah, DIC Youth Wing Apex; Shailesh Haran, DIC JIIF JITO Apex; Pushpak R Hanamannavar, DIC Minority

JITO BANGALORE PAST CHAIRMAN
Tejraj Gulecha, Prakashchand Singhvee, Rajendra Gandhi, Paras Jain, Sripal Khivesara, Ashok S Nagori, Dinesh Bohra, B Inderchand Bohra

नोट: पार्किंग की व्यवस्था फ्रीडम पार्क मल्टी लेवेल पार्किंग में निशुल्क रखी गई है।
ड्रेसकोड: पुरुषवर्ग सफेद वस्त्र एवं महिलाएं लाल चुनडी में पधारें।

97, 1st Floor, Mahaveer Arcade, Sirsi Road,Chamrajpet, Bengaluru – 560 018, Tel: 080-2670 5511 / 2670 5533, Email: bangalorechapter@jito.org, Website: www.jitobangalore.com
85, 1st Floor, 59th Cross Rd, 4th Block, Rajajinagar, Bengaluru-560010, Mob: 99025 69865, Email: bangalorenorth@jito.org, Website: jitobangalorenorth.org

रंगारंग समारोह में खागा निर्देशिका का हुआ विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटका होजरी एवं गारमेंट्स एसोसिएशन ने सदस्यों की पूरी जानकारी के साथ अपनी नई निर्देशिका बनाई है, जिसका विमोचन सोमवार को राजस्थानी ढाणी एवं रिसॉर्ट में विधायक लादुलाल पितलिया विधानसभा क्षेत्र सहाड़ा राजस्थान के मुख्य आतिथ्य में हुआ। बेंगलूरु शहर के बाहरी क्षेत्र स्थित राजस्थानी ढाणी में राजस्थानी संस्कृति एवं लोकगीतों के साथ बहुत ही शानदार रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने सभी का स्वागत किया। सचिव कैलाश बालर ने खागा की उपलब्धियों की जानकारी दी। इस कार्यक्रम के सहयोगी खागा रत्न शांतिलाल पितलिया, सुरेश कुमार मेहता भैरु

कलेक्शन रहे। लादुलाल पितलिया ने कहा कि खागा सदस्य के रूप में खागा के कार्यकलापों एवं कार्यक्षमता से भली भांति वाकिफ हूँ। मैं सदैव आप सभी के सहकार हेतु तत्पर रहूंगा। खागा रत्न शांतिलाल पितलिया ने भी खागा के प्रति आभार प्रकट करते हुए सभी व्यापारियों से ज्यादा से ज्यादा व्यवसाय करने के लिए प्रेरणास्त्रोत वचन व्यक्त किये। इस अवसर पर खागा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पीएच राजपुरोहित, उपाध्यक्ष नरपतसिह राजपुरोहित, राजेश खैरा, संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा, जोग सिंह पुरोहित, विकास जैन, कोषाध्यक्ष जोगेश जैन, पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, वसंत जैन, दिलीप जैन, गौतमचंद पोरवाल, डूंगरमल चौपड़ा सहित कई कार्यकारिणी समिति सदस्य उपस्थित रहे। खागा के संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए खागा की कल्चर कमेटी के चेयरमैन राजेश खैरा, बलवंत मेहता, प्रमोद सिंघवी, सिद्धार्थ जैन, गौरव शर्मा एवं डायरेक्टरी के चेयरमैन गौतमचंद पोरवाल को सराहनीय कार्य के लिए धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में खागा के आम सदस्यों ने काफी संख्या में भाग लेकर राजस्थानी स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया एवं सभी को खागा द्वारा एक आकर्षक गिफ्ट भी दिया गया। कार्यक्रम का संचालन सज्जनराज मेहता ने किया।

जेबीएन वी प्रेन्योर्स की अंतिम बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पगारिया स्वयं जेबीएन वी प्रेन्योर्स ने अपने कार्यकाल की अंतिम बैठक का आयोजन रेनेसा, रेस कोर्स रोड पर किया। यह एक ऊर्जावान और प्रभावशाली बैठक रही, जहाँ महिला रेफरल नेटवर्क ने आपसी व्यवसाय संदर्भ का आदान-प्रदान किया, व्यावसायिक संबंधों को मजबूत किया और सामूहिक व्यापारिक विकास को बढ़ावा दिया। इस कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के प्रेरणादायक उच्चारण से हुई, जिससे पूरे आयोजन में एक सकारात्मक और एकाग्र माहौल बन गया।

बैठक के दौरान प्रत्येक सदस्य को एक-एक मिनट का समय दिया गया, जिसमें उन्होंने अपने व्यवसाय का परिचय दिया और जेबीएन के साथ अपनी यात्रा को साझा किया। उन्होंने अपनी उपलब्धियों, सीखों और अनुभवों को पूरे जोश के साथ प्रस्तुत किया। इसके पश्चात रेफरल हेड नीलम शांड ने सभी सदस्यों से संवाद किया, प्रत्येक सदस्य की

सराहना की, उनकी भूमिका की महत्ता को रेखांकित किया और इस छह महीने की सफल यात्रा में उनके योगदान को सराहा। इसके बाद जेबीएन लीड नताशा भंडारी ने एक विस्तृत प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया, जिसमें पिछले छह महीनों की उपलब्धियों, राजस्व वृद्धि, सफलताओं और प्रमुख झलकियों को खूबसूरती से दर्शाया गया। कार्यक्रम में महिलाओं की व्यापारिक उपलब्धियों का उत्सव भी मनाया गया। साथ ही सभी सदस्यों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। अंत में सचिव ज्योति कोचट्टा ने इस छह महीने की यात्रा की उपलब्धियों का सारांश प्रस्तुत किया। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत जेबीएन यात्रा, सदस्यों और लीडरशिप टीम के साथ बिताए पलों को साझा किया। उनकी भावनात्मक प्रस्तुति ने कार्यक्रम को एक व्यक्तिगत और दिल को छू लेने वाला स्पर्श दिया। जेबीएन वी प्रेन्योर्स की यह यात्रा कुल 19,75,000 रुपये के व्यापार के साथ सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसने सभी उपस्थित लोगों को प्रेरणा और गर्व से भर दिया।

भिक्षु का 266वां अभिनिष्क्रमण दिवस मनाया

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री सोमयशाजी के सानिध्य में आचार्य भिक्षु का 266वां अभिनिष्क्रमण दिवस उल्लास वातावरण में मनाया गया। इस आयोजन के लिए साध्वी जी विहार करते हुए हासन पधारीं। साध्वी सोमयशाजी ने बताया कि आचार्य भिक्षु एक सिंह पुरुष थे। उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों की परवाह न करते हुए सत्य मार्ग पर आगे बढ़ने का सुदृढ़ मानस बनाया। जैसे ही वे रघुनाथ जी से अलग हुए, कष्टों के पहाड़ टूट पड़े, पर फौलादी जिगर वाले आचार्य भिक्षु अपने पथ से विचलित नहीं हुए और तेरापंथ का जो सुरम्य बांध हम देख रहे

है उन्हीं का फलश्रुति है। इस अवसर पर साध्वी डॉ. सरलयशाजी ने आगम के आधार पर भिक्षु को नवांगी सम्पन्न बताते हुए वर्तमान में तेरापंथ धर्मसंघ को मौलिक विशेषताओं का उल्लेख किया। कार्यक्रम के आरंभ में हासन महिला मंडल एवं तेरापंथ युवक परिषद ने गीत की प्रस्तुति दी। यशवंतपुर, बेंगलूरु से आए हुए मंत्री अनिल दक ने विचार रखे। हासन सभा अध्यक्ष सोहनलाल तातेड़ ने बाहर से आए हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने विचार रखे। युवक परिषद अध्यक्ष नितेश सुराणा ने सभी का आभार प्रकट किया। साध्वी ऋषिप्रभा जी ने कार्यक्रम का आयोजन प्रभावी ढंग से करते हुए आचार्य भिक्षु से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण बाते बताई।

साध्वीवृंद के दर्शन वंदन का लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रावणबेलगोला में विराजित युग प्रधान आचार्य सम्राट डॉ. शिवमुनि की सुशिष्या तप कौमुदी महासती निर्मला के दर्शन हेतु सोमवार को राजाजीनगर श्रीसंघ से कार्यकारिणी टीम उपस्थित हुई।

महासती निर्मला ने कहा कि राजाजीनगर संघ सदैव साधु साध्वी की सेवा में अग्रणी रहा है। इसी प्रकार संतों की सेवा एवं धर्म का लाभ आपके संघ में बना रहे और आप इसी तरह संघ के प्रति जिम्मेदारीयों को निष्ठा से, श्रद्धा से निर्वाहन करते रहें। साध्वी नन्दिता ने जीतो द्वारा आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस की सराहना करते हुए कहा कि सिर्फ जैन ही नहीं सभी जैनेतर भी इस विश्व कल्याण और

विश्व शांति के महामंत्र से जुड़कर नवकार की आराधना करें। इस मौके पर राजाजीनगर श्रीसंघ से अध्यक्ष प्रकाशचन्द चाणोदिया, उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, मंत्री नेमीचंद दलाल, सहमंत्री राकेश दलाल, पूर्व अध्यक्ष मिश्रीमल कटारिया, शांतिलाल चाणोदिया, भागचंद गुगलिया, महावीरचन्द डोसी, पारसमल भलगट, संपतराज चाणोदिया, युवा अध्यक्ष धीरज नाहर आदि उपस्थित रहे और गुरुवर्या के आगामी चातुर्मास की तैयारियों पर विचार विमर्श किया। गुरुवर्या का आगामी 2025 का चातुर्मास राजाजीनगर बेंगलूरु में घोषित है। 10 अप्रैल के पश्चात श्रावणबेलगोला से साध्वीवृन्द की मैसूरु की ओर विहार की संभावना है।

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर - श्रीरामपुरम के अंतर्गत 266वें भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस एवं विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष में दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। प्रथम दिवस मरियापनपाल्या स्थित गायत्री पार्क एवं द्वितीय दिवस सुब्रमण्यनगर स्थित संगोली रायणा पार्क में ग्लूकोमीटर के माध्यम से ब्लड सूगर एवं रक्त चाप जांच की गई। कैम्प की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। कुल 116 सदस्यों ने इस शिविर का लाभ लिया। तेयुप युवा साथियों ने जांच हेतु पधारे सदस्यों से वार्तालाप करते हुए एटीडीसी द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाओं, डॉक्टरों की उपलब्धता एवं अन्य जानकारी से अवगत कराया। कैम्प को सुव्यवस्थित आयोजन करने में एटीडीसी स्टाफ श्यामला, दीपा, सहेली का अथक श्रम नियोजित हुआ। इस अवसर पर तेयुप से जयंतीलाल गांधी, मिलन गांधी, राजेश देरासरिया, मुकेश नाहर एवं मुकेश भंडारी ने अपनी सेवाए प्रदान की।

जेएसपीएल ने किया विश्व नवकार मंत्र दिवस का रजिस्ट्रेशन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन स्पोर्ट प्रीमियर लीग द्वारा आयोजित सीजन 4 में हुए लोयला मैदान के लीग मैच में सभी 8 टीमों के 120 खिलाड़ियों का आगामी 9 अप्रैल को होने वाले विश्व नवकार दिवस के लिए रजिस्ट्रेशन किया गया। इस टूर्नामेंट में 8 टीमों ने भाग लिया, जिसमें बर्ड आई वी आर लायन्स किंग्समैन और मरुधर ने सेमीफाइनल में दस्तक दी। सेमी फाइनल और फाइनल 13 अप्रैल को दूधिया रोशनी में खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट के मुख्य प्रायोजक वैभव ग्रुप के पंकज बॉलर एवं ट्रॉफी स्पॉन्सर दादीस के विजय हैं। इससे पूर्व 4 अप्रैल को जीतो नॉर्थ की टीम ने संकल्प टावर स्थित जेएसपीएल ऑफिस में सभी कमेटी मेंबर्स एवं उनके सगे संबंधियों को रजिस्ट्रेशन के लिए निवेदन किया। जीतो नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी एवं नवकार दिवस के संयोजक दिनेश खींवेसरा ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर जीतो के रमेश दक, नीतेश गांधी, सुनील लोढ़ा, दिनेश लोढ़ा, पंकज बॉलर, दिनेश पारलेचा, प्रवीण चौधरी, अरविंद टपरावत एवं जीतो यूथ से मंत्री अशीष टपरावत उपस्थित थे। जेएसपीएल की ओर से विमलेश भंडारी, दीपक चंडालिया, ऋषि बाफना, नीरज जैन, विनीत सुरेश एवं रवि जैन ने सभी जीतो मेंबर्स का आभार प्रकट करते हुए इस कार्य की अनुमोदना की एवं ज्यादा से ज्यादा रजिस्ट्रेशन का आश्वासन दिया।

'वनवासी के राम, सरयू तट पर' नामक नृत्य-नाटिका का भव्य आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्थानीय सामाजिक संस्था एकल श्री हरि वनवासी फाउंडेशन, बेंगलूरु चैप्टर व महिला समिति के तत्वावधान में रविवार को जयनगर स्थित एनएमकेआरवी कॉलेज के सभागार में 'वनवासी के राम, सरयू तट पर' नामक

नृत्य-नाटिका का भव्य आयोजन किया गया। इसका मंचन नई दिल्ली की मुद्रा मीडिया प्रोडक्शन संस्था के लगभग 25 कलाकारों द्वारा पंडित श्री हरिवंश जी के निर्देशन में किया गया। नाटिका में अयोध्या के प्राचीन राम मंदिर का इतिहास मुगल आक्रांता बाबर द्वारा मंदिर विध्वंस, उसके स्थान पर मस्जिद का निर्माण और फिर हिंदू समाज द्वारा मंदिर पुनर्निर्माण के लिए किए गए दीर्घकालिक संघर्ष से लेकर वर्तमान भव्य राम मंदिर के निर्माण तक की संपूर्ण यात्रा अत्यंत भावनात्मक और मनोहारी शैली में प्रस्तुत की गई। इसमें संस्था के कुछ स्थानीय कलाकारों और महिला समिति की सदस्यों द्वारा भी सुंदर नृत्य-प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनकी सभी ने सराहना की। इस भव्य आयोजन की तैयारियाँ पिछले कई महीनों से चल रही थीं। इसकी सफलता में बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी, सचिव संजय अग्रवाल, महिला समिति की अध्यक्ष कांता सोमानी, उपाध्यक्ष नीरज लड्डा, सचिव पूजा पांड्या तथा कोषाध्यक्ष रीना मित्तल सहित अनेक समर्पित सदस्यों का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन कुशलता से सुनीता मालपानी द्वारा किया गया। बागलकोट से आए फाउंडेशन के वनवासी क्षेत्रों में भ्रमण करने वाले रथ मंदिर का भी इस कार्यक्रम में शुभागमन हुआ, जिसने दर्शकों को गहरे भावनात्मक स्तर पर जोड़ा।

दस दिवसीय धार्मिक संस्कार शिविर प्रारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के तत्वावधान में जैन भवन अलसूर में सोमवार से बच्चों का दस दिवसीय धार्मिक संस्कार शिविर प्रारंभ हुआ। शिविर में 80 बच्चे भाग ले रहे हैं और 10 अध्यापक शिक्षण सेवा दे रहे हैं। शिविर में बच्चों को धार्मिक ज्ञानार्जन के साथ आवश्यक संस्कार भी सिखाए जाएंगे। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के मंत्री अभय कुमार बांठिया एवं पूर्व अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया ने शिविर का अवलोकन किया।

उपाध्याय पद की आराधना दिवस आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में विराजित पूज्य मलयप्रभ सागर जी ने नवपद जी ओली के चतुर्थ दिवस के प्रवचन में फरमाया कि उपाध्याय यानि शिष्यों के पठन पाठन की जिम्मेदारी, विनय की प्रतिमूर्ति, निश्रावर्ति सभी साधुओं को संयम मार्ग में स्थिर करने का महान कार्य करने वाले साधु भगवन्त होते हैं। आचार्य शासन को चलाते हैं तो उपाध्याय संघ को मजबूती से आगमों के पठन पाठन से आगे बढ़ाते हैं। जिस वाणी को तीर्थंकरों

ने फरमाया है उस वाणी को उपाध्याय पदधारी हमें सुनाते हैं। योग्य आत्मा को वात्सल्य, समझ, स्नेह देकर उसे धर्म में रत करना यह उनकी जिम्मेदारी है। जैसे पंच परमेष्ठी में बीच में आचार्य विराजित है, वैसे गुरु तत्व के बीच उपाध्याय विराजित है। साधु और आचार्य के बीच पुल का कार्य उपाध्याय करते हैं। आचार्य जिनशासन के राजा हैं तो उपाध्याय जिनशासन के युवराज हैं और आने वाले समय में वो आचार्य बनकर शासन को मार्ग दिखाते है।

आचार्य को तीर्थंकर की उपमा दी गयी है तो उपाध्याय को गणधर की उपमा दी गयी है। तीर्थंकर अर्थ का उपदेश देते है। आचार्य भी वही अर्थ का उपदेश देते है। गणधर सुत्रों से आगमों की रचना करते हैं और उपाध्याय उन आगमों का अर्थ सिखाते है। उपाध्याय भगवंत गच्छ की जिम्मेदारी सँभालते हैं जिससे आचार्य भगवंत गच्छ के साथ शासन को चला सकते हैं। मुमुक्षु को दीक्षा आचार्य देते हैं तो उपाध्याय उसे संभालते है। उपाध्याय पदधारी से हमें विनय गुण की याचना करनी है। उपाध्याय के 25 गुण होते हैं। ऐसे विनय की मूर्ति, आचार्य की आज्ञा को शिरोधार्य करने वाले, उपाध्याय पद को हमारी बारम्बार वंदनाएं है।

हर घर गुरुदेव इक्तीसा जाप आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा पूज्य मलयप्रभ सागर जी एवं मुकुलप्रभ सागर जी की प्रेरणा से अनंत उपकारी युगप्रधान दादा गुरुदेव का अत्यन्त चमत्कारी इक्तीसे का पाठ आयोजित किया गया। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने सभी पधारे हुए सदस्यों का स्वागत किया और कहा कि रवि पुष्य नक्षत्र के दौरान इक्तीसा और मंत्रों का पाठ सौभाग्यशाली होता है। मंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि गुरुदेव इक्तीसा पाठ प्रतिमाह

के एक रविवार को संघ के सदस्यों के निवास पर आयोजित किया जाता है और इस माह का इक्तीसा पाठ बाबूलाल, गौतम कुमार, मनोज कुमार ललवानी परिवार के निवास पर आयोजित किया गया। जिसमें राजैन्द्र गुलेच्छा, नितेश बोहरा, पारस पारख, महावीर पारख, रेखा लोढ़ा ने सुमधुर भक्ति गीतों और अलग अलग रागों में इक्तीसा गाकर सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष अरविन्द कोठारी, उपाध्यक्ष राकेश डाकलिया, महामंत्री ललित डाकलिया, कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल के साथ मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सरकार मतदाताओं के लिए वरदान की बजाय अभिशाप बनी: बीवाई विजयेन्द्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 08 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10+4 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-96

हज पर भिखमंगे भेजने वाले पाकिस्तान की हरकतों का खामियाजा

14 देशों के हज यात्रियों को वीज़ा नहीं देगा सऊदी अरब

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। हज और उमरा के लिए सऊदी अरब जाने वाले पाकिस्तानियों की ओछी हरकतों का खामियाजा भारत समेत 13 अन्य देशों को भी उठाना पड़ा है। सऊदी अरब ने पाकिस्तान को समेटते हुए 14 देशों के लोगों को हज यात्रा के लिए वीज़ा देने से इन्कार कर दिया है। हर साल लाखों मुस्लिम हज और उमरा के लिए सऊदी अरब जाते हैं। लेकिन, इस बार सऊदी सरकार ने कड़ा कदम उठाते हुए 14 देशों के लोगों के लिए वीज़ा जारी करने पर अस्थायी रोक लगा दी है। सरकार का कहना है कि इन देशों के लोग वीज़ा नियमों का पालन नहीं करते और हज में बिना पंजीकरण किए शामिल हो जाते हैं। इस बार सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि अगर अब बिना रजिस्ट्रेशन हज में शामिल पाए गए तो पांच साल तक सऊदी अरब में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अधिकारियों को हज यात्रा के सुचारू और सुरक्षित संचालन की गारंटी के लिए सख्त वीज़ा नियम लागू करने का निर्देश दिए है। यह प्रतिबंध जून के मध्य तक रहेगा। लगभग उसी समय, जब इस साल की हज यात्रा समाप्त होगी। जिन वीजा पर रोक लगाई गई है, उनमें उमरा वीजा के साथ-साथ बिजनेस और फैमिली विजिट वीजा भी शामिल हैं। सऊदी सरकार ने अधिकारिक तौर पर बताया कि भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, नाइजीरिया, मिस्र, मोरक्को, इथियोपिया, अल्जीरिया, इराक, जॉर्डन सूडान ट्यूनिशिया और यमन के नागरिकों के लिए वीज़ा पर रोक लगाई गई है। अब इन देशों के मुस्लिम नागरिकों को 13 अप्रैल 2025 तक ही उमरा वीज़ा मिलेगा। इसके बाद हज खत्म होने तक वीज़ा नहीं दिया जाएगा। सऊदी अधिकारियों ने यह कदम

लोगों को आधिकारिक अनुमति के बिना हज करने की कोशिश करने से रोकने के लिए उठाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि इससे भीड़ और अव्यवस्था बढ़ती है, जिससे गंभीर हादसे होते हैं। इसके अलावा, कुछ लोग हज या उमराह के नाम पर भीख मांगने जैसी ओछी हरकतों में भी शामिल पाए जाते हैं।

कई लोग उमरा या टूरिस्ट वीज़ा लेकर सऊदी अरब पहुंचते थे और वहां रुक कर हज में भी हिस्सा लेते थे जबकि हर देश के लिए हज का एक तय कोटा होता है। इससे न केवल नियमों का उल्लंघन होता है बल्कि सुविधाओं पर बोझ भी बढ़ता है। उल्लेखनीय है दें कि वर्ष 2024 के हज के दौरान भारी भीड़ और गर्मी के चलते लगभग 1301 लोगों की मौत हुई थी। सऊदी सरकार का मानना है कि नियम तोड़ने वाले यात्रियों के कारण ये हादसा हुआ था। बिना रजिस्ट्रेशन के भाग लेने वालों की वजह से भीड़ बढ़ी, जिससे स्वास्थ्य और ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था बिगड़ गई। इसी को देखते हुए 2025 की आगामी हज में व्यवस्था बनाए रखने के लिए वीज़ा पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, हर साल बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक हज यात्रा के लिए सऊदी अरब जाते हैं। साल 2024 में एक लाख 75 हजार लोग हज के लिए गए थे, जिसमें 98 भारतीयों ने जान गंवाई थी। साल 2023 में 187 नागरिकों की हज यात्रा के दौरान मौत हुई थी।

सऊदी अरब ने सितंबर 2024 में पाकिस्तान को उमरा के बहाने देश में प्रवेश करने वाले पाकिस्तानी नागरिकों की ओछी हरकतों को लेकर चेतावनी दी थी। पाकिस्तान के एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब के हज मंत्रालय ने पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय को चेतावनी जारी की थी, जिसमें पाकिस्तानी भिखारियों को उमरा वीजा के तहत राज्य में प्रवेश करने से रोकने के लिए कार्रवाई करने का आग्रह किया गया था। लेकिन पाकिस्तान सरकार पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। हालांकि पाकिस्तान की गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने सऊदी अरब के राजदूत नवाफ बिन सईद अहमद अल-मल्की को आश्वासन दिया था कि सऊदी अरब में भिखारियों को भेजने वाले आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। कहा गया था कि संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन पाकिस्तान सरकार का यह दावा खोखला बयान ही साबित हुआ और कार्रवाई के नाम पर शून्य रहा। इसे देखते हुए आखिरकार सऊदी अरब ने पाकिस्तान समेत कई देशों के वीज़ा पर रोक लगा दी। पाकिस्तान की हरकतों का खामियाजा भारत के हज यात्रियों को भी उठाना पड़ा।

विधानसभा में सत्ताधारी दल का गैर संवैधानिक आचरण

अमित शाह ने श्रीनगर पहुंचकर लिया जायजा

श्रीनगर, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ कानून के खिलाफ जम्मू कश्मीर विधानसभा में सरकार प्रायोजित हंगामे के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कश्मीर पहुंचकर स्थितियों का जायजा लिया। हालांकि आधिकारिक तौर पर बताया गया कि गृह मंत्री का कश्मीर दौरा सीमा की सुरक्षा तैयारियों का जायजा लेने को लेकर था।

गृह मंत्री ने जम्मू कश्मीर के शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों से राजभवन में मुलाकात की और कठुआ जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास स्थित बीएसएफ पोस्ट का दौरा भी किया। अमित शाह ने बीएसएफ के जवानों की सराहना की और कठिन हालात में देश की सीमाओं को बचाने के उनके प्रयासों को सराहा। गृहमंत्री ने कहा कि बीएसएफ के जवानों द्वारा सीमाओं की रक्षा में किए जा रहे योगदान की कोई तुलना नहीं की जा सकती। उन्होंने जवानों के साहस और समर्पण की प्रशंसा की और उनके योगदान का उच्चतम सम्मान दिया।

अमित शाह ने भारत-पाक सीमा पर अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया और कहा कि सरकार सीमा सुरक्षा को और बेहतर बनाने

वक्फ कानून के खिलाफ सत्ता प्रायोजित हंगामा

गृह मंत्री ने सीमा सुरक्षा का भी निरीक्षण किया

के लिए नई तकनीकों का उपयोग करेगी। विशेष रूप से भूमिगत सीमा पार सुरंगों को खोजने के लिए तकनीकी उपायों को लागू किया जाएगा। शाह ने कहा कि सीमा सुरक्षा बलों को इन नई तकनीकों से अधिक कुशलता से काम करने का मौका मिलेगा।

राजभवन में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन ग्यारह शहीदों के परिवारों से मुलाकात की, जो आतंकवादी हमलों में मारे गए थे। गृहमंत्री और उपराज्यपाल ने शहीदों के परिवारों से संवेदना व्यक्त की और सरकार की ओर से पूरी तरह से मदद करने का वादा किया। शहीदों के परिवारों ने इस दौरान अपनी मुश्किलों और संघर्षों को साझा किया, जो वे शहीदों की मौत के बाद झेल रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि देश कभी नहीं भूल सकता कि शहीदों का बलिदान हुआ है और उनके परिवारों को हर संभव सहायता दी जाएगी।

अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ संशोधन अधिनियम पर हुए सरकार प्रायोजित हंगामे के बारे में भी विस्तृत जानकारी ली। विधानसभा में किया गया हंगामा गैर संवैधानिक कृत्य माना गया है, क्योंकि यह कानून देश की संसद से पारित हुआ है। लिहाजा, राज्य की विधानसभा द्वारा इस पर विरोध जताना स्पष्ट तौर पर संविधान का उल्लंघन है। ऐसा ही उल्लंघन तमिलनाडु विधानसभा ने भी किया है। जम्मू कश्मीर की सत्ताधारी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष ▶10पर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा

राष्ट्रभक्त मुसलमानों का संघ में स्वागत है

वाराणसी, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक (प्रमुख) मोहन भागवत ने राष्ट्रभक्त मुसलमानों को संघ में शामिल होने का न्यौता दिया है। मोहन भागवत ने कहा, संघ में देशभक्त मुस्लिमों का स्वागत है, लेकिन खुद को औरंगजेब का वंशज मानने वालों के लिए नहीं। भगवा और भारत माता की जय को अंगीकार करने वाले मुसलमानों का संघ में स्वागत है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने स्पष्ट किया कि पूजा-पद्धति या धार्मिक रीति-रिवाजों को लेकर संघ कोई भेदभाव नहीं करता है। हर जाति-संप्रदाय के लोगों के लिए संघ के दरवाजे खुले हुए हैं। उन्होंने इस दौरान हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई सबका नाम लिया। मोहन भागवत ने मुगल आक्रांताओं के महिमा-गान पर करारा प्रहार करते हुए कहा, जो लोग खुद को औरंगजेब का वंशज मानते हैं, उनके लिए संघ में कोई जगह नहीं है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में पहले से ही राष्ट्रीय मुस्लिम मंच सक्रिय है। मुहम्मद अफजल इसके राष्ट्रीय संयोजक हैं, वहीं इंद्रेश कुमार मार्गदर्शक की भूमिका में

भारत माता की जय कहने वाले मुसलमान आएं

औरंगजेब का वंशज कहने वालों के लिए गेट बंद

हैं। मोहन भागवत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत की संस्कृति एक है और भारत माता की जय और भगवा ध्वज उस संस्कृति के प्रतीक हैं। इसका सम्मान करना प्रत्येक देशवासी का धर्म और कर्तव्य है।

संघ प्रमुख ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने स्वयंसेवकों के साथ संवाद भी किया और संघ में मुस्लिमों एवं जातियों को लेकर जवाब दिया। मोहन भागवत ने कहा कि हम संघ में किसी की जाति नहीं पूछते। संघ में अनुसूचित जाति-जनजातियों के प्रतिनिधित्व के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम किसी से पूछते नहीं हैं। इस दौरान उन्होंने तब का एक किस्सा भी सुनाया, जब वो नए-नए सरकार्यवाह चुने गए थे। उन्होंने बताया, सुरेश सोनी उस दौरान सह-सरकार्यवाह चुने गए। इस दौरान मीडिया ने चलाया कि भागवत गुट की विजय हुई है, ओबीसी को प्रतिनिधित्व देने के लिए सुरेश सोनी को रखा गया है। मैंने मीडिया में खबरें देखकर सुरेश सोनी से पूछा कि क्या वो ओबीसी समाज से आते हैं? इसपर वो मुस्कुराकर रह गए। मोहन भागवत ने कहा कि संघ में ऐसा वातावरण है कि आजतक उन्हें नहीं पता है कि सुरेश सोनी किस जाति से आते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत मलदहिया के लाजपत नगर पार्क की शाखा पर पहुंचे। यहां उन्होंने शाखा के कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और वहीं पर स्वयंसेवकों के सवालों के जवाब भी दिए। ▶10पर

सिक्किम के सीमावर्ती गांव में पहली बार पहुंची बिजली

भारतीय सेना की त्रिशक्ति-कोर ने खोजा समाधान

गंगटोक, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत-चीन और भूटान की सीमा पर डोक-ला पोस्ट के पास स्थित देश का पहला सीमावर्ती गांव डिचू एक ऐतिहासिक पहल का गवाह बना है। सिक्किम के इस गांव के लोगों को पहली बार बिजली की सुविधा मिली है। भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर की इस पहल से स्थानीय लोगों के जीवन को नई दिशा और ऊर्जा मिली है। इसके अलावा सेना ने स्थानीय लोगों की टिन की छतों को भी रंगने का कार्य किया है।

सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने इसी साल 4 जनवरी को डोक-ला चौकी का दौरा किया था। लौटते समय राज्यपाल ने सीमावर्ती गांव डिचू के स्थानीय लोगों से बातचीत की। इस दौरान उन्हें पता चला कि गांव में अभी तक बिजली की सुविधा उपलब्ध नहीं है। राज्यपाल ने इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर तत्काल ध्यान देते हुए भारतीय सेना की 17वीं माउंटेन डिवीजन के जीओसी मेजर जनरल एमएस राठौर से इस चुनौती का समाधान ढूंढने का आग्रह किया। भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर ने राज्यपाल के अनुरोध को गंभीरता से लिया और त्वरित कार्रवाई की। सेना ने सीमावर्ती गांव डिचू में बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए स्थानीय लोगों की बुनियादी जरूरतों पूरा किया। सेना की इस पहल से डिचू के निवासी काफी उत्साहित हैं। ग्रामीणों ने राज्यपाल माथुर और भारतीय सेना के प्रति आभार व्यक्त किया है। अब यह गांव बिजली की रोशनी से जगमगा रहा है। यह पहल दूरस्थ एवं पिछड़े क्षेत्रों के सशक्तिकरण का भी एक उदाहरण है। ▶10पर

केंद्र सरकार ने फिर बढ़ाई रसोई गैस की कीमत

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में इजाफे का ऐलान किया है। इस वृद्धि के साथ सामान्य उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 803 रुपए से बढ़कर 853 रुपए हो जाएगी। 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर का नया भाव हैदराबाद में 905 रुपए, नई दिल्ली में 853 रुपए, कोलकाता में 879 रुपए, मुंबई में 852 रुपए, गुड़गांव में 861 रुपए, नोएडा में 851 रुपए, भुवनेश्वर में 879 रुपए और चंडीगढ़ में 862 रुपए होगा।

महंगाई में आम नागरिक पर और बोझ बढ़ा

केंद्र के इस फैसले से आम जनता को महंगाई के मोर्चे पर एक और झटका लगा है। एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ने से मध्यम वर्ग पर फिर बोझ बढ़ गया है। घरेलू गैस सिलेंडर और उज्जवला योजना के तहत मिलने वाले सिलेंडर पर 50 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को वितरण कंपनियों की ओर से रसोई गैस या एलपीजी की कीमत में 50 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी किए जाने का ऐलान किया। मंत्री ने कहा कि उज्ज्वला और सामान्य श्रेणी के ग्राहकों दोनों के लिए गैस की कीमत में इजाफा किया गया है। नई कीमतें आज आधी रात से लागू हो जाएंगी।

सामान्य उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 803 रुपए से बढ़कर 853 रुपए हो जाएगी और उज्ज्वला योजना के तहत उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 503 रुपए से बढ़कर 553 रुपए हो जाएगी। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं रसायन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, एलपीजी के प्रति सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए की वृद्धि होगी। 500 से यह 550 (पीएमयूवाई लाभार्थियों के लिए) हो जाएगी और अन्य के लिए यह 803 रुपए से ▶10पर

वक्फ कानून के विरोधियों ने भाजपा नेता का घर फूंका

भाजपा के मुस्लिम नेता कट्टरपंथियों के शिकार बने

इंफाल, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। मणिपुर में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष अली असगर को वक्फ संशोधन कानून के पक्ष में बोलने की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। वक्फ कानून से गुस्साए कट्टरपंथियों की हिंसक भीड़ ने जमकर बवाल किया। भीड़ ने अली असगर के घर को आग के हवाले कर दिया। यह घटना थौबल जिले की है जहां 6 अप्रैल की रात करीब 9 बजे हिंसक भीड़ सड़कों पर निकली और जमकर बवाल मचाया। अली असगर ने वक्फ संशोधन बिल के पास हो जाने पर खुशी जाहिर करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा था।

इससे पहले दिन में इंफाल घाटी के कई क्षेत्रों में इस कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए जिसमें करीब 5000 लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने वक्फ कानून को वापस लेने की मांग की और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने एनएच 102 पर सड़क जाम भी किया। इस दौरान कई जगहों पर सुरक्षा बलों के साथ हिंसा पर उतारू भीड़ की झड़प हुई। हिंसक भीड़ भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष असकर अली असगर के घर पहुंची और गालियां बकते हुए घर को फूंक डाला। घर के धू-धू जलने की तस्वीरें भी सामने आई हैं। दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के उन्नाव में सेना के रिटायर्ड कर्नल सूर्य प्रताप सिंह को कट्टरपंथियों ने बुरी तरह पीटा। कर्नल वक्फ कानून के समर्थन में बात करना कट्टरपंथी मुसलमानों को रास नहीं आया। कर्नल के ड्राइवर वसीम ने ही पिटाई की शुरुआत की और उसके बाद दूसरे कट्टरपंथी मुसलमानों ने भी बुजुर्ग को जमकर पीटा। ▶10पर

गारंटी सरकार के खिलाफ 16 दिवसीय जन आक्रोश शुरू

सरकार मतदाताओं के लिए वरदान की बजाय अभिशाप बनी: बीवाई विजयेन्द्र

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होने और मूल्य वृद्धि अत्यधिक होने का आरोप लगाते हुए भाजपा द्वारा आयोजित 16 दिवसीय जनाक्रोश यात्रा सोमवार से मैसूरु में शुरू हुई और सरकार के खिलाफ हल्ला बोला। यह पहली बार है कि राज्य में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद आधिकारिक विपक्षी पार्टी भाजपा ने बड़े पैमाने पर जन आंदोलन आयोजित किया है। इससे पहले, भाजपा और जेडीएस ने बेंगलूरु से मैसूरु तक संयुक्त मार्च निकाला था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके परिवार ने मुडा में अवैध रूप से जमीन हासिल की है। हालांकि, खास बात यह है कि अब भाजपा ही बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सांस्कृतिक नगरी मैसूरु में देश की अधिष्ठात्री देवी चामुंडी की विशेष पूजा-अर्चना कर जनाक्रोश यात्रा का शुभारंभ किया। पार्टी अध्यक्ष विजयेंद्र, पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा, विपक्षी नेता आर. अशोक, चलवाडी नारायणस्वामी, पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंद करजोल, सी.एन. अश्वथ नारायण, पूर्व मंत्री मुरुगेश निरानी, बी. श्रीरामुलु, बिरथी बसवराजू, सी.टी. रवि, पूर्व सांसद नलिन कुमार कटील, वर्तमान सांसद यदुवीर वाडियार और अन्य लोग इसमें शामिल हुए। सेंट्रल पोस्ट ऑफिस सर्किल से अशोक मार्ग होते हुए गांधी चौक तक पैदल यात्रा निकाली गई। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने इसका उद्घाटन किया। नेताओं ने गांधी चौक के निकट एक खुले वाहन में भीड़ को संबोधित किया। भाजपा ने भ्रष्ट कांग्रेस सरकार पर न केवल कीमतें बढ़ाने, बल्कि मुस्लिम तुष्टिकरण, दलितों का पैसा लूटने और किसानों की अनदेखी करने का भी आरोप लगाया है। 16 दिनों की अवधि के लिए संघर्ष के कुल 4 चरणों की योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के गृह जिले मैसूरु से इसकी शुरुआत की गई हैं। यह संघर्ष बेंगलूरु में खत्म होगा। इस बीच, उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि सरकार को उनकी मांगों पर ध्यान देना चाहिए। यात्रा कुल चार चरणों में आयोजित की जाएगी। यात्रा का पहला चरण 7 से 10 अप्रैल तक मैसूरु, चामराजनगर, मांड्या, हासन, कोडागु, मेंगलूरु, उडुपी और चिक्कमगलूरु जिलों में आयोजित किया जाएगा। यात्रा का दूसरा चरण 13 से 18 अप्रैल तक शिवमोग्गा, उत्तर कन्नड़, बीदर, कलबुर्गी, विजयपुरा, बागलकोट, बेलगावी और हुब्बल्ली में आयोजित किया जाएगा। यात्रा का तीसरा चरण 21 से 24 अप्रैल तक यादगीर, रायचूर, बल्लारी, विजयनगर, कोप्पल, गदग, हावेरी, दावणगेरे में और चौथा चरण 27 अप्रैल से 3 मई तक चित्रदुर्ग, तुमकुरु, चिक्कबल्लापुर, कोलार, बेंगलूरु, बेंगलूरु ग्रामीण और रामानगर में आयोजित किया जाएगा। भाजपा के प्रदेशध्यक्ष विजयेन्द्र ने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से पिछले बीस महीनों से राज्य में मूल्य वृद्धि जारी है। आम लोगों के लिए लकीर खींचने का काम किया जा रहा है। कांग्रेस सरकार ने ऐसी भयावह स्थिति पैदा कर दी है कि देश की जनता महंगी जिंदगी जी रही है। हम जिस हवा में सांस लेते हैं, उसे छोड़कर हर चीज की कीमत बढ़ती जा रही है। भाजपा ने सरकार पर मतदाताओं के लिए वरदान की बजाय अभिशाप बनने का आरोप लगाया है। बिजली की दर में 36 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। दूध की कीमत में चार रुपये की बढ़ोतरी की गई है। वे इसे तीसरी बार बढ़ा रहे हैं। अस्पतालों ने भी उपचार दरें बढ़ा दी हैं। इसका असर गरीब लोगों और ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी अस्पतालों में जाने वाले लोगों पर भी पड़ रहा है। उन्होंने हलफनामा शुल्क, स्टाम्प शुल्क, व्यावसायिक कर और बस किराया बढ़ा दिया है। राज्य कांग्रेस सरकार के जनविरोधी कदम की निंदा करते हुए सार्वजनिक विरोध मार्च निकल रही है, जो राज्य के लोगों पर मूल्य वृद्धि का बोझ डाल रही है। 38,060 करोड़ के एससीटीपीएस के पैसे का दुरुपयोग किया गया है। हम इसकी निंदा करते हैं। इसलिए हम कांग्रेस के खिलाफ दो बड़ी लड़ाइयां लड़ेंगे। यह मुकाबला 7 तारीख को मैसूरु क्षेत्र में होगा। हम 8 तारीख को मांड्या में, 9 तारीख को कोडागु और मेंगलूरु में तथा 10 तारीख को उडुपी और चिकमंगलूरु में लड़ेंगे। संघर्ष का दूसरा चरण 13 तारीख को शिवमोग्गा से शुरू होगा। हम लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए काम करते हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कांग्रेस पर मुसलमानों को खुश करने के लिए हिंदुओं के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया है। विजयेंद्र ने कहा कि केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने देवी चामुंडेश्वरी की पूजा-अर्चना करने के तीन घंटे बाद मैसूरु में भ्रष्ट और जनविरोधी कांग्रेस सरकार के खिलाफ जन आक्रोश मार्च शुरू किया।

अक्षम जनविरोधी नीतियों से अवगत कराएंगे

पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता इस यात्रा में भाग लेंगे। उन्होंने कहा हम राज्य की जनता को कांग्रेस सरकार की अक्षम जनविरोधी नीतियों से अवगत कराएंगे, जिनमें मूल्य वृद्धि, सरकारी कार्यों में मुसलमानों को आरक्षण, दलितों के कल्याण के लिए निर्धारित एसईपी और टीएसपी फंड में धोखाधड़ी शामिल है। उन्होंने सवाल का जवाब देते हुए कहा कि बीजेपी और जेडीएस में कोई फूट नहीं है, यह हमारी पार्टी का संघर्ष है। उन्होंने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा हम मूर्ख नहीं हैं जो यह उम्मीद करते हैं कि सत्तारूढ़ पार्टी हमारे संघर्ष का सम्मान करेगी। कांग्रेस पार्टी अपने अस्तित्व के प्रश्न का सामना कर रही है। भाजपा अब विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। देश में 400 से अधिक सांसद वाली कांग्रेस पार्टी आज किस स्थिति में आ गई है। भाजपा को अस्तित्व के सवाल की चिंता नहीं है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा सुरक्षित है।

गारंटी सरकार ने मूल्य वृद्धि के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस ने भाजपा की जन आक्रोश रैली पर पलटवार करते हुए कहा है कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण दैनिक मूल्य वृद्धि आसमान छू रही है। इस बात पर रोष व्यक्त किया गया है कि उन्हें पहले इसका विरोध करना चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए कई मंत्रियों ने भाजपा के विरोध प्रदर्शन की निंदा की है। मंत्री एम.बी. पाटिल ने कहा कि भाजपा सरकार के कोरोना काल में भी भ्रष्टाचार हुआ।

भाजपा सदस्य रहे बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने स्वयं इस संबंध में बयान दिया था। उन्होंने मजाक में कहा कि भाजपा को कांग्रेस की आलोचना करने से पहले आत्मचिंतन करना चाहिए। भाजपा में सैकड़ों आंतरिक समस्याएं हैं। यह सौ दरवाजों वाले घर जैसा है। उन्होंने इसे हटाने के लिए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जब भाजपा सत्ता में थी, तो उसने बकाया बिलों में करोड़ों रुपये की बचत की थी। उन्होंने जवाब दिया कि वे अपने किये पाप का प्रायश्चित कर रहे थे।

उन्होंने कार्यों के लापरवाहीपूर्ण ठेके देने के लिए भाजपा पर हमला किया और कहा कि पिछली वित्तीय कठिनाइयां इसी के कारण थीं। एक अन्य विधायक ईश्वर खंड्रे ने कहा कि भाजपा को कोई वास्तविक चिंता नहीं है। उन्हें केन्द्र सरकार के खिलाफ लड़ना होगा। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि के कारण आवश्यक वस्तुओं की कीमत बढ़ गई है। तेल की बढ़ती कीमतों से अरबपतियों को लाभ हुआ है। गरीब लोग संकट में हैं। उन्होंने चुनौती दी कि पहले पेट्रोल और डीजल की कीमतें कम करें। राज्य सरकार की गारंटी योजनाओं का अध्ययन करने के लिए लोग विभिन्न राज्यों से आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह देखकर भाजपा के पेट में जलन हो रही है। केपीसीसी अध्यक्ष का पद फिलहाल रिक्त नहीं है। इसलिए इस पर चर्चा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा आलाकमान जो भी निर्णय लेगा, हम उसका पालन करेंगे।

नगरपालिका कर्मचारियों के स्थायी रोजगार के प्रमाण पत्र 1 मई को किए जाएंगे वितरित: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि नगरपालिका कर्मचारियों के स्थायी रोजगार के प्रमाण पत्र 1 मई को मजदूर दिवस पर वितरित किए जाएंगे। शहर के पैलेस ग्राउंड में आयोजित कर्नाटक राज्य शहरी निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं के सिविल सेवकों के सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कुछ सिविल सेवकों को पहले ही स्थायी कर दिया गया है।

शेष को स्थायी करने के लिए कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मजदूर दिवस पर ही सिविल सेवकों को स्थायी प्रमाण पत्र वितरित किये जायेंगे। अनुकंपा के आधार पर रोजगार की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्थायी ठेकेदारों के परिवारों को अनुकंपा अवकाश प्रदान किया जाएगा। अपशिष्ट परिवहन वाहनों के ड्राइवरों और क्लीनरों को अनुबंध के बजाय सीधे वेतन भुगतान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कैशलेस उपचार सुविधा के लिए सिविल सेवकों को स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए जाएंगे। हमारी सरकार एक समतापूर्ण समाज के निर्माण में विश्वास रखती है। मैं काम के आधार पर भेदभाव नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में वही मुख्य सचिव और वही नागरिक कर्मचारी हैं। हम आमतौर पर पूजा करने के लिए मंदिरों, मठों और चर्चों में जाते हैं। सिविल सेवक स्वच्छता में ईश्वर को देखते हैं। आपका काम सबसे अच्छा है। उन्होंने कहा कि सरकार आपकी सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी। उन्होंने वैधता प्रमाण पत्र जारी करने के मुद्दे को हल करने का वादा किया। आईपीडी सलप्पा की रिपोर्ट का अध्ययन किया जाएगा और आने वाले दिनों में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। सीवरेज प्रणाली में अनुबंध आधार पर काम करने वाले श्रमिकों को स्थायी बनाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सिविल सेवकों के काम को मानवीयता के साथ किया जाना चाहिए और किसी को भी उनके साथ अमानवीय व्यवहार नहीं करना चाहिए।

सिविल सेवकों को यह सोचकर मूर्ख नहीं बनना चाहिए कि वे अपने पिता द्वारा लगाया गया एक पेड़ मात्र हैं। उन्हें अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देनी चाहिए। हमें अपने बच्चों को आत्म-सम्मानपूर्ण जीवन जीने के लिए शिक्षित करना चाहिए। हमारे माता-पिता शिक्षित नहीं थे। मुझे राज्य का मुख्यमंत्री बनने का अवसर इसलिए मिला क्योंकि मेरे पास कानून की डिग्री थी। इसलिए उन्होंने सभी को शिक्षा पर अधिक जोर देने की सलाह दी। उपमुख्यमंत्री एवं बेंगलूरु शहरी विकास मंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि कोविड काल में एक समय ऐसा भी आया जब पत्नी अपने पति को खाना खिलाने से डरने लगी थी। ऐसे में नगर निगम के कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर सफाई अभियान में जुट गए। उन्होंने कहा कि सिविल सेवक समाज के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। वैधता प्रमाण पत्र के लिए 12,695 आवेदन लंबित हैं। इनमें से 6,110 सामान्य श्रेणी और 6,500 आरक्षित श्रेणी के कार्मिक हैं। उन्होंने कहा कि सभी को एक मई को वैधता प्रमाण पत्र दे दिया जाएगा। इस मौके पर मंत्री के.एच. मुनियप्पा, सफाई कर्मचारी महा संघ के प्रदेश अध्यक्ष नारायण, पूर्व मंत्री एच. अंजनेय और अन्य उपस्थित थे।

लेक्सा लाइटिंग विधान सौधा की नई पर्यावरण-अनुकूल लाइटिंग को प्रदान करती है शक्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक की तकनीकी उत्कृष्टता का एक नया अध्याय विधान सौधा की शानदार स्थायी लाइटिंग से प्रकाशित हुआ है, जिसे पूरी तरह से राज्य के भीतर ही डिजाइन, विकसित और निर्मित किया गया है।

एक खास बात यह है कि पूरी लाइटिंग व्यवस्था लेक्सा लाइटिंग द्वारा क्रियान्वित की गई है, जो मूडबिद्री, मेंगलूरु में स्थित एक प्रसिद्ध और अद्वितीय लाइटिंग सिस्टम निर्माता है। अपने अत्याधुनिक पर्यावरण अनुकूल समाधानों के लिए जानी जाने वाली लेक्सा लाइटिंग ने उन्नत एलईडी तकनीक का उपयोग करके इस परियोजना को क्रियान्वित किया है। नई लाइटिंग प्रणाली में कर्नाटक की प्रतिष्ठित सत्ता की सीट विधान सौधा के चारों तरफ रणनीतिक रूप से स्थापित 1,063 पर्यावरण अनुकूल एलईडी लाइट्स हैं। ये लाइट्स लाखों रंग संयोजनों का उत्पादन करने में सक्षम हैं और सिग्नल और टाइमर का उपयोग करके एक उन्नत प्रणाली के माध्यम से नियंत्रित की जाती हैं, जो विभिन्न अवसरों और मूड के अनुरूप गतिशील डिस्प्ले प्रदान करती हैं। कर्नाटक स्थित एक गौरवशाली कंपनी लेक्सा लाइटिंग का एक प्रभावशाली ट्रैक रिकॉर्ड है, जिसने दुनिया भर में 700 से अधिक उच्च-स्तरीय स्थायी लाइटिंग परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। उनकी उल्लेखनीय परियोजनाओं में अयोध्या धाम, प्रयागराज महाकुंभ, गेटवे ऑफ इंडिया, 100 से अधिक प्रमुख रेलवे स्टेशन, प्रमुख मंदिर, टीवी स्टूडियो और प्रसिद्ध ऑडिटोरियम शामिल हैं। विधान सौधा में नई लाइटिंग कर्नाटक के नवाचार और टिकाऊ तकनीकी कौशल और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाले स्थानीय उद्यम की भावना का एक शानदार प्रमाण है।

कार ने ऑटो-रिक्शा को टक्कर मारी, 4 घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुल्की के कोलनाडु राजमार्ग पर एक कार ने पीछे से एक ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे रिक्शा चालक और तीन यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के समय रिक्शा मेंगलूरु से कर्नाड की ओर जा रहा था। घायलों की पहचान रिक्शा चालक अब्दुल बशीर (35) और यात्री शोभा (55), भवानी (65) और वसंती (72) के रूप में हुई है। कथित तौर पर कार नियंत्रण से बाहर हो गई थी और उसने मुल्की की ओर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे रिक्शा को टक्कर मार दी। रिक्शा चालक कुछ दूर जाकर गिरा और उसे गंभीर चोटें आईं, जबकि तीन यात्रियों को मामूली चोटें आईं। घटना में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। मेंगलूरु उत्तर यातायात पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

चोरी के आरोप में जनजाति के नाबालिग को किया गया प्रताड़ित

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। दावणगेरे जिले में चोरी के संदेह में हक्की पिक्की जनजाति के एक नाबालिग लड़के को पेड़ से बांध दिया गया, पीटा गया और उसके अंडरवियर में लाल चींटियाँ ठूंस दी गईं। पुलिस ने बताया कि यह घटना तब प्रकाश में आई जब इस कृत्य का वीडियो वायरल हुआ, जिसके बाद पुलिस ने इस मामले के सिलसिले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, माना जा रहा है कि यह घटना 4 अप्रैल को चन्नागिरी तालुक के अष्टप्पनहल्ली में हुई थी। नाबालिग को बचाने की कोशिश करने वाले दूसरे लड़के पर भी हमला किया गया। पुलिस ने नौ लोगों को गिरफ्तार किया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

विश्व प्रसिद्ध वैरामुडी ब्रहोत्सव शुरू

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व प्रसिद्ध मेलुकोटे श्री चेलुवा नारायण स्वामी वैरामुडी ब्रहोत्सव की पृष्ठभूमि में, हीरे जड़ित वैरामुडी और राजामुडी मुकुट को जिला केंद्रीय कोषागार से मेलुकोटे ले जाकर ब्रहोत्सव की शुरुआत की गई।

सोमवार सुबह वैरामुडी और राजमुडी मुकुटों को जिला कोषागार से बाहर निकाला गया और पारंपरिक तरीके से उनकी पूजा की गई। जिला कलेक्टर डॉ. कुमार, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवानंदमूर्ति, अधिकारी के.आर. नंदिनी और जिला पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी सहित अन्य ने पूजा अर्चना की। तत्पश्चात, भक्तिभाव के साथ, वज्र शाक्त वैरामुडी और राजा मुडी मुकुट को लेकर, उन्हें परकालू मठ वाहन में रखा गया और कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच श्री लक्ष्मी जनार्दन स्वामी मंदिर ले जाया गया।

विशेष पूजा-अर्चना के बाद जुलूस ऊपरी किले की ओर रवाना हुआ। तीर्थयात्रा बेंगलूरु-मैसूरु राजमार्ग से इंदुवल्लू, के. शेट्टाहल्ली, बाबुरायनकोप्पलु, श्रीरंगपट्टनम के बन्नीमंतपा, किरंगुर, दारासागुप्पे, पांडवपुरा, हरलाहल्ली, बनघट्टा, के. होसूर गेट होते हुए मेलु कोटे तक पहुंची। रास्ते में, गांवों और बस्तियों में लोगों ने वैरामुडी के मुकुट की पूजा की और पेय और छाछ वितरित कर भक्ति प्रदर्शित की तथा पवित्र बने। रात मेलुकोटे के श्री चेलुवनारायण स्वामी संधि में विशेष प्रार्थना के बाद, चेलुवनारायण स्वामी को विशेष सजावट के साथ हीरे जड़ित वज्रमुडी मुकुट से सजाया जाएगा।

बीच सड़क पर युवक की बेरहमी से हत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंगेरी पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक घटना घटी है, जहां एक युवक को बीच सड़क पर रोककर घातक हथियारों से हमला किया गया, उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई और फिर फरार हो गए।

करीब 25 से 30 साल की उम्र वाले इस युवक का नाम और पता अभी तक पता नहीं चल पाया है। युवक जब रात में बनशंकरी की छठी मंजिल पर स्थित एक रेस्तरां के पास टहल रहा था, तो हमलावरों ने उसे रोका और अचानक घातक हथियारों से उस पर हमला कर दिया।

हमलावरों ने उसके सिर, हाथ और पैर सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों पर अंधाधुंध हमला किया और भाग गए। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। खबर मिलते ही केंगेरी पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण किया, शव को आरआरएस अस्पताल भेजा और मामला दर्ज कर अपराधियों की तलाश में जाल बिछा दिया। पुलिस ने कहा कि अगर उन्हें पता चल जाए कि हत्या करने वाला युवक कौन है तो उन्हें पता चल जाएगा कि हत्या किसकी और किस कारण से की।

सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने पर भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए जा रहे: बोम्मई

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री और हावेरी-गदग लोकसभा सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि सरकार के खिलाफ कोई भी प्रदर्शन करने पर भाजपा कार्यकर्ताओं पर दबाव बनाया जा रहा है और मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। राज्य में लोकतंत्र नहीं है और अघोषित आपातकाल लागू है। ऐसे में विपक्षी दल के तौर पर उनका कर्तव्य है कि वे सरकार के खिलाफ लड़ें। हावेरी स्थित पार्टी कार्यालय में पार्टी के 45वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि 1975 में जब देश पर आपातकाल लगाया गया था, तब किसी को भी आजादी नहीं थी। तभी छात्रों से शुरू हुआ विरोध अटल बिहारी वाजपेयी और आडवाणी जैसे अन्य लोगों के नेतृत्व में पूर्ण क्रांति बन गया। उन्होंने कहा कि 1947 में जब देश को आजादी मिली, तब 1952 तक एक राष्ट्रीय सरकार थी, जिसमें किसी एक पार्टी की सरकार नहीं थी। भले ही श्यामा प्रसाद मुखर्जी उस सरकार का हिस्सा थे, लेकिन उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के साथ समझौते

का विरोध किया था। मुखर्जी ने 'एक राष्ट्र, एक नेता' की घोषणा की थी और अपने पद से इस्तीफा देकर इस तरह अपनी लड़ाई की शुरुआत की थी। वे एक महान नेता थे।

उनसे पहले दीनदयाल उपाध्याय ने 'एकात्म मानव दर्शन' की कल्पना की थी और अंत्योदय के दर्शन पर आधारित इस संगठन की स्थापना की थी। सांसद ने कहा कि इससे भी पहले 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना हुई थी। डॉ. हेडगेवार पहले सरसंघचालक थे, उसके बाद गुरुजी (एमएस गोलवलकर) थे। आरएसएस का गठन सावरकर और बाल गंगाधर तिलक की विचारधाराओं के आधार पर हुआ था। वे लोगों में एकता की भावना पैदा करना चाहते थे कि वे सभी भारतीय हैं और भारत की आत्मा उसके हिंदुत्व में निहित है। आज पार्टी ने 45 साल पूरे कर लिए हैं। उन्हें इतिहास, संस्कृति, आदर्शों और नीतियों के बारे में पता होना चाहिए। आज हर चीज का व्यवसायीकरण हो गया है। व्यापारी ही नहीं, राजनेता, जनता, बड़े संस्थान और एनजीओ सभी व्यापार से जुड़े हुए हैं। ऐसे समय में भाजपा एक अनूठी विचारधारा के साथ उभरी है, जो सत्ता में आए या न आए, राष्ट्र निर्माण के लिए दृढ़ संकल्पित है। इस विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी हमारी पीढ़ी पर है। हमें इसे समझना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। अपने मूल मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध होकर हम भाजपा के झंडे तले समाज का निर्माण करेंगे और उस आशय का संकल्प लेंगे। स्थापना दिवस संकल्प का दिन होना चाहिए। बोम्मई ने कहा कि उनके सामने दो रास्ते हैं- सत्ता की राजनीति और लोगों की राजनीति। एक वर्ग है जो सिर्फ सत्ता के लिए राजनीति करता है। वे संत नहीं हैं, लेकिन जब वे जनता के समर्थन से सत्ता में आते हैं, तो वे लोगों की सेवा कर सकते हैं और न्याय सुनिश्चित कर सकते हैं। जब भाजपा राज्य में सत्ता में थी, तो उसने लोगों- किसानों, माताओं, एससी, एसटी के कल्याण के लिए काम किया। वे अपना ढोल नहीं पीटते। लेकिन कांग्रेस हमेशा खुद का प्रचार करती है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ओबीसी की बात करते हैं, लेकिन उनकी पार्टी ने उनके लिए क्या किया है? वर्तमान मुख्यमंत्री ओबीसी हैं, फिर भी ओबीसी निगमों को कोई अनुदान नहीं दिया गया है। पिछली भाजपा सरकार ने एससी/एसटी आरक्षण बढ़ाया। किस मुख्यमंत्री ने ऐसे साहसिक फैसले लिए? सांसद ने कहा कि राज्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार है। कमीशन की राशि के आधार पर निर्णय लिए जाते हैं। पिछले साल 40,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त कर लगाए गए। इस साल बिना उचित बजट के 60,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त कर लगाए गए हैं। दूध, डीजल और बिजली के दाम बढ़ गए हैं। आज राज्य सरकार विकासविहीन और जनविरोधी है।

सभी को एकजुट होकर काम करना चाहिए

कायरता या पीछे हटने की कोई बात नहीं है। भाजपा कार्यकर्ताओं पर दबाव बनाया जा रहा है, मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। लोकतंत्र नहीं है। अघोषित आपातकाल लागू है। ऐसे समय में विपक्ष के रूप में उनका कर्तव्य है कि वे जवाबी कार्रवाई करें। जो लोग कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं, उन्हें आगे आना चाहिए। उन्हें साहस की जरूरत है। हमारे सामने जो भी चुनौतियां आएं, उनका मजबूती से मुकाबला करना चाहिए। बोम्मई ने कहा कि अगर आज चुनाव हो जाएं, तो भाजपा सत्ता में आ जाएगी। हावेरी जिले में सभी को एकजुट होकर काम करना चाहिए और अगले चुनाव में सभी विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करनी चाहिए। राज्य में भाजपा को सत्ता में लाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ मजबूत करें और विकसित भारत बनाने का प्रयास करें।

काले जादू का नाटक कर महिला का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर की महिला पुलिस ने हेजामाडी से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने एक महिला का यौन उत्पीड़न किया और उसे यह विश्वास दिलाकर एक लाख रुपये ठग लिए कि वह काले जादू के प्रभाव में है और उसे विशेष उपचार की आवश्यकता है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान गुरुवयनकेरे निवासी जी अब्दुल करीम उर्फ कुलूर उस्ताद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, अब्दुल करीम ने महिला को काले जादू का इलाज करने के बहाने बार-बार बुलाया। महिला अपनी बहन के साथ कई बार उससे मिलने गई। अपनी शिकायत में पीड़िता ने कहा कि वह इन मुलाकातों के दौरान कुरान की आयतें पढ़ता था। 10 फरवरी, 2022 को जब पीड़िता की बहन उपलब्ध नहीं थी, तो वह अकेले ही हेजामाडी स्थित उसके घर गई थी। शिकायत के अनुसार, इसी दौरान आरोपी ने कथित तौर पर उसे कुरान सुनाया, इलाज की आड़ में उसका यौन उत्पीड़न किया और उससे 55,000 रुपये छीन लिए। पीड़िता ने आगे आरोप लगाया कि आरोपी ने उससे कहा कि इलाज के लिए बड़ी रकम की जरूरत है और कई बार चक्कर लगाने के बाद उसने उससे करीब 1 लाख रुपये ऐंठ लिए। यह भी बताया गया है कि अब्दुल करीम ने काले जादू के उपचार के झूठे दावे के तहत कई अन्य लोगों को भी धोखा दिया और परेशान किया है। उसने कथित तौर पर अपने पीड़ितों को यह विश्वास दिलाने के लिए बहकाया कि वे शापित हैं और उन्हें कुछ अनुष्ठान करने की जरूरत है, अपने लाभ के लिए उनके डर और अंधविश्वास का फायदा उठाया।

मेंगलूरु महिला पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर बालकृष्ण नायक ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच का नेतृत्व कर रहे हैं।

कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों की निंदा के लिए जनाक्रोश यात्रा: प्रल्हाद जोशी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि भाजपा राज्य में कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों की निंदा करने के लिए जन आक्रोश मार्च निकाल रही है।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मूल्य वृद्धि अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। दूसरी ओर, उन्होंने सरकारी नौकरियों में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए सरकार की आलोचना की। हालांकि इसमें धर्म आधारित आरक्षण की अनुमति नहीं है, तथा इसे तुष्टीकरण की पराकाष्ठा बताया।

उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि सरकार संविधान और सुप्रीम

कोर्ट के फैसले के खिलाफ काम कर रही है। वे गारंटी के लिए दलितों के लिए आरक्षित एसईपी और टीएसपी फंड का उपयोग कर रहे हैं।

उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार केवल दलितों को ही गारंटी दे रही है। उन्होंने बताया कि यह तीर्थयात्रा माता चामुंडेश्वरी के आशीर्वाद से आयोजित की जा रही है। इस यात्रा का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष और विपक्ष के दो नेता करेंगे। हमने कानूनी विशेषज्ञों के साथ धर्म आधारित आरक्षण पर भी चर्चा की है। उन्होंने कहा कि वह इसे अदालत में चुनौती देंगे।

बेंगलूरु में महिलाओं के खिलाफ हिंसा

बड़े शहरों में छोटी-मोटी घटनाएं होना आम बात: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि बेंगलूरु जैसे बड़े शहर में छोटी-छोटी अप्रिय घटनाएं होती रहती हैं। स्थिति सुधारने के निर्देश दिए गए हैं। शहर में एक महिला के खिलाफ हिंसा के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। इस संबंध में हमने पुलिस आयुक्त को गश्त कड़ी करने सहित आवश्यक सुधार लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सुबह भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। यह सामान्य बात है कि यहां-वहां अप्रिय घटनाएं जनता का ध्यान आकर्षित करती हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पुलिस

दिन-रात काम कर रही है, चाहे धूप हो या बारिश। इतने बड़े शहर में एक-दो घटनाएं होना सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि हम इसके लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। कर्नाटक में पंचखत्री योजनाएं बहुत सफलतापूर्वक क्रियान्वित की गई हैं। यही कारण है कि विभिन्न राज्यों से लोग यहां अध्ययन करने आ रहे हैं। हाई कमान ने तेलंगाना में गारंटी के विरोध पर ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक राज्य की जलवायु अलग-अलग होती है।

एक सवाल पर उन्होंने कहा शिवकुमार और कार्यकारी अध्यक्ष जी.सी. चंद्रशेखर के साथ केपी-सीसी कार्यालय में बैठक हुई। हाई कमान इस पर ध्यान दे रहा है। समय आने पर मैं केपीसीसी अध्यक्ष के परिवर्तन पर अपनी राय व्यक्त करूंगा। एक मुख्यमंत्री और एक उपमुख्यमंत्री हैं। वे ऐसे मामलों का ध्यान रखते हैं। उन्होंने कहा कि आलाकमान भी अपने सूत्रों से जानकारी प्राप्त करता है। भाजपा को पिछले दो वर्षों से कांग्रेस सरकार द्वारा दिया जा रहा सुशासन बर्दाश्त नहीं है। हमने 5 गारंटियां सफल बनायी हैं। मुख्यमंत्री ने संतुलित बजट पेश किया है। इससे भाजपा और भी नाराज हो गई है। उन्होंने मजाक में कहा कि वे इसलिए विरोध कर रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि अगर चीजें इसी तरह चलती रहीं तो हम सत्ता में वापस नहीं आएंगे। सरकार समाज के हर समुदाय के विकास के लिए कार्यक्रम बनाती है। एससी/एसटी और ओबीसी सहित इन समुदायों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए आरक्षण दिया गया है। राज्य की 16 प्रतिशत आबादी अल्पसंख्यकों की है। उन्हें विकास में पीछे नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने कहा कि इसलिए हमारी सरकार आवश्यक कार्रवाई करेगी।

छात्रों ने सीएम सिद्धरामैया को फसल भेंट की

बदले में मिले कंप्यूटर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिक्षा और कृषि के मिश्रण की एक दिल को छू लेने वाली पहल में, बेलटांगडी तालुक के कुथलुरू में सरकारी स्कूल के छात्रों ने अपने परिसर में सब्जियाँ, फल और शहद की खेती की और अपनी उपज मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को उनके आधिकारिक निवास 'कावेरी' में भेंट की। बच्चों को, जिन्हें स्कूली शिक्षा के हिस्से के रूप में खेती की गतिविधियाँ अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया था, ने गर्व से अपनी फसल मुख्यमंत्री को सौंपी। कृषि के प्रति उनके उत्साह और प्रतिबद्धता से प्रभावित होकर, सिद्धरामैया ने व्यक्तिगत रूप से छात्रों से बातचीत की और उनके काम और पहल के पीछे की भावना की सराहना की। प्रोत्साहन के एक संकेत के रूप में, मुख्यमंत्री ने कुथलुरू सरकारी स्कूल को दो कंप्यूटर उपहार में दिए। उन्होंने छात्रों को कृषि से जुड़ने के लिए प्रेरित करने के लिए स्कूल के कर्मचारियों की भी प्रशंसा की। स्कूल के शिक्षक, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार के वी प्रभाकर और युवा नेता रक्षित शिवराम बातचीत के दौरान मौजूद थे।

छात्रों से स्कूल के शौचालय साफ कराने वाले शिक्षकों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी सरकारी प्राथमिक और उच्च विद्यालयों को चेतावनी दी है कि यदि शिक्षक विद्यालय के शौचालयों की सफाई में छात्रों को शामिल करते हुए पाए गए तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। शिक्षा विभाग ने इस संबंध में एक आधिकारिक अधिसूचना भी जारी कर दी है, जिसमें सभी सरकारी प्राथमिक और उच्च विद्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे छात्रों को शौचालय की सफाई के काम में न लगाएं। विभाग ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने सहित अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह परिपत्र उस घटना के

बाद जारी किया गया है जिसमें बेगुर पुलिस क्षेत्राधिकार के अंतर्गत एक सरकारी स्कूल के छात्रों को शौचालय साफ करने के लिए मजबूर किया गया था। मामला तब प्रकाश में आया जब बच्चों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सामाजिक कार्यकर्ता नागेश द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद 29 मार्च को स्कूल के प्रिंसिपल और शारीरिक शिक्षा शिक्षक के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। विभाग ने पाया है कि 2023 में जारी परिपत्र में स्कूलों को बच्चों को सैनिटाइज्ड शौचालयों का उपयोग करने की अनुमति नहीं देने का निर्देश दिया गया था, इसके बावजूद कुछ स्कूल आदेश का उल्लंघन कर रहे हैं। सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय के दो शिक्षकों को स्कूली बच्चों से शौचालय साफ कराने के आरोप में निलंबित कर दिया गया। यह घटना जनवरी में बेगुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एक स्कूल में घटित हुई थी। स्कूल के शौचालय की सफाई करते छात्रों का एक वीडियो वायरल हुआ। सामाजिक कार्यकर्ता नागेश की शिकायत के आधार पर स्कूल की प्रिंसिपल सकामा और शारीरिक शिक्षा शिक्षिका सुमित्रामा के खिलाफ 29 मार्च को किशोर न्याय अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। बाद में नागेश ने घटना के बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारियों ने बताया कि फरवरी के अंत में दो शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया था और शिक्षा विभाग आंतरिक जांच कर रहा है।

अपार्टमेंट में लटका मिला तकनीकी विशेषज्ञ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के चिक्काबनवारा में सोमवार को एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर अपने फ्लैट में फंदे से लटका मिला। शुरुआती जांच में पता चला कि मौत आत्महत्या थी और पुलिस ने कहा कि पीड़ित प्रशांत नायर एक टेक कंपनी में काम करता था। उसकी पत्नी पूजा नायर भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। उनकी शादी 12 साल पहले हुई थी और उनकी एक आठ साल की बेटी है। बेंगलूरु नॉर्थ डिवीजन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सैदुलु अदावत ने कहा कि उन्हें अपनी पत्नी द्वारा किसी तरह की यातना दिए जाने की कोई शिकायत नहीं है और वे एक साल पहले अलग हो गए थे। प्रशांत नायर के पिता एमएन कुट्टी ने पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में कहा कि उनके बेटे और पूजा के बीच मतभेद था। वे कुछ समय से अलग रह रहे थे। उसका अपनी पत्नी से झगड़ा हुआ था। बाद में, उन्होंने फोन पर उससे संपर्क करने की कोशिश की। जब उसने मेरे कॉल का जवाब नहीं दिया, तो वह घर गए और उसे छत के पंखे से लटका हुआ पाया।

पुलिस ने यौन उत्पीड़न के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बीटीएम लेआउट की एक संकरी गली में एक इमारत में लगे सीसीटीवी कैमरों द्वारा कैद किया गया एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें एक व्यक्ति रात के समय एक अन्य महिला के साथ चल रही महिला का यौन उत्पीड़न करता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि पीड़िता ने आगे आकर शिकायत दर्ज नहीं कराई है, लेकिन सुड्डागुंटेपल्या पुलिस ने अब आरोपी के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज कर लिया है, जबकि पीड़िता की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। छोटी क्लिप में दो महिलाएं रात के समय संकरी गली में चलती हुई

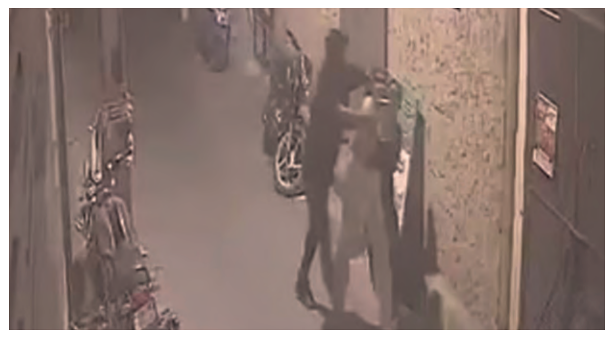

दिखाई दे रही हैं। पीछे से एक व्यक्ति उनके पास आता हुआ दिखाई देता है और जल्द ही वह महिलाओं में से एक के साथ छेड़छाड़ करता है और जब वे मदद के लिए चिल्लाती हैं, तो वह व्यक्ति भागता हुआ दिखाई देता है और महिलाएं आगे चलती हुई दिखाई देती हैं। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण पूर्व डिवीजन) सारा फातिमा ने कहा कि उन्होंने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है और पीड़िता का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा हम दोनों महिलाओं से अपील करते हैं कि वे आगे आएं और अपराधी को सजा दिलाने में हमारी मदद करें।

खरसिया–परमालकसा प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़ की रेल संपर्क को बदलने वाला: वैष्णव

बिलासपुर/नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय कैबिनेट की ओर से मंजूर खरसिया–नया रायपुर–परमालकसा रेल प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़ की रेल कनेक्टिविटी को बदलने वाला है। इस प्रोजेक्ट पर 8741 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इससे पूरे छत्तीसगढ़ को एक छोर से दूसरे छोर तक कवरेज मिलेगा।

श्री वैष्णव ने आज नयी दिल्ली रेल भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस, जिसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से छत्तीसगढ़ की मीडिया भी जुड़ी हुई थी, में कहा कि खरसिया–परमालकसा 5वीं–6वीं रेल लाइन छत्तीसगढ़ में रेल नेटवर्क की नई धमनी की तरह है । यह ओडिशा की सीमा से महाराष्ट्र की सीमा तक रेल नेटवर्क की सुविधा प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि यह भारत के सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक है। इससे छत्तीसगढ़ के रायगढ़, जांजगीर चाँपा, बिलासपुर, बलौदा बाजार, दुर्ग और राजनांदगांव जैसे जिले जुड़ेंगे । इसके तहत 21 स्टेशन बनेंगे और 48 बड़े ब्रिज बनाए जाएंगे। साथ ही 349 माइनर ब्रिज बनेंगे। 14 फ्लाईओवर और 184 अंडर पास का निर्माण होगा। स्थानीय स्तर पर निवासियों को दिक्कत ना हो इसके लिए पांच रेल फ्लाईओवर भी निर्मित किए जाएंगे।

श्री वैष्णव ने कहा कि इस प्रोजेक्ट में 615 किलोमीटर लंबी पटरियां बिछेंगी, जिसमें 278 किलोमीटर का रूट है। इस रूट के निर्माण के बाद 8 से ज्यादा मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन किया जाएगा । इस रेल नेटवर्क के निर्माण से करीब 22 करोड़ लीटर डीजल बचेगा और रेलवे को लगभग 2500 करोड़ रुपये के डीजल की बचत होगी । रेल मंत्री ने कहा कि भगवान राम के वनवास के दौरान माता शबरी के प्रसंग से जुड़े लक्ष्मी नारायण मंदिर का भी इस रेल नेटवर्क से संपर्क स्थापित होगा । बलौदा बाजार और खरसिया जैसे सीमेंट उत्पादन के बड़े इंडस्ट्रियल हब भी इस नेटवर्क से जुड़ेंगे।

श्री वैष्णव ने कहा कि स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए रेलवे अब बायपास पद्धति को अपना रही है। इसके तहत मालगाड़ी को शहर के बाहर से निकालने पर जोर दिया जा रहा है। वहीं यात्री गाड़ियों को शहर के अंदर एंट्री दी जाएगी। इस रेल लाइन के निर्माण के दौरान भी इस पर फोकस रहेगा। साथ ही छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत डोकरा और कोसा सिल्क के उत्पादन वाले इलाके भी रेल लाइन के जरिए जुड़ेंगे। इसके चलते दो करोड़ मैन डे जॉब क्रिएट होगा।

रेल मंत्री ने कहा कि कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार के दौरान छत्तीसगढ़ को लगभग तीन सौ करोड़ का रेलवे फंड मिलता था। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का रेलवे बजट अब 22 गुना बढ़कर लगभग 6900 करोड़ से ज्यादा हो गया है। साथ ही 2014 के बाद छत्तीसगढ़ में रेलवे के काम में अभूतपूर्व तेजी आई है। इसके तहत 1,125 किमी नए ट्रैक बने हैं, जोकि दुबई के पूरे रेलवे नेटवर्क से ज्यादा है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में रेलवे का कुल निवेश 47 हजार करोड़ से अधिक है। इसके तहत 32 स्टेशनों का पुनर्निर्माण हो रहा है, और इन्हें पूरी तरह नया बनाया जा रहा है। इनमें से कई स्टेशनों के विकास का कार्य इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा।

राज्य के महत्वपूर्ण रेल प्रोजेक्ट्स की जानकारी देते हुए रेल मंत्री ने कहा कि दल्लीराझरा से रावघाट नई लाइन पूरी होने वाली है। अब इसके आगे रावघाट से जगदलपुर रेल लाइन के डीपीआर बनाने का काम लगभग पूरा हो गया है। वैसे ही गेवरा–पेन्ड्रा रोड नई लाइन पर भी तेजी से काम चल रहा है। साथ ही राजनांदगांव से नागपुर तीसरी लाइन, झारसुगुड़ा से बिलासपुर चौथी लाइन, रायपुर–केन्द्री–धमतरी से अभनपुर–राजिम लाइन का गेज कन्वर्जन करके ब्रॉड गेज बनाया जा रहा है। राजनांदगांव से डोंगरगढ़ चौथी लाइन, जगदलपुर से कोरापुट की डबलिंग, धरमजयगढ़ से कोरबा नई लाइन, अनूपपुर से अंबिकापुर के दो–हरीकरण के लिए पर्याप्त फंड दिए गए हैं।

संघ स्वयंसेवक श्रीनिवासन का हत्यारा पीएफआई के गढ़ से गिरफ्तार

एरनाकुलम, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2022 में केरल के पलक्कड़ में हुए आरएसएस स्वयंसेवक श्रीनिवासन की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी शमनाद उर्फ शमनाद इल्लीकल को गिरफ्तार कर लिया है। मलाप्पुरम के मंजेरी का रहने वाला शमनाद पिछले तीन साल से फरार था और प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के नेताओं के संरक्षण में छिपा हुआ था। उस पर एनआईए ने सात लाख रुपए का इनाम घोषित किया था।

एनआईए ने बताया कि शमनाद को एरनाकुलम से गिरफ्तार किया गया। वह कई अन्य आपराधिक मामलों में भी वांछित था। जांच एजेंसी की फरार ट्रैकिंग टीम ने लंबे समय तक उसकी तलाश की और खुफिया जानकारी के आधार पर जाल बिछाकर उसे धर दबोचा। शमनाद फर्जी पहचान के साथ रह रहा था और पीएफआई के सहयोग से देश में सांप्रदायिक हिंसा फैलाने की साजिश रच रहा था। एनआईए ने बताया कि सितंबर 2022 में दर्ज इस मामले की जांच में पता चला कि संघ स्वयंसेवक श्रीनिवासन की हत्या पीएफआई नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने की सुनियोजित साजिश का हिस्सा थी।

एनआईए ने कई बार एरनाकुलम में शमनाद को पकड़ने के लिए छापेमारी की, लेकिन वह हर बार बच निकलता था। लेकिन इस बार एनआईए ने खुफिया रिपोर्ट्स के आधार पर अचानक कार्रवाई की और उसे गिरफ्तार कर लिया। एनआईए अब शमनाद से पूछताछ कर इस मामले से जुड़े अन्य संदिग्धों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

न्यायिक क्षेत्र में सहयोग : भारत, नेपाल के सुप्रीम कोर्टों के बीच समझौता

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत और नेपाल के न्यायपालिकाओं के बीच आपसी सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर सोमवार को हस्ताक्षर किए गए।

शीर्ष अदालत की ओर से एक बयान जारी कर यह जानकारी दी गई।

बयान में कहा गया है,भारत के उच्चतम न्यायालय ने आज दोनों देशों के बीच न्यायिक सहयोग को विकसित करने, बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

बयान के मुताबिक, नेपाल के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रकाश मान सिंह राउत और भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

यह भी कहा गया है कि समझौता ज्ञापन का उद्देश्य दोनों देशों तथा उनके लोगों के बीच मौजूद सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंधों से प्रेरित होकर उन देशों की न्यायपालिकाओं के बीच सहयोग को विकसित करना, बढ़ावा देना और मजबूत करना है।

बयान के मुताबिक, यह समझौता ज्ञापन न केवल कानून और न्याय के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर सूचनाओं के आपसी आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि यात्राओं के आदान–प्रदान। अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक कार्यक्रमों जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर न्यायाधीशों और अधिकारियों के बीच बातचीत को भी बढ़ावा देगा।

यह पहल लंबित मामलों को निपटाने, अदालती प्रक्रियाओं में तेजी लाने और हितधारकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने में प्रौद्योगिकी के उपयोग के महत्व को पहचानते हुए, समझौता ज्ञापन में संबंधित न्यायालयों और अन्य संस्थानों में उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकी से संबंधित जानकारी साझा करने का प्रावधान है।

समझौता ज्ञापन के अनुसार, न्यायिक सहयोग को बढ़ावा देने और उसे और मजबूत बनाने के लिए योजनाओं और तौर–तरीकों पर काम करने के लिए दोनों न्यायपालिकाओं के अधिकारियों से मिलकर एक संयुक्त कार्य समूह बनाया जाएगा।

इससे पहले, भारत सरकार और भारत के उच्चतम न्यायालय ने इजरायल के सर्वोच्च न्यायालय, सिंगापुर गणराज्य के सर्वोच्च न्यायालय, बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय, भूटान के सर्वोच्च न्यायालय, ट्यूनीशिया सरकार, जाम्बिया सरकार, मोरक्को सरकार, मालदीव सरकार सहित अन्य देशों/संगठनों के साथ न्यायिक सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

11 दिनों में आग लगने की 94 घटनाओं से दहका जम्मू कश्मीर

जम्मू, 07 अप्रैल (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में पिछले 11 दिनों में जंगल में आग लगने की 94 से ज्यादा घटनाएं दर्ज की गई हैं। नतीजतन कश्मीरियों की परेशान बढ़ती जा रही है। प्राप्त जानकारी में बताया गया है कि 24 मार्च से 3 अप्रैल, 2025 के बीच जंगल में आग लगने की 94 से ज्यादा घटनाएं दर्ज की गई हैं।

अधिकारियों का कहना है कि आग ने कश्मीर और जम्मू दोनों संभागों में कम से कम 15 जिलों को प्रभावित किया है, जिससे चिंता बढ़ गई है।

एक दिन में सबसे ज्यादा आग लगने की घटनाएं 2 अप्रैल को हुईं, जब वन क्षेत्रों में आग लगने की 35 घटनाएं दर्ज की गईं, इसके बाद 3 अप्रैल को 18 आग लगने की घटनाएं दर्ज की गईं। अनंतनाग सबसे ज्यादा प्रभावित जिला रहा है, जहां लगभग हर दिन आग लगने की घटना दर्ज की गई।

पुलवामा, बडगाम, गंदेरबल और बांदीपोरा में भी लगातार घटनाएं देखी गई हैं। इसी प्रकार जम्मू संभाग में राजौरी, रामबन, रियासी, डोडा और पुंछ में कई बार आग लगने की घटनाएं हुई हैं, खास तौर पर 1 अप्रैल के बाद से। जबकि जम्मू और कश्मीर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, वर्तमान में जम्मू और कश्मीर में दो सक्रिय वन अग्नि अलर्ट हैं, जिनमें से एक अत्यधिक प्रकृति का है और 10 अप्रैल 2025 तक वैध है। इस अलर्ट में कहा गया कि अगले 7 दिनों में पुरमंडल और कठुआ के पास के वन क्षेत्र में अत्यधिक वन अग्नि जोखिम होने की संभावना है।

अधिकारियों के अनुसार, एक अन्य अलर्ट में कहा गया है कि अगले 7 दिनों में राजवाल्टा, कालाकोट, सांबा, कठुआ, लखनपुर के पास के वन क्षेत्र में बहुत अधिक वन अग्नि जोखिम होने की संभावना है। आपातकालीन सहायता के लिए 112 डायल करें। आग के बढ़ते जोखिम को देखते हुए, अधिकारियों ने वन की आग को रोकने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई क्या करें और क्या न करें की रूपरेखा भी बनाई है।

एक और हुर्रियत नेता ने अलगाववाद से किनारा किया

जम्मू, 07 अप्रैल (ब्यूरो)।

एक और प्रमुख अलगाववादी आवाज ने औपचारिक रूप से हुर्रियत से नाता तोड़ लिया और भारत के संविधान के प्रति बिना शर्त निष्ठा की शपथ ली है। अलगाववादी विचारधारा से खुद को अलग करने वाले नवीनतम व्यक्ति बशीर अहमद अंद्राबी हैं, जो कश्मीर फ्रीडम फ्रंट (केएफएफ) के अध्यक्ष मोहम्मद अमीन अंद्राबी के बेटे हैं, जो कभी अलगाववादी खेमे में एक प्रमुख नाम थे।

एक हस्ताक्षरित सार्वजनिक घोषणा में, अंद्राबी ने स्पष्ट रूप से कहा कि न तो उनका और न ही उनके संगठन कश्मीर फ्रीडम फ्रंट' का ऑल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस चाहे वह गिलानी (जी) या मीरवाइज (एम) गुट हो या किसी अन्य अलगाववादी समूह के साथ किसी भी तरह का संबंध है। अंद्राबी ने घोषणापत्र में कहा कि हम ऑल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस की विचारधारा का कड़ा विरोध करते हैं, क्योंकि यह जम्मू कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं और शिकायतों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने में विफल रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि हुर्रियत या

संबंधित गुटों के साथ उनके या उनके संगठन के नाम का कोई भी अनधिकृत उपयोग सख्त कानूनी कार्रवाई को आमंत्रित करेगा।

उन्होंने पुष्टि की कि उनका संगठन और मैं भारत के संविधान को बनाए रखने के लिए समर्पित हैं। हम ऐसे किसी भी समूह से संबद्ध नहीं हैं जो भारत के हितों के खिलाफ काम करता है। त्याग की लहर जारी है यह घटनाक्रम अलगाववादी पारिस्थितिकी तंत्र के अन्य प्रमुख व्यक्तियों द्वारा पिछले सप्ताह की गई इसी तरह की घोषणाओं के बाद हुआ है। उनमें से, जम्मू और कश्मीर तहरीक–ए–इस्तिकामत के अध्यक्ष गुलाम नबी वार ने सार्वजनिक रूप से एपीएचसी गुटों के साथ सभी संबंधों को तोड़ दिया, यह कहते हुए कि हुर्रियत ने जमीन खो दी है और लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने में हर कदम पर विफल रही है। मीडिया से बात करते हुए वार ने कहा कि मैंने बहुत पहले ही अलगाववादी विचारधारा से अपने संबंध तोड़ लिए हैं और आज मैं आधिकारिक तौर पर और स्पष्ट रूप से दोनों गुटों से अपने संबंध तोड़ता हूं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि न तो उनका नाम और न ही उनके संगठन का नाम भारत के विचार के विपरीत किसी भी विचारधारा के संबंध में इस्तेमाल किया जाएगा, उन्होंने इस तरह के किसी भी दुरुपयोग के लिए कानूनी परिणामों की चेतावनी दी। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने कहा कि इस संबंध में किसी भी दुस्साहस को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा और देश के कानून का खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

71 करोड़ की वक्फ सम्पत्ति पर अतीक परिवार का कब्जा

यूपी सरकार ले सकती है बड़ा एक्शन

लखनऊ, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

माफिया अतीक अहमद के परिवार और करीबियों ने वक्फ बोर्ड की करोड़ों की सम्पत्ति पर कब्जा कर रखा है। जानकारी के मुताबिक करीब 71 करोड़ की सम्पत्तियों पर अतीक अहमद के परिवार और करीबियों कब्जा है। इन सम्पत्तियों में कई दुकानें, मकान और बहुमंजिला इमारतें शामिल हैं।

इन सभी सम्पत्तियों की जांच उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड और मंडलायुक्त प्रयागराज ने की थी। जांच में पाया गया कि प्रयागराज वक्फ बोर्ड के तत्कालीन मुतवल्ली सैयद मोहम्मद अशीयम ने अतीक के परिवार को वक्फ की जमीनों पर कब्जा कराया और पैसे वसूले थे। इसके बाद मुतवल्ली को हटा दिया गया था और वक्फ का नया मुतवल्ली नियुक्त कर दिया गया था। इस मामले में प्रयागराज पुलिस ने 18 नवंबर 2023 को अतीक के परिवार के 7 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इनमें से कुछ सम्पत्तियों पर बुलडोजर चला दिया गया है जबकि बाकी सम्पत्तियों को लेकर कार्रवाई जारी है।

सुप्रीम कोर्ट वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ याचिकाओं पर समय रहते विचार करने को सहमत

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह 'वक्फ (संशोधन) अधिनियम–2025' की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर समय रहते विचार करेगा।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना तथा न्यायाधीश संजय कुमार और के वी विश्वनाथन की पीठ ने कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और ए एम सिंघवी के शीघ्र सुनवाई के लिए 'तत्काल उल्लेख' किए जाने के बाद समय रहते याचिका पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की। संसद के दोनों सदनों में संबंधित विधेयक पास होने के बाद पांच अप्रैल को नये कानून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मंजूरी मिल गई।

वक्फ (संशोधन) विधेयक (संसद के दोनों सदनों में पारित हो गयी था, लेकिन तब राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली थी) की वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाएं पहले ही दायर की जा चुकी हैं। याचिकाएं दायर करने वालों में कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन प्रमुख एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी और दिल्ली में आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान शामिल हैं।

एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स, जमीयत उलमा–ए–हिंद, समस्त केरल जमीयतुल उलमा जैसे संगठनों ने भी शीर्ष अदालत में रिट याचिकाएं दायर की हैं।

याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि यह अधिनियम मुसलमानों की धार्मिक स्वतंत्रता को छीनने की एक खतरनाक साजिश है। उन्होंने तर्क दिया कि यह संशोधन वक्फ के धार्मिक स्वरूप को भी विकृत करेगा और वक्फ तथा वक्फ बोर्डों के प्रशासन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को भी अपरिवर्तनीय रूप से नुकसान पहुंचाएगा।

उनकी याचिकाओं में शीर्ष अदालत से अधिनियम को असंवैधानिक और संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21, 25, 26 और 300–ए का उल्लंघन करने वाला घोषित करने का निर्देश देने की भी मांग की गई। याचिकाओं में प्रतिवादी केंद्र सरकार और कानून एवं न्याय मंत्रालय को इसके प्रावधानों को लागू करने या लागू करने से रोकने का आदेश देने की गुहार लगाई गई है।

नये वक्फ कानून 'एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995' ने 'वक्फ अधिनियम, 1995' की जगह ली है।

मुर्मू दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर लिस्बन पहुंची

लिस्बन, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर रविवार रात पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन पहुंचीं, जहां वह पुर्तगाली नेतृत्व के साथ वार्ता करेंगी।

किसी भी भारतीय राष्ट्रपति की पुर्तगाल यात्रा 27 वर्षों के अंतराल के बाद हो रही है, तथा ऐसे समय हो रही है जब भारत और पुर्तगाल अपने राजनयिक संबंधों की पुनः स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।

भारत की ओर से पुर्तगाल की अंतिम राजकीय यात्रा 1998 में राष्ट्रपति के.आर. नारायणन ने की थी। श्रीमती मुर्मु की पुर्तगाल यात्रा राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा के निमंत्रण पर हो रही है। श्रीमती मुर्मु अपने समकक्ष राष्ट्रपति डी सूसा से मुलाकात करेंगी और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगी। वह प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो और नेशनल असेंबली (संसद) के अध्यक्ष जोस पेड्रो अगुइर–ब्रैंको से भी मुलाकात करेंगी।

भारत और पुर्तगाल के बीच ऐतिहासिक और मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंध हैं, जो वर्षों से विकसित होकर एक आधुनिक, बहुआयामी और गतिशील साझेदारी में बदल चुके हैं, जिसकी विशेषता सहयोग के कई क्षेत्रों में मजबूत विकास एवं विस्तार है। एक बयान में कहा गया कि यह यात्रा पुर्तगाल के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को और ज्याद प्रोत्साहन तथा नई गति प्रदान करेगी।

श्रीमती मुर्मु इसके बाद नौ से 20 अप्रैल तक स्लोवाकिया की राजकीय यात्रा पर रहेंगी।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

यूपी में होगा सबसे बड़ा वैश्विक निवेशक सम्मेलन

33 लाख करोड़ निवेश की उम्मीद

लखनऊ, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश में इस वर्ष सर्दियों में एक और निवेश उत्सव मनाया जाएगा। यूपी में नवंबर से फरवरी के बीच वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईएस) और भूमि पूजन समारोह (जीबीसी) होगा। यह अब तक का सबसे बड़ा निवेशक सम्मेलन होगा। निवेशक सम्मेलन में कम से कम 33 लाख करोड़ रुपए के नए प्रस्ताव शामिल किए जाएंगे। वहीं, 3 लाख करोड़ रुपए का भूमि पूजन समारोह होगा। प्रदेश में एक इन्वेस्टर समिट, एक ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और चार जीबीसी हो चुकी हैं।

प्रदेश को 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए 110 लाख करोड़ रुपए के निवेश की जरूरत है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए वर्ष 2025-26 में 88 लाख करोड़ रुपए के नए एमओयू या निवेश लीड चाहिए। इस लक्ष्य के लिए इन्वेस्ट यूपी और औद्योगिक विकास विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

पीसीएस स्तर के दो जॉइंट सीईओ के साथ निजी क्षेत्र के शीर्ष दिग्गजों को महाप्रबंधक स्तर के पदों के रूप में जोड़ा गया है। यूपी में अब तक 37.82 लाख करोड़ रुपए के 28743 एमओयू हो चुके हैं। इनमें पिछले वर्ष फरवरी में 10 लाख करोड़ के एमओयू जीबीसी में शामिल किए गए थे। इसमें से 2.76 लाख करोड़ के 6996 एमओयू के तहत इकाइयों में उत्पादन भी शुरू हो चुका है।

110 लाख करोड़ के नए निवेश के लिए इन्वेस्ट यूपी की टीम नई रणनीति पर काम कर रही है। सबसे ज्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) जिन देशों से आता है और सबसे ज्यादा निर्यात जिन देशों में किया जा रहा है, उन देशों पर ज्यादा फोकस है। इस वित्त वर्ष में देश में सबसे ज्यादा निवेशक सम्मेलन हुए। ये असम, राजस्थान, कर्नाटक, मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल में हुए। यूपी की टीम इन पांचों प्रदेशों के सम्मेलन का अध्ययन कर नई पहल की रिपोर्ट तैयार कर रही है। जैसे कर्नाटक अपने निवेशक सम्मेलन में लैंड बैंक लेकर निवेशकों के बीच गया। इस फॉर्मूले को यहां लागू किया जा सकता है। पहली बार वेरीफाइड एमओयू और निवेशकों को प्राथमिकता दी जाएगी।

अन्य राज्यों की तुलना में उत्तर प्रदेश में बेहतर कन्वर्जन हुआ है। गुजरात में कुल एमओयू में से 7 फीसदी का भूमि पूजन समारोह हुआ। असम में कुल एमओयू में से 12 फीसदी का भूमि पूजन समारोह हुआ। यूपी में कुल एमओयू में से 38 फीसदी का भूमि पूजन समारोह हुआ।

औद्योगिक विकास विभाग द्वारा निवेशकों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि आठ वर्ष में चार गुना बढ़ी है। वर्ष 2017-18 में जहां 575 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि निवेशकों को दी गई थी। वर्ष 2024-25 में ये बढ़कर 2229 करोड़ रुपए हो गई। इन्वेस्ट यूपी में वर्तमान में 14 आवेदन लंबित हैं। दो वर्ष में 55 कंपनियों को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किया जा चुका है। इनमें से 11 निवेश प्रत्यक्ष विदेश नीति के तहत आए हैं। इन 55 कंपनियों के जरिये प्रदेश में 42000 करोड़ रुपए निवेश किए जा चुके हैं।

इन्वेस्ट यूपी के सीईओ प्रथमेश कुमार ने कहा, प्रदेश की अर्थव्यवस्था दस खरब डॉलर बनाने के लिए 110 लाख करोड़ रुपए के एमओयू की जरूरत है। इसीलिए नवंबर से फरवरी के बीच वैश्विक निवेशक सम्मेलन कराया जाएगा, जो अबतक का सबसे बड़ा सम्मेलन होगा। इसी अवधि में न्यूनतम 3 लाख करोड़ का भूमि पूजन समारोह भी कराने की तैयारी है। निवेशकों की सुविधा और निवेश को जमीन पर उतारने के लिए सुनियोजित रणनीति के साथ काम हो रहा है। इसमें दिग्गज प्रोफेशनल्स की सेवाएं ली जा रही हैं।

सिद्धार्थनगर में सराफा व्यवसायी का कत्ल

सिद्धार्थनगर, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। सिद्धार्थनगर के सदर थाना इलाके के बरगदवा गांव के पास शनिवार देर रात एक सराफा व्यवसायी की हत्या करके शव बोरी में बांधकर आग के हवाले कर दिया गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने अधजला शव बरामद किया। व्यवसायी पड़ोस के बर्तन व्यापारी के घर हार देने गया था। व्यवसायी के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पड़ोसी व्यापारी और एक अन्य पर हत्या का केस दर्ज किया है।

सदर थाना क्षेत्र के बरगदवा गांव के पास शनिवार देर रात चकरोड से गुजर रहे लोगों ने खेत में कुछ जलता देखा। करीब पहुंचे तो बोरी में लाश जलती देख पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर पुलिस पहुंची तब तक शव का कुछ हिस्सा जल चुका था। पुलिस की जांच में पता चला कि मोहाना थाने में एक युवक की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज हुई है। रविवार की सुबह मोहाना थाना क्षेत्र के भगवानुर गांव के टोला चैनपुर निवासी बलिराम वर्मा मोर्चरी पहुंचे तो उन्होंने शव की पहचान अपने भाई सुनील वर्मा (22) के रूप में की। बलिराम ने बताया कि उसके भाई ने रमवापुर चौराहे पर ज्वेलरी की दुकान खोली थी।

शनिवार को भी वह दुकान पर गया था और शाम को करीब छह बजे बात हुई तो उसने बताया कि वह पड़ोस के बर्तन व्यापारी गौहनिया निवासी हबीबुल्लाह के घर हार देने जा रहा है। शाम साढ़े छह बजे के बाद उसका मोबाइल स्विच ऑफ मिलने लगा। काफी प्रयास के बाद भी कुछ पता नहीं चलने पर रात में मोहाना थाने पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

सुबह लाश मिलने की जानकारी हुई। बलिराम ने आरोप लगाया कि गौहनिया निवासी हबीबुल्लाह और कृष्णा वर्मा ने उसके भाई की हत्या की है। आभूषण का बैग और नकदी गायब है। एसओ मोहाना अनूप कुमार मिश्र ने बताया कि हत्या का केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

सराफा व्यवसायी सुनील वर्मा की हत्या के बाद पेट्रोल डालकर शव जलाकर उसका नामोनिशान मिटाने की कोशिश की गई। रविवार को मोर्चरी पहुंचे लोगों का कहना था कि हत्या का यह तरीका वारदात के पीछे किसी बड़ी वजह की तरफ इशारा कर रहा है। लोगों ने सवाल उठाया कि मामला अगर सिर्फ जेवर लूटने का होता तो मारपीट कर जेवर लूट लिया जाता। हत्या के बाद शव जलाने की कोशिश बड़े सवाल खड़े कर रही है। सुनील छह भाई-बहनों में सबसे छोटा था। बड़े भाई बलिराम ने बताया कि सुनील की 25 अप्रैल को शादी होनी थी। परिवार के लोग शादी की तैयारियों में जुटे थे। अचानक सारी खुशियां मातम में तब्दील हो गईं।

पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी के 10 ठिकानों पर ईडी का छापा

लखनऊ, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी में चिल्लूपार विधानसभा सीट से पूर्व विधायक और सपा नेता विनय शंकर तिवारी के लखनऊ, मुंबई सहित 10 ठिकानों पर ईडी ने सोमवार की सुबह छापेमारी की। तिवारी के गोरखपुर, लखनऊ, नोएडा और मुंबई के ठिकानों सहित देश में करीब 10 जगहों पर ईडी ने एक साथ छापामारी की। सोमवार की सुबह हुई इस कार्रवाई को एक साथ अंजाम दिया गया। ईडी ने उनके खिलाफ चार्जशीट तैयार कर ली थी। जल्द ही उसे कोर्ट में पेश किया जाना है।

ईडी की जांच में सामने आया कि मेसर्स गंगोत्री एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अपने प्रमोटरों, निदेशकों, गारंटरों के साथ मिलकर बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले सात बैंकों के कंसोर्टियम से 1129.44 करोड़ रुपए की क्रेडिट सुविधाओं का लाभ लिया था। बाद में इस रकम को उन्होंने अन्य कंपनियों में डायवर्ट कर दिया और बैंकों की रकम को वापस नहीं किया। इससे बैंकों के कंसोर्टियम को करीब 754.24 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था।

पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी की 72.08 करोड़ रुपए की सम्पत्तियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नवंबर 2023 में जब्त कर दिया था।

ईडी ने यह कार्रवाई विनय तिवारी की कंपनी गंगोत्री एंटरप्राइजेज लिमिटेड द्वारा बैंकों के कंसोर्टियम का करीब 1129.44 करोड़ रुपए हड़पने के मामले में की थी। बैंकों की शिकायत पर सीबीआई मुख्यालय ने केस दर्ज किया था, जिसके बाद ईडी ने भी विनय तिवारी समेत कंपनी के समस्त निदेशक, प्रमोटर और गारंटर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

2023 में ही राजधानी स्थित ईडी के जोनल कार्यालय ने विनय तिवारी की गोरखपुर, महराजगंज और लखनऊ स्थित कुल 27 सम्पत्तियों को जब्त किया था, जिनमें कृषि योग्य भूमि, व्यवसायिक कांप्लेक्स, आवासीय परिसर, आवासीय भूखंड आदि शामिल हैं।

यूपी में इस बार 245 लाख मीट्रिक टन आलू का उत्पादन हुआ

लखनऊ, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश में इस वर्ष आलू का भरपूर उत्पादन हुआ है। इससे आलू के भाव इस साल सामान्य रहने की उम्मीद है। उद्यान विभाग ने आलू निर्यात को बढ़ावा देने का प्रयास शुरू कर दिया है। देशभर में पैदा होने वाले कुल आलू का करीब 35 प्रतिशत आलू का उत्पादन यूपी में होने का अनुमान है। प्रदेश में साल दर साल आलू का उत्पादन बढ़ रहा है। वर्ष 2020-21 में 160 लाख मीट्रिक टन आलू का उत्पादन हुआ था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर करीब 245 लाख मीट्रिक टन पहुंच गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि आलू उत्पादक राज्यों में भी पैदावार अच्छी होने से भाव में उछाल की गुंजाइश कम है।

उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 2207 शीतगृह हैं, जिनकी भंडारण क्षमता 192.43 लाख मीट्रिक टन है। अब तक करीब 144.10 लाख मीट्रिक टन आलू का कोल्ड स्टोर में भंडारण हो चुका है। ऐसे में अब कोल्ड स्टोर में करीब 48.33 लाख मीट्रिक टन भंडारण की जगह बची है। उन्होंने कहा कि सरकार शीतगृहों की संख्या और भंडारण क्षमता लगातार बढ़ा रही है।

प्रदेश में कहीं भी भंडारण की समस्या नहीं है। किसानों को समय से उचित मूल्य दिलाने की व्यवस्था गई है। उन्होंने कहा कि कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के भी प्रयास हैं। कहा, आगे से किसानों से उन किस्मों की ज्यादा बोआई कराई जाएगी, जिनका आसानी से निर्यात किया जा सके। इसके प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 669 लाख मीट्रिक टन हो गया है। वर्ष 2016-17 में जहां यह दर 5.1 फीसदी थी, वहीं 2023-24 में बढ़कर 13.7 प्रतिशत हो गई है। शासन के मुताबिक वर्ष 2016-17 में 557 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न उत्पादन था, जो 2023-24 में बढ़कर 669 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। यही नहीं खाद्यान्न उत्पादकता भी 27 क्विंटल प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 31 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गई है।

तिलहन उत्पादन में भी 128 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 400 लाख टन फल और सब्जियों के उत्पादन के साथ प्रदेश ने देश में पहला स्थान हासिल किया है। सरकार ने पीएम कुसुम योजना के तहत 76,189 से अधिक सोलर पंप आवंटित किए हैं। वहीं, मंडी व्यवस्था में तकनीक को बढ़ावा देने से कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं। साथ ही महिला स्वयं सहायता समूहों के जरिए सीडलिंग उत्पादन से 60 हजार महिलाओं को रोजगार मिला।

चलती कार में एथलीट के साथ गैंगरेप

दोस्त समेत छह मुस्लिम युवक गिरफ्तार

वाराणसी, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। वाराणसी के लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र स्थित हुकुलगंज की रहने वाली एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। युवती के पिता के तहरीर के आधार पर 12 नामजद और 13 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में पुलिस ने छह युवकों को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कई स्थानों से सीसीटीवी फुटेज भी जब्त किया है। दिल दहला देनी वाली घटना को अंजाम देने में मुख्य रूप से सोहेल, साजिद, दानिश, इमरान, जैब, राज खान और जाहिर को अभियुक्त बनाया गया है।

पीड़िता के पिता के अनुसार उनकी बेटी स्पोर्ट्स कोटे में दाखिले की तैयारी कर रही है। इसके लिए वो यूपी कॉलेज परिसर में रनिंग के लिए जाती है। 29 मार्च को वो घर से लापता हो गई थी। परिवार के लोग बेटी के तलाश में कई जगहों पर गए। जब कही पता नहीं लगा तो चार अप्रैल को लालपुर पांडेयपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

उसी दिन शाम को पुलिस ने युवती को बरामद कर लिया। लेकिन घर पहुंचने के बाद युवती काफी डरी हुई थी। युवती ने अपने साथ हुई दरिंदगी की दास्तान जब परिजनों को सुनाया तो उनके होश उड़ गए। परिजनों द्वारा पुलिस को घटना की पूरी जानकारी दी गई। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर छह युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़िता के परिजनों का आरोप है कि 29 मार्च से चार अप्रैल के बीच बेटी के साथ अलग-अलग जगहों पर 23 लोगों ने गलत कार्य किया। तहरीर के आधार पर 29 अप्रैल को युवती अपने दोस्त के घर गई थी। रास्ते में उससे राज नाम का एक युवक मिला था , जो उसे लेकर लंका कैफे में गया था। आरोप है कि उसने नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म किया। उसके बाद समीर और उसके दोस्तों ने गलत काम किया। 31 मार्च को युवती के साथ सोहेल, अनमोल, साजिद, दानिश जाहिर ने भी नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म किया। साजिद अगले दिन युवती को लेकर होटल पहुंचा था। जहां एक अज्ञात व्यक्ति पहले से मौजूद था। इसी तरह कई लोगों ने बारी-बारी से युवती के साथ दुष्कर्म किया।

वरुणा जोन डीसीपी चंद्रकांत मीना ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। छह लोगों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। पकड़े गए युवकों से पूछताछ जारी है। सभी के एक दूसरे के कनेक्शन को भी खंगाला जा रहा है। सभी आरोपियों की पहचान के लिए शहर के कई इलाकों से लिए गए सीसीटीवी फुटेज की जांच भी की जा रही है। साथ में सभी के कॉल डिटेल भी चेक किए जा रहे है।

रामनवमी पर खेत की खुदाई में प्रकट हुए हनुमान

बरेली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। बरेली के इज्जतनगर स्थित रूपापुर बढ़ेपुरा गांव में किसान मोतीराम गंगवार को खेत की खोदाई के दौरान हनुमान जी की प्रतिमा मिली। किसान ने फौरन दावा भी ठोक दिया कि वर्षों से उसके सपने में बालाजी आ रहे हैं। हनुमान जी की प्रतिमा मिलने की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ दर्शन करने जुटने लगी। प्रतिमा की पूजा-अर्चना कर चढ़ावा भी शुरू कर दिया। लगातार बढ़ती भीड़ की खबर मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने भीड़ को हटाया।

किसान मोतीराम ने बताया कि वह लंबे समय से बालाजी महाराज की सेवा करते आ रहे हैं। वर्षों से बालाजी महाराज उनके सपने में आते थे। कहते हैं कि मैं तेरे साथ रहूंगा। मैं गांव में ही हूं, तेरे खेत में हूं। तू मेरा विशाल मंदिर बनवा दे।

जमीन ने उगले नोट : घर और खेत में गड्ढों में दबे मिले पांच करोड़

बागपत, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। बागपत और शामली में गड्ढों में दबाए गबन के पांच करोड़ रुपए पुलिस ने बरामद किए हैं। एटीएम में डालने के लिए बैंक से 5.26 करोड़ रुपए निकाले गए थे। ये रुपए घर और खेत में गड्ढे खोदकर दबा रखे थे।

बागपत में एटीएम में डालने के लिए 5.26 करोड़ रुपए बैंक से लेकर गबन करने के मुख्य आरोपियों रॉकी और गौरव ने रिमांड के चौथे दिन पांच करोड़ रुपए बरामद करा दिए।

गौरव ने आरिफपुर खड़खड़ी गांव में अपने घर में गड्ढा खोदकर तो रॉकी ने अपने गांव हसनपुर जिला शामली में खेत में रुपए दबाए हुए थे।

रिमांड की अवधि पूरी होने पर सोमवार (आज) को इन दोनों के साथ ही चंडीगढ़ पुलिस के इंस्पेक्टर समेत सभी छह आरोपियों को जेल भेजा जाएगा। दोनों मुख्य आरोपी गौरव निवासी आरिफपुर खड़खड़ी और रॉकी निवासी हसनपुर जिला शामली 25 मार्च को तमंचे व कारतूस के साथ गिरफ्तार हो गए थे। जांच में मुख्य आरोपियों और चंडीगढ़ पुलिस की सेटिंग का खुलासा होने पर चंडीगढ़ में मुकदमा दर्ज किया गया। चंडीगढ़ पुलिस इंस्पेक्टर, दो सिपाहियों और मनीष निवासी जौहड़ी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

चंडीगढ़ जेल में बंद गौरव, रॉकी, इंस्पेक्टर समेत छह आरोपियों को बागपत में बी वारंट पर लाया गया और उनको बागपत जेल में शिफ्ट किया गया। इसके बाद न्यायालय से पांच दिन का रिमांड लेकर पुलिस ने छह आरोपियों को जेल से लाकर पूछताछ शुरू की। इनमें सबसे पहले आरोपी मनीष निवासी जौहड़ी ने चंडीगढ़ में छिपाकर रखे 50 हजार रुपए बरामद कराए। रविवार को शामली के हसनपुर गांव में रॉकी ने अपने खेत में गड्ढा खोदकर दबाए गए रुपयों का बैग बरामद कराया। आरिफपुर खड़खड़ी में गौरव ने घर में भूसे के नीचे गड्ढे में दबाए गए रुपयों का बैग बरामद कराया।

एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि गबन के आरोपियों की निशानदेही पर पांच करोड़ रुपए बरामद किए गए हैं, जिनकी गिनती चल रही है।

बाकी रुपए उन्होंने मौज मस्ती पर खर्च कर दिए तो कुछ चंडीगढ़ पुलिस, दोस्त व वकील को दिए। सोमवार को आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

इस मुकदमे में गौरव व रॉकी के कई अन्य परिजनों को भी आरोपी बनाया जाएगा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

न्यूनतम किराए का बड़ा टिकट

न्यूनतम किराया बढ़ोतरी के आयाम और पैगाम के बीच भविष्य की परिवहन अनुशंसा समझी जा सकती है। हिमाचल के यातायात साधनों की सीमित परिपाटी ने यात्री और यात्रा का विवरण बदला है। सडक़ परिवहन पर निर्भरता का आलम यह है कि हर गांव में ट्रैफिक जाम का अलार्म बज रहा है। बहरहाल सुक्खू सरकार ने अपने थैले से न्यूनतम बस किराए की पर्ची निकाल दी यानी अब बस पर बैठ कर उतरने से पहले कम से कम दस रुपए का टिकट तो लगेगा ही। इसे हम आलोचना की दृष्टि से देखें तो विपक्ष के पास खुला मैदान है, लेकिन परिवहन की मांग और इसके प्रबंधन के लिहाज से यह एक आवश्यक कदम था। इससे न केवल निजी बस आपरेटरों की मांग पूरी हो रही है, बल्कि स्थानीय ट्रांसपोर्ट के मायने भी बदल रहे हैं, लेकिन इस फैसले को न्यायोचित ठहराने के लिए बसों के रूट और समय सारिणी के अनुशासन भी निर्धारित करने होंगे। परिवहन अब एक मांग नहीं जीवनशैली की आवश्यकता और यात्रियों के व्यवहार की पुष्टि है। हिमाचल में सार्वजनिक परिवहन की जरूरतें गांव से शहर, शहर से शहर, शहरों के भीतर, अंतरराज्यीय डेस्टिनेशन, धार्मिक दर्शन, पर्यटन व आर्थिकी के विभिन्न पहलुओं से जुड़ती हैं। चामुंडा से वृंदावन बस सेवा की शुरुआत का आयाम अलग है, जबकि चामुंडा से धर्मशाला, पालमपुर, नगरोटा बगवां व कांगड़ा बस सेवा का अभिप्राय अलग है। इन दोनों सेवाओं को अलग-अलग परिप्रेक्ष्य में समझना होगा। शहरी विकास या नए नगर निगमों के प्रस्ताव को क्या हमने सार्वजनिक परिवहन की बदलती जरूरतों में समझा। क्या नगर निगमों से जुड़े गांवों को ऐसी परिवहन सुविधाओं से जोड़ा ताकि सडक़ों पर वाहनों का दबाव घटे। यात्रा सुविधाजनक, समय के अनुरूप और गतिशीलता के साथ चलाने के लिए परिवहन विभाग को अलग-अलग भौगोलिक, सामाजिक, व्यावसायिक, धार्मिक व पर्यटन मानचित्र बनाने पड़ेंगे। यह महज न्यूनतम बस किराए को पांच से दस रुपए करने की अनुशंसा नहीं, बल्कि यह भी देखना होगा कि ऐसी किराया वृद्धि से एचआरटीसी कैसे आत्मनिर्भर हो पाती है। न्यूनतम किराया वृद्धि के फलक पर अगर कई कारण मौजूद हैं, तो कई निवारण भी पैदा करने पड़ेंगे। कम से कम इससे स्थानीय बस सेवा का नेटवर्क ही स्थापित हो जाए, ताकि जनता के अलावा पर्यटकों को हमेशा टैक्सियों के मुंह मांगे दाम न चुकाने पड़ें। न्यूनतम किराया वृद्धि से पूरा परिवहन क्षेत्र संबोधित नहीं होता, खासतौर पर जहां तक इससे जुड़ी सेवाओं का ताल्लुक है। टैक्सियों की दरें तय न होने के कारण यह परिवहन में माफिया की तरह आपरेट हो रहा है। पर्यटक सीजन का नकारात्मक पहलू टैक्सियों की मनमानी दरें हैं, जबकि महानगरों में भी ओला, उबर तथा ऐसी ही ऑनलाइन परिवहन सेवाओं की उपयोगिता ने निजी वाहनों के उपयोग को घटा दिया है। चंडीगढ़ में अगर किसी को पीजीआई जाना हो या नोएडा-गुडग़ांव से दिल्ली एयरपोर्ट या रेलवे स्टेशन जाना हो, तो टैक्सियों के पैमाने किराया वहन करने में समर्थ हैं, जबकि शिमला, मकलोडगंज या मनाली से हवाई अड्डों तक पहुंचना अधिकतम दरों के भी रिकार्ड तोड़ देता है। ऐसे में हर तरह के किराए में एक न्यूनतम सीमा तय हो। रज्जु मार्गों पर भी किराए की सीमा तय होनी चाहिए। मसलन धर्मशाला से मकलोडगंज अगर स्काई-वे सफर से तय करना हो तो एकतरफा 450 रुपए लगते हैं, यह हिमाचल की परिवहन जरूरतों का विकल्प कैसे हो सकता। निजी बसों के लिए न्यूनतम बस किराए की बढ़ोतरी से व्यवसाय को संबल मिलेगा, तो देखना यह होगा कि एचआरटीसी इससे कितना संभल पाती है। जाहिर तौर पर परिवहन निगम की आय के बड़े स्रोत अंतरराज्यीय बस सेवाएं रही हैं, लेकिन प्राइवेट बस आपरेटरों ने वोल्वो जैसी बसें उतार कर अपनी पैठ बना ली है। ऐसे में निगम प्रबंधन को अपनी विश्वसनीयता को लाभकारी बनाने के लिए अंतरराज्यीय बस सेवाओं की उपयोगिता को यात्री संतुष्टि से जोड़ते हुए, इन्हें मांग के अनुरूप बनाना होगा।

सडक़ परिवहन पर निर्भरता का आलम यह है कि हर गांव में ट्रैफिक जाम का अलार्म बज रहा है। बहरहाल सुक्खू सरकार ने अपने थैले से न्यूनतम बस किराए की पर्ची निकाल दी यानी अब बस पर बैठ कर उतरने से पहले कम से कम दस रुपए का टिकट तो लगेगा ही। इसे हम आलोचना की दृष्टि से देखें तो विपक्ष के पास खुला मैदान है, लेकिन परिवहन की मांग और इसके प्रबंधन के लिहाज से यह एक आवश्यक कदम था। इससे न केवल निजी बस आपरेटरों की मांग पूरी हो रही है, बल्कि स्थानीय ट्रांसपोर्ट के मायने भी बदल रहे हैं, लेकिन इस फैसले को न्यायोचित ठहराने के लिए बसों के रूट और समय सारिणी के अनुशासन भी निर्धारित करने होंगे। परिवहन अब एक मांग नहीं जीवनशैली की आवश्यकता और यात्रियों के व्यवहार की पुष्टि है। हिमाचल में सार्वजनिक परिवहन की जरूरतें गांव से शहर, शहर से शहर, शहरों के भीतर, अंतरराज्यीय डेस्टिनेशन, धार्मिक दर्शन, पर्यटन व आर्थिकी के विभिन्न पहलुओं से जुड़ती हैं। चामुंडा से वृंदावन बस सेवा की शुरुआत का आयाम अलग है, जबकि चामुंडा से धर्मशाला, पालमपुर, नगरोटा बगवां व कांगड़ा बस सेवा का अभिप्राय अलग है।

टैरिफ के प्रभाव से अन्य देशों की तुलना में भारत कम प्रभावित होगा

नई टैरिफ जंग में भारत कैसे उभरेगा?

डा. जयंती लाल भंडारी

ट्रंप के नए टैरिफ ऐलान से दुनिया भर के बाजारों और शेयर बाजारों में हाहाकार मच गया है। यद्यपि भारत में सरकार ने संसद में ट्रंप की नई टैरिफ नीति के मद्देनजर घरेलू उद्योगों के संरक्षण की बात कही है, लेकिन अब देश के उद्योग जगत के द्वारा टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा व अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) पर ध्यान दिया जाना होगा। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2024 में भारत के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 फीसदी रही, जो करीब 77 .5 अरब डॉलर थी, निर्यात की ऐसी ऊंचाई अमेरिका को भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनाती है। अतएव ट्रंप के टैरिफ से भारत के कई प्रमुख निर्यात क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

दो अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी विनिर्माण को बढ़ावा देना और व्यापार असंतुलन को दूर करने के लिए मित्र और विरोधी दोनों तरह के देशों पर नए पारस्परिक टैरिफ (रेसिप्रोकल टैरिफ) लगाए हैं। भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। ट्रंप के नए टैरिफ ऐलान से दुनिया भर के बाजारों और शेयर बाजारों में हाहाकार मच गया है। यद्यपि भारत में सरकार ने संसद में ट्रंप की नई टैरिफ नीति के मद्देनजर घरेलू उद्योगों के संरक्षण की बात कही है, लेकिन अब देश के उद्योग जगत के द्वारा टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा व अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) पर ध्यान दिया जाना होगा। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2024 में भारत के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 फीसदी रही, जो करीब 77.5 अरब डॉलर थी, निर्यात की ऐसी ऊंचाई अमेरिका को भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनाती है। अतएव ट्रंप के टैरिफ से भारत के कई प्रमुख निर्यात क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं। इनमें टेक्सटाइल और परिधान, ऑटोमोबाइल पाट्र्स, रत्न और आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि उत्पाद शामिल हैं। लेकिन टैरिफ के प्रभाव से अन्य देशों की तुलना में भारत कम प्रभावित होगा। एसबीआई रिसर्च के अनुसार भारत के कुल निर्यात पर प्रभाव 3.3.5 प्रतिशत तक सीमित रह सकता है। इसमें कोई दोमत नहीं हैं कि ट्रंप के टैरिफ जंग में भारत के लिए घरेलू मांग, घरेलू आर्थिक घटक नए व्यापार समझौते और रिकार्ड खाद्यान्न उत्पादन व रिकॉर्ड खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों का निर्यात कारगर हथियार दिखाई दे रहे हैं। निःसंदेह देश में बढ़ते मध्यम वर्ग के कारण खपत भारत में दिखाई दे रही है। देश के उपभोक्ता बाजार को देश का मध्यम वर्ग नई आर्थिक ताकत दे रहा है। देश में आर्थिक सुधारों के साथ ऊंची विकास दर और शहरीकरण की ऊंची वृद्धि दर के बलबूते भारत में मध्यम वर्ग के लोगों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हाल ही में प्रकाशित दि राइज ऑफ मिडल क्लास इंडिया नामक डॉक्यूमेंट के मुताबिक भारत के मध्यम वर्ग के लोगों की संख्या तेजी से बढक़र वर्ष 2021 में लगभग 43 करोड़ हो गई है और वर्ष 2047 तक यह संख्या बढक़र 102 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इस वर्ग को 5 लाख से 30 लाख रुपए की वार्षिक आय वाले परिवारों के रूप में परिभाषित किया गया है। निश्चित

रूप से भारत के मध्यम वर्ग की मुट्ठियों में बढ़ती क्रय शक्ति और जेन जी एवं मिलेनियल्स की आंखों में उपभोग और खुशहाली के जो सपने दिखाई दे रहे हैं, उनके कारण जहां दुनिया के कई देश भारत से आर्थिक और कारोबारी संबंध बढ़ाने के लिए तत्पर हैं, वहीं दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने नामी ब्रांडों के साथ भारत के बहुआयामी उपभोक्ता बाजार में नई रणनीतियों के साथ दस्तक दे रही हैं। निश्चित रूप से भारत डोनॉल्ड ट्रंप की टैरिफ मार से बचने और वैश्विक व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए नए वैश्विक व्यापार समीकरणों के साथ आगे बढ़ रहा है। हाल ही में 26 से 29 मार्च तक नई दिल्ली में भारत और अमेरिका के वरिष्ठ व्यापार प्रतिनिधियों ने दोनों देशों के बीच 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचाने के प्रस्तावित व्यापार समझौते की रूपरेखा और संदर्भ की शर्तों को अंतिम रूप देने के लिए सार्थक वार्ता की है। जहां एक ओर सरकार तेजी से मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों की रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। अब जहां नॉर्वे, हंगरी, ग्वाटेमाला, पेरू, चिली के साथ भी शीघ्र ही व्यापार समझौते की बातचीत शुरू की जानी चाहिए, वहीं अब भारत के द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजरायल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप देने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा जाना होगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि जिस तरह पांच साल पहले कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के हथियार बन गए थे, उसी प्रकार इस समय अमेरिका के टैरिफ की मार के साथ-साथ शुल्क व गैर शुल्क बाधाओं को कम करने से होने वाली किसी भी प्रकार की हानि को कम करने के मद्देनजर देश में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और रिकॉर्ड खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद एक मजबूत हथियार दिखाई दे रहे हैं। चूंकि इस वर्ष 2025 में वैश्विक स्तर पर खाद्यान्न उत्पादन में कमी के आकलन प्रस्तुत हुए हैं, ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में होने वाली 3 से 3.5 फीसदी हानि की बहुत कुछ भरपाई खाद्यान्न और कृषि प्रसंस्करण के निर्यात से भी की जा सकेगी। निश्चित रूप से देश में बढ़ता खाद्यान्न उत्पादन और मजबूत होती ग्रामीण आर्थिकी देश की आर्थिक शक्ति बन गई है। निःसंदेह ऐसे मजबूत आर्थिक आधार के बावजूद हमें ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों के साथ वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार नीति में अनिश्चितता, अंतरराष्ट्रीय बाजार में जिंसों के दाम और वित्तीय बाजार में अस्थिरता तथा विदेश में व्याप्त आर्थिक निराशावाद के प्रति भी सतर्क रहना होगा। हमें इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि खाद्य कीमतों में तेज गिरावट और कम मुख्य मुद्रास्फीति के कारण नीतिगत दरों में कटौती की गुंजाइश बनती है, किन्तु घटती महंगाई और बढ़ते खाद्य उत्पादन को देखकर सरकार को कृषि क्षेत्र में लंबे समय से पसरी हुई चुनौतियों से नजर हटाने से बचना होगा। निश्चित रूप से ट्रंप के टैरिफ से इस समय देश की आर्थिकी को होने वाले किसी भी नुकसान की भरपाई के साथ भव निःसंदेह भारत के विनिर्माण क्षेत्र को संरक्षण के लिए टैरिफ पर निर्भर रहने के बजाय प्रतिस्पर्धा और कारोबार बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। भारत ने ऐतिहासिक रूप से घरेलू निवेशकों के संरक्षण के लिए ऊंचे शुल्क बनाए रखे हैं। 1991 में उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ाने के लिए उदारीकरण के लाभ मिले हैं। चूंकि टैरिफ प्रतिस्पर्धा से जुड़े हैं, अगर हम टैरिफ की आड़ में रहेंगे तो प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाएंगे। हम उम्मीद करें कि भारत 2 अप्रैल को अमेरिका के द्वारा भारत पर लगाए गए 26 फीसदी टैरिफ की चुनौती का मुकाबला करने में सफल होगा। भारत की बढ़ती घरेलू मांग, नए व्यापार समझौते, रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन, बढ़ता खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और बढ़ता कृषि व खाद्य प्रसंस्करण निर्यात और घरेलू आर्थिक घटक भारत के लिए मजबूत और असरकारक आर्थिक हथियार के रूप में उपयोगिता देते हुए दिखाई देंगे। साथ ही उद्योग-कारोबार के द्वारा वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ाए जाने पर भारत टैरिफ की चुनौतियों के बीच वैश्विक कारोबार बढ़ाने के मौकों को भी मुट्ठी में लेते हुए दिखाई देगा।

दृष्टि कोण

देवभूमि की धरा पर चरमपंथ की आहट

राष्ट्र के लिए बलिदान का जज्बा रखने वाला सैन्य पृष्ठभूमि का गढ़ वीरभूमि हिमाचल किसी तारूफ का मोहताज नहीं है। राज्य के सैन्य धरातल पर आतंकवाद को मुहतोड़ जवाब देकर बलिदान हुए मेजर 'संदीप सांखला', कैप्टन 'सुधीर वालिया' 'अशोक चक्र' व लखवीर सिंह 'शौर्य चक्र' तथा सूबेदार प्रेमचंद 'कीर्ति चक्र' जैसे शूरवीरों की दास्तान-ए-सुजात का अक्स नजर आता है। लेकिन पिछले कुछ अर्से से कुछ अलगाववादी ताकतें देश-दुनिया के सबसे शांतमयी राज्यों में शुमार हिमाचल प्रदेश के शांत वातावरण को दुष्प्रभावित करने में लगी हैं। पड़ोसी राज्यों के लोग आस्था की आड़ में स्थानीय दुकानदारों से बदसलूकी कर रहे हैं। अकीदतमंदों के भेस में अलगाववादी नारे लगाकर कानून को ठेंगा दिखाया जा रहा है। इतिहास साक्षी रहा है कि मजहब की बुनियाद पर हिंदोस्तान के बंटवारे से लेकर मुल्क में आगजनी, हिंसा, कट्टरपंथ व अलगाववाद जैसी हिमाकत की तखलीक के पीछे सियासत व मजहबी जमातों ने एक मखसूस किरदार अदा किया है। सियासी हुक्मरानों की तल्ख बयानबाजी तथा मजहबी रहनुमाओं की आग उगलती तकरीरें बुझी राख को भी भडक़ाने की पूरी सलाहियत रखती हैं। मौजूदा वक्त का तनाजुर भी कुछ ऐसा ही है। हिंसा में बेगुनाह इनसानियत का कत्ल हो, आगजनी की लपटों में मजहब जले, तहजीब राख हो, लोगों के आशियाने खाक हों या मासूम यतीम हो जाएं, मगर सियासत की निगाहें सियासी जमीन तराशती हैं। मजहबी जमातें सियासत को अपनी ताकत का एहसास कराती हैं। दूसरी विडंबना यह है कि आतंक के मरकज हमसाया मुल्क पाकिस्तान से सटे सरहदी राज्यों की सीमाएं हिमाचल से लगती हैं। आईएसआई सहित विदेशी खूफिया एजेंसियां भारत में चरमपंथ को बढ़ावा देने में लगी रहती हैं। हिमाचल की सरजमीं पर चरमपंथी तत्वों द्वारा अंजाम दी जाने वाली मुनज्जम वारदातों ने सन 1980 के दशक की दहशतगर्दी की याद ताजा कर दी है। जब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का संताप पड़ोसी सूबे पंजाब के साथ भारतीय सेना को भी झेलना पड़ा था। सिखों के मुकद्दस अकाल तख्त परिसर में मजबूत मोर्चाबंदी कर चुके अलगाववादियों से निपटने के लिए जून 1984 में सेना को आपरेशन 'ब्लू स्टार' के तहत सैन्य कार्रवाई करनी पड़ी थी। परिसर में की गई मजबूत किलेबंदी को ध्वस्त करने में सेना की '10 गाड्र्स' बटालियन के हिमाचली शूरवीर कैप्टन 'जसबीर सिंह रैना' ने अहम भूमिका निभाई थी। खतरनाक मिशन में बुरी तरह जख्मी होकर अपने दोनों पांव गवांने के बावजूद जसबीर सिंह मोर्चें पर डटे रहे। सैन्य मिशन में उत्कृष्ट सैन्य नेतृत्व के लिए जसबीर सिंह रैना को भारत सरकार ने शांतिकाल के सर्वोच्च पदक 'अशोक चक्र' से सरफराज किया था। आपरेशन ब्लू स्टार की कार्रवाई में सेना के 83 जवानों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था, जिनमें 'प्रथम पैरा स्पेशल फोर्स' के सत्रह कमांडो भी बलिदान हुए थे। नायक प्रकाश चंद, जगदीश चंद व दर्शन सिंह तीनों बलिदानी कमांडो का संबंध भी हिमाचल से था। प्रथम पैरा के मेजर प्रकाश चंद कटोच 'शौर्य चक्र' ने मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सन 1971 की जंग में पूर्वी पाक के महाज पर 'मुक्तिवाहिनी' को प्रशिक्षण देकर पाक सेना को शिकस्त-ए-फाश देने में सिख जरनैल शाबेग सिंह ने अहम किरदार अदा किया था। पाकिस्तान को तकसीम करके नए मुल्क बांग्लादेश के निर्माण में बेहतरीन सैन्य नेतृत्व के लिए भारत के राष्ट्रपति ने शाबेग सिंह को 'परम विशिष्ट सेवा मेडल' से नवाजा था। लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध में गढ़वाल राइफल्स व सन 1965 की जंग में गोरखा राइफल्स का नेतृत्व करने वाले शाबेग सिंह सेवानिवृत्ति के बाद मजहबी कट्टरपंथ का शिकार होकर अलगाववादियों से जा मिले। अफसोस कश्मीर युद्ध में 'प्रथम पैरा' का हिस्सा रहे अजीम जरनैल आपरेशन ब्लू स्टार की सैन्य कार्रवाई में अपनी ही सेना का शिकार बन गए थे। भावार्थ यह है कि आतंकवाद ने कई घरों के चश्मो-चिराग बुझा दिए हैं। दहशतगर्दी जैसी खौफनाक स्थिति से निपटने में सियासी निजाम व राज्यों की सुरक्षा एजेंसियां नाकाम रही हैं। आतंकवाद जैसी सूरत-ए-हाल से निपटने का विकल्प केवल सेना बनी है। युद्धों व आतंक विरोधी अभियानों में शहीद हुए देश के सैनिकों की वीर वधुओं की बड़ी संख्या तस्दीक करती है कि सियासत के गलत फैसलों का खामियाजा सैन्य परिवार भुगत रहे हैं। जम्मू कश्मीर में पाक परस्त आतंक से 'राष्ट्रीय राइफल्स' के जवान निपट रहे हैं।

कुछ अलग

स्क्रैच अच्छे हैं...

कुछ स्क्रैच ऐसे होते हैं जिन्हें बुरी नजर से नहीं देख सकते। लोगबाग अपने वाहनों में जबरिया स्क्रैच लगा लेते हैं ताकि नजर न लगे, लेकिन जिसे लगनी है, उसे चुन कर लग जाती है। कुछ लोग तो अपने शरीर और विचारों पर आए स्क्रैच की भी परवाह नहीं करते, लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो सडक़ से सदन तक इन्हें खोजते रहते हैं। हर चुनाव के प्रचार में स्क्रैच काम आते हैं, लेकिन दिल्ली चुनाव परिणाम के बाद सबसे अधिक घायल स्क्रैच ही दिखाई दिए। बावजूद इसके राजनीति में हमेशा कुछ स्क्रैच अच्छे होते हैं। जीती हुई पार्टियों के सामने विपक्ष के स्क्रैच अच्छे व वफादार होते हैं। दरअसल सफल नेता होना स्क्रैच फ्री होना है। हम नागरिक वर्षों से सियासी स्क्रैच देख रहे हैं, लेकिन वे नहीं देखते जिन्हें जनता देख रही है। यह देखने-देखने में अंतर है। किसी ने गंगा को हरिद्वार में देखा, किसी ने प्रयागराज में और किसी ने दोनों ही जगह सरकार के रुतबे में अपने विश्वास को देखा। वैसे स्क्रैच फ्री दृष्टि के लिए विश्वास परम उपाय है। एक बार विश्वास करो कि हम भारतीय पूरे विश्व की सबसे अव्वल नस्ल हैं, हम सारे संसार को गंदगी से भरा पाएंगे। हमारे विश्वास की कई आंखें हैं और इसीलिए बदल-बदल कर देखते हैं। आंखों की परख डाक्टर भी क्या करेंगे, जिस तरह शायरों ने की या आज के नेता करते हैं। वे हमारी आंखों के सामने ऐसा निरीक्षण कर देते हैं कि हमें सिर्फ सामने विश्वास ही विश्वास नजर आता है। हमें विश्वास था, इसलिए आंखों ने हमेशा दिल्ली पर विश्वास किया। खुद पर विश्वास करना दिल्ली चुनाव सिखा गया। यही विश्वास कांग्रेस को केजरीवाल की हार में दिखा तो सारे जन इकट्ठे हो गए। वहां खुशी इस बात की थी कि आम आदमी पार्टी की गाड़ी पर सबसे अधिक स्क्रैच थे। उनके स्क्रैच इन्हें अच्छे लगे, वरना विधानसभा के सदन में तो यह पार्टी न पहले देख पाई और न ही अब देखने की हैसियत रखती है। हैसियत तो सबसे कमजोर मध्यम वर्ग की है। सारे देश के स्क्रैच इसी वर्ग को दर्द देते हैं। मिडल क्लास की पढ़ाई, डिग्री और रोजगार पर चस्पां स्क्रैच दिखते नहीं, सालते हैं। इसलिए जिन्होंने आईटी पढ़ा, अब उन्हें कम्प्यूटर के स्क्रैच दर्द देते हैं। दूसरी ओर सरकारी कर्मचारी तो एनपीएस से लेकर यूपीएस तक के स्क्रैच खोज लाए। सरकारी कर्मचारी इसीलिए अपनी कुर्सी पर न ज्यादा वजन डालता और न ही बैठता ताकि कहीं सेवा में कोई स्क्रैच न उभर आए। अब तो सरकारी डाक्टर भी मरीजों को निजी अस्पतालों में भेज कर सरकार के अस्पतालों को स्क्रैच फ्री बनाने लगे हैं। हमें भारत को स्क्रैच फ्री बनाना है, इसलिए अब इतिहास से खोज रहे हैं। महात्मा गांधी के चरखे, अंबेडकर के दफ्तर और नेहरू के कद में वे स्क्रैच खोज लाए हैं। इससे इतिहास के कई नायक अब गायब होने लगे और अब इसका सामाजिक अर्थ यह कि लोग अब अपने पूर्वजों का नाम भी छुपाने लगे हैं, ताकि कहीं कोई उनमें से जाति और धर्म के स्क्रैच न खोज पाए। उस दिन राहुल घबरा गए। किसी ने कहा, 'आपकी भारत यात्रा से सडक़ों पर स्क्रैच उभर आए हैं।' जवाब था, 'नहीं भाई, वहां तो पहले से गड्ढे थे। ये गड्ढों के स्क्रैच कहां दिखाई देते। यह तो गलत इल्जाम है। मैं तो अपनी पार्टी के स्क्रैच भी नहीं देख पाया, तो मेरे कदमों के नीचे खोजने की जरूरत नहीं।' उस दिन पहली बार राहुल सोचने को मजबूर हुए, 'आखिर कितने स्क्रैच इकट्ठे करने पड़ते हैं राजनीति में सफल होने के लिए।' उस दिन से राहुल अपनी ही जमीन पर चलते हुए स्क्रैच से डरने लगे, लेकिन विरोधी गठबंधन ने मिलजुल कर अलग चुनाव चिन्ह 'स्क्रैच' ले लिया।

देश दुनिया से

जंगलों पर छाया इंसानों का आतंकः एक अनदेखा संकट

हाल ही में एक अखबार की प्रमुख हेडलाइन पढ़ी— "शहर में बंदरों और कुत्तों का आतंक"। यह वाक्य महज एक खबर नहीं, बल्कि हमारे सोचने के तरीके का प्रतिबिंब था। हमने जानवरों के शहर में आने को "आतंक" करार दिया, लेकिन कभी यह सवाल नहीं पूछा कि वो शहर में आए ही क्यों? जब कोई बंदर किसी कॉलोनी की छत पर उछलता है, या कोई कुत्ता कूड़े के ढेर में भोजन तलाशता है, तो वह कोई स्वाभाविक प्रक्रिया नहीं होती। यह उस संकट का संकेत होता है जिसे हम—मनुष्य—ने स्वयं गढ़ा है। जंगल, जो कभी इन जीवों का घर थे, अब रियल एस्टेट की परियोजनाओं, खनन कार्यों, सड़कों और डैमों की बलि चढ़ चुके हैं। आज अगर कोई सच में आतंक फैला रहा है, तो वह है इंसानी लालच और विकास का अंधा मॉडल। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में है जहाँ जैव विविधता की अद्भुत संपदा है। लेकिन यही भारत आज अपने ही जंगलों को खा रहा है। 2021 की Forest Survey of India रिपोर्ट बताती है कि भारत ने पिछले चार वर्षों में 1,100 वर्ग किलोमीटर से अधिक वनक्षेत्र खो दिया है। हरियाणा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा जैसे राज्यों में यह गिरावट विशेष रूप से चिंताजनक रही है। वन कटान केवल पेड़ों का नुकसान नहीं है। यह पूरी एक पारिस्थितिकी व्यवस्था का ध्वंस है। जब हम पेड़ काटते हैं, हम न सिर्फ ऑक्सीजन के स्रोत मिटाते हैं, बल्कि हजारों पशु-पक्षियों के घर उजाड़ देते हैं। यही कारण है कि आज हमें गाँवों और शहरों के आसपास बाघ, हाथी, भालू और यहाँ तक कि तेंदुए भी दिखने लगे हैं। बंदरों का शहरों में आना आज एक आम दृश्य बन गया है। दिल्ली, वाराणसी, जयपुर, और देहरादून जैसे शहरों में बंदरों की आबादी तेज़ी से बढ़ी है। कारण स्पष्ट हैं—कम होती हरियाली, अधिक होता कूड़ा, और बिगड़ता पारिस्थितिक संतुलन। इसी तरह, आवारा कुत्तों की संख्या भी शहरों में नियंत्रण से बाहर हो चुकी है। World Health Organization के अनुसार भारत में लगभग 3.5 करोड़ आवारा कुत्ते हैं, और हर साल हजारों लोग कुत्तों के काटने के शिकार होते हैं। मगर यह समस्या केवल स्वास्थ्य या सुरक्षा की नहीं है; यह समस्या हमारे कुप्रबंधन और लापरवाह विकास की है। हमने कूड़ा फेंकने के तरीकों को सुधारा नहीं, सार्वजनिक पशु-नियंत्रण कार्यक्रमों को प्राथमिकता नहीं दी, और अब जब जानवर हमारी बस्तियों में दिखते हैं, तो उन्हें "संकट" कह कर खुद को निर्दोष साबित करने की कोशिश करते हैं। जब कोई अखबार लिखता है कि "बंदरों का आतंक", तो वह केवल सूचना नहीं दे रहा होता, बल्कि एक धारणा गढ़ रहा होता है। यह धारणा कि जानवर आक्रमणकारी हैं, और हम पीड़ित। मीडिया की यही भाषा यह छिपा लेती है कि असल में हम ही उनके घरों में घुसे थे, उनकी ज़मीन छीनी, और अब जब वो अपनी जगह पाने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें दोषी ठहराते हैं। यह भाषा केवल संवेदनहीन नहीं, बल्कि खतरनाक भी है, क्योंकि इससे संरक्षण के प्रति समाज की समझ और सहानुभूति दोनों कमजोर पड़ती हैं।

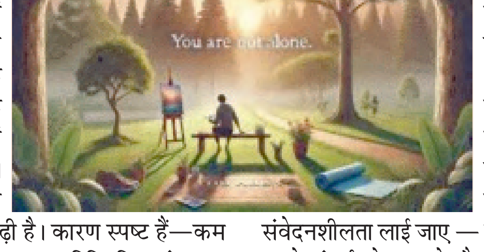

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल औसतन 100 से अधिक लोग हाथियों के हमलों में मारे जाते हैं, और दर्जनों बाघ-मानव संघर्ष की घटनाएँ सामने आती हैं। मगर इन घटनाओं के पीछे की सच्चाई यह है कि वन्यजीवों का घर सिकुड़ता जा रहा है। जंगलों में भोजन और पानी की कमी उन्हें मानव बस्तियों की ओर खींचती है। कभी-कभी वे रास्ता भटक जाते हैं, तो कभी उन्हें मजबूरी में खेतों और घरों में घुसना पड़ता है। यह संघर्ष उनके लिए भी घातक है—हर साल सैकड़ों जानवर इंसानी जवाबी हिंसा में मारे जाते हैं। भारत में Wildlife Protection Act 1972 और Forest Conservation Act 1980 जैसे सशक्त कानून हैं, लेकिन उनके लागू करने में अनेक समस्याएँ हैं। वन विभाग अक्सर संसाधनों और जनबल की कमी से जूझता है। इसके अलावा, जब विकास परियोजनाओं और वन्यजीव संरक्षण में टकराव होता है, तो अक्सर विकास को तरजीह दी जाती है, भले ही उसके दीर्घकालिक परिणाम विनाशकारी हों। इस संकट से उबरने के लिए केवल नीतियाँ नहीं, बल्कि सोच का परिवर्तन ज़रूरी है। कुछ संभावित उपाय इस प्रकार हैं: शहरी नियोजन में हरित क्षेत्र सुनिश्चित किया जाए — पार्क, बाग़-बगिचे, और वृक्षारोपण को केवल सजावटी पहलू नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी के हिस्से के रूप में देखा जाए। वन्यजीव गलियारे (wildlife corridors) विकसित किए जाएँ — जिससे जानवरों को सुरक्षित आवागमन का रास्ता मिले। कचरा प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाए — ताकि जानवर शहरी कूड़े पर निर्भर न हों। मीडिया और शिक्षा में संवेदनशीलता लाई जाए — जानवरों को 'आतंकवादी' बताने के बजाय उनके संघर्ष को समझने और सहानुभूति की भाषा अपनाई जाए। स्थानीय समुदायों को शामिल किया जाए — उन्हें संरक्षण के साझेदार बनाना होगा, विरोधी नहीं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि यह धरती केवल हमारी नहीं है। जंगलों, नदियों, पहाड़ों, और समंदरों के साथ-साथ हर जीव-जंतु का इस पर उतना ही अधिकार है जितना हमारा। जब हम शहरों का विस्तार करते हैं, जब हम मॉल और एक्सप्रेसवे बनाते हैं, तब हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि किसी न किसी की ज़मीन छीनी जा रही है—कभी किसी हिरन की, कभी किसी हाथी की। हम अगर प्रकृति से लड़ते रहेंगे, तो अंततः हार हमारी ही होगी—क्योंकि प्रकृति को हराया नहीं जा सकता, बस अस्थायी रूप से दबाया जा सकता है। "बंदरों का आतंक" एक समाचार की हेडलाइन हो सकती है, लेकिन असल हेडलाइन यह होनी चाहिए थी— "जंगलों पर इंसानों का आतंक"। इस सच्चाई को स्वीकार करना कठिन है, लेकिन जरूरी है। अगर हम वास्तव में एक संतुलित, सुरक्षित और संवेदनशील समाज की ओर बढ़ना चाहते हैं, तो हमें प्रकृति से नहीं, अपने अहंकार से संघर्ष करना होगा।

आप का नजरिया

राम पर इतना तनाव क्यों?

हम आश्चर्य में हैं और अपनी ही चेतना से सवाल कर रहे हैं। हम राम नवमी सहज और सौहार्द के साथ क्यों नहीं मना सकते? राम नवमी की शोभा-यात्रा और अन्य आयोजनों के लिए उच्च न्यायालय से अनुमति लेने की नौबत क्यों आती है? पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार राम नवमी पर रोड़े क्यों बिछाती रही हैं? ममता भी हिंदू हैं। राम उनके भी हैं। राम पूरे ब्रह्मांड में प्रत्येक प्राणी के हैं। राम अवतरित पुरुष हैं। ममता बनर्जी मां काली और दुर्गा की तो पूजा करती रही हैं। फिर 'जय श्रीराम' का उद्घोष उन्हें गाली-सा क्यों लगता है और वह अपना संयम खोने लगती हैं? साल-दर-साल राम नवमी के आयोजनों पर सरकारी प्रतिबंध क्यों लगाए जाते रहे हैं? संविधान ने 'धार्मिक स्वतंत्रता' का मौलिक अधिकार हिंदुओं, राम-भक्तों, को भी प्रदान किया है। क्या राम की शोभा-यात्रा आयोजित करना और आस्थाओं के साथ त्योहार मनाना भी गुनाह या पाप है? ममता बनर्जी बंगाल की मुख्यमंत्री हैं, लिहाजा प्रत्येक नागरिक की जन-प्रतिनिधि हैं, संवैधानिक अभिभावक हैं। सरकार के नाते यह उनका दायित्व है कि औसत नागरिक उल्लास और उमंग के साथ अपने पर्व मना सके, लेकिन बंगाल ही नहीं, बिहार, उप्र, महाराष्ट्र और झारखंड सरीखे राज्यों में भी, राम नवमी के दिन, राम के नाम पर ही, एक खौफनाक तनाव पसरा रहा। वहां सुरक्षा की पहरेदारियां बिठाई गईं। उप्र के तो 42 जिलों और पश्चिम बंगाल के 10 संवेदनशील जिलों में 'हाई अलर्ट' घोषित करना पड़ा। उप्र में संभल क्षेत्र 'सांप्रदायिकता का कुरुक्षेत्र' क्यों बन गया है? बंगाल के हावड़ा इलाके और उप्र के कई शहरों में सुरक्षा बलों, पुलिस को 'फ्लैग मार्च' निकालने पड़े, चप्पे-चप्पे पर पहरे और घेराबंदियां बिठा दी गईं। ड्रोन चलाए गए, सीसीटीवी से भी निगरानी करनी पड़ी। यह 'राम नवमी' त्योहार का दिन था अथवा किसी आतंकी हमले की आशंका थी? ये सुरक्षा-घेरे सहज नहीं लगे। आखिर इतने व्यापक तनाव के कारण क्या थे? क्या देश में धार्मिक सहिष्णुता समाप्त हो चुकी है? होली बनाम अलविदा जुमा, नवरात्रि बनाम ईद की नमाज सरीखे सांप्रदायिक टकराव के हालात क्यों बन रहे हैं? क्या सरकारें ही नाकाम हैं? या सरकारें ही दंगेनुमा स्थितियां पैदा करवा रही हैं? आखिर देश में यह कब तक चलता रहेगा? बंगाल में ममता सरकार बीते सालों में भी राम नवमी, दुर्गा पूजा, हनुमान जयंती सरीखे हिंदुओं के त्योहारों पर वर्जनाएं थोपती रही हैं। अंततः अदालत की शरण में जाना पड़ता है। ममता बनर्जी ने यह आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार दंगे भडक़ा रही है। इनसान को इनसान से लड़वा रही है। इसकी प्रतिक्रिया में बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने भाजपा एवं हिंदू कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि सभी अपनी गाड़ी या बाइक पर भगवा झंडा लगा कर पूरा दिन शहर में घूमते रहें। दुकानों पर भी अपनी पहचान का झंडा लगाया जाए। ऐसे बयान उत्तेजक साबित हो सकते हैं। दावा किया गया कि हजारों शोभा-यात्राएं निकाली जाएंगी और करीब 5000 जगहों पर श्रीराम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। प्रशासन और अदालत के निर्देश हैं कि शोभा-यात्रा में कोई भी हथियार लेकर शामिल नहीं होगा। क्या राम नवमी हथियार लेकर मनाई जाती रही है? दरअसल ममता और भाजपा दोनों ही वोट बैंक को ध्रुवीकृत करने और अंततः चुनाव जीतने का खेल कर रहे हैं। अनुमान है कि शोभा-यात्राओं में करीब 1.5 करोड़ हिंदुओं ने शिरकत की। ये आयोजन प्रतीकात्मक भी हो सकते थे।

इंटर मियामी को टोरंटो एफसी ने 1–1 की बराबरी पर रोका

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

फोर्ट लॉडरडेल, फ्लोरिडा में रविवार रात लियोनेल मेसी की इंटर मियामी और फेडेरिको बेर्नार्डेस्की की टीम टोरंटो एफसी के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ समाप्त हुआ।

गए मुकाबले में मेसी और फेडेरिको बेर्नार्डेस्की ने अपनी अपनी टीमों के लिए एक-एक गोल किए। इस ड्रॉ के साथ इंटर मियामी (4–0–2, 14 अंक) ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में पहले स्थान से फिसल गई, जबकि टोरंटो एफसी (0–4–3, 3 अंक) ने एक मुश्किल मुकाबले से अंक हासिल किया।

पूरी ताकत के साथ उतरी इंटर मियामी, फिर भी जीत नहीं मिली

इंटर मियामी की इस नाकामी को और निराशाजनक इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि टीम में लियोनेल मेसी के साथ लुइस सुआरेज, जॉर्डी अल्बा और सर्जियो बुस्केट्स जैसे दिग्गज खिलाड़ी शुरुआत से ही मैदान पर मौजूद थे। बावजूद इसके टीम दो बार गोल करने के बाद भी स्कोरबोर्ड पर बढ़त नहीं बना सकी, क्योंकि एक गोल को ऑफसाइड और दूसरे को फाउल करार देकर खारिज कर दिया गया। हालांकि, मेसी ने हाफ टाइम से ठीक पहले पांचवें मिनट की इंजरी टाइम में जवाबी हमला करते हुए टेलास्को सेगोविया की पास पर बॉक्स के बाहर से बाएं पैर से शानदार गोल कर स्कोर 1–1 कर दिया। यह मेसी का इस सीजन एमएलएस में तीसरा और सभी प्रतियोगिताओं में कुल छठा गोल रहा।

पहले टोरंटो ने मारा गोल, फिर मेसी ने दिलाई बराबरी

दूसरे हाफ की शुरुआत में, 47वें मिनट में लोरेंजो इन्सिन्ये के क्रॉस पर बेर्नार्डेस्की ने शानदार कंट्रोल दिखाते हुए दो डिफेंडरों से घिरे होने के बावजूद गोल कर टोरंटो को 1–0 की बढ़त दिलाई।

न्यूज ब्रीफ

बैडमिंटन कोच रेप के आरोप में गिरफ्तार

बेंगलुरु। यहां एक 16 साल की नाबालिग छात्रा के साथ बलात्कार के आरोप में एक बैडमिंटन कोच को गिरफ्तार किया गया है। इस कोच पर आरोप है कि उसने प्रशिक्षण सत्र के दौरान ही इस छात्रा को अपना शिकार बनाया। पुलिस ने इस मामले के पॉक्सो के तहत दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी कोच का मोबाइल भी जब्त किया है। पुलिस को उसके फोन में कथित तौर पर 13 से 16 साल की उम्र की आठ लड़कियों के अश्लील वीडियो भी मिले हैं। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। यह सामने आया है कि आरोपी लड़की से उसके प्रशिक्षण सत्र के दौरान संपर्क करता था, उसे अपने घर पर बुलाता था और उसके साथ बलात्कार करता था। उसने कथित तौर पर इन घटनाओं को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड किया। आरोप है कि उसने पीड़ित छात्रा को धमकाया था कि इस बारे में किसी को न बताए। इससे छात्रा डर गई थी पर लगातार उत्पीड़न के बाद उसने मां को बताया। इसके बाद इस कोच की हरकत का खुलासा हुआ। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार एक महिला ने एक शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया था कि महिला की बेटी के साथ बैडमिंटन के कोच ने बलात्कार किया है। इस मामले में आरोपी को पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज करके कार्रवाई की गई है। आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार किया गया और बाद में अतिरिक्त मुख्य महानगर दंडाधिकारी (एसीएमएम) अदालत के समक्ष पेश किया गया।

चैंपियंस ट्रॉफी खेलने का अवसर नहीं मिलने से अब भी दुखी हैं सिराज

अहमदाबाद। आईपीएल में गुजरात टाइटन्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शामिल नहीं किये जाने से अब भी दुखी हैं। तब ये कहकर सिराज को शामिल नहीं किया गया था कि वह नई गेंद से प्रभावी गेंदबाजी नहीं कर पाते हैं। वहीं आईपीएल में सिराज ने अपने प्रदर्शन से इसे गलत साबित कर दिया है। सिराज को अब तक दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला है। अवार्ड समारोह में सिराज अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर पाये और उन्होंने कहा, जब आप अपने घरेलू मैदान पर आते हैं, तो यह एक अलग ही बात होती है। परिवार भी देख रहा होता है और इससे आपको आत्मविश्वास भी मिलता है। वहीं पिछले सात सत्र में आरसीबी की ओर से खेलने के दौरान ये बात नहीं थीं। टीम बदलने के बाद मैंने अपनी गेंदबाजी, क्षेत्ररक्षण और मानसिकता में जो काम किया है, उससे मुझे सहायता मिल रही है। इसके बाद सिराज ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए चयन नहीं होने को लेकर कहा, शुरुआत में मुझे बेहद निराशा हुई पर इसके बाद मैंने अपने को समझाया और अपनी मानसिकता, अपनी फिटनेस बेहतर करने पर ध्यान दिया। अब मैं अपनी गेंदबाजी का आनंद ले रहा हूं। सिराज ने साथ ही कहा, जब आपका चयन राष्ट्रीय टीम के लिए) नहीं होता है, तो दुख तो होता ही है पर इसके बाद मैंने आईपीएल पर ध्यान दिया और अब इसका लाभ मुझे मिल रहा है।

क्लार्क ने यशस्वी और सैमसन की जोड़ी को शानदार बताया

मुम्बई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने आइपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन की जोड़ी की जमकर प्रशंसा की है। क्लार्क ने कहा है कि ये दोनो किसी भी मैच को पलट सकते हैं। क्लार्क ने कहा, 'जायसवाल शुरुआती मैच में असफल होने के कारण पंजाब के खिलाफ बल्लेबाजी के दौरान ज़्यादा सतर्क थे। कुछ अच्छे शॉट्स लगाने से उनका मनोबल बढ़ा जिससे टीम तेजी से आगे बढ़ी। वह मैदान के चारों ओर शॉट मारता है। उसे लेग साइड पसंद है, लेकिन कीपर के ऊपर से ऊपर की ओर शॉट मारना और उसका कवर ड्राइव उसके पास सभी शॉट हैं। अगर वह शुरुआत में संयम से खेले और कुछ गेंदें और पहले ओवर में जमीनी शॉट लगाये तो विरोधी टीम के लिए काफी मुश्किलें पैदा कर सकता है। उन्होने कहा, 'राजस्थान रॉयल्स पहले से अलग टीम नजर आयी है। उसकी सलामी जोड़ी विस्फोटक है। उसके बल्लेबाज काफी अच्छे हैं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने युवा रियान पराग की जमकर प्रशंसा की ओर कहा, 'मुझे वाकई लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के लिए पंजाब के खिलाफ मैच में रियान पराग की पारी काफी अहम थी। ये सही है कि उन्हें यशस्वी ने उन्हें अच्छी शुरुआत दी पर बाद में पराग ने स्कोर आगे बढ़ाया।

मुंबई फिर जीत के करीब आकर हारी, 10 साल बाद आरसीबी को वानखेड़े में मिली जीत

मुंबई, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस को एक बार फिर रोमांचक मुकाबले में हार मिली है। आरसीबी के खिलाफ मुंबई को आखिरी 8 ओवर में 123 रन चाहिए थे। यहां से टीम की हार पक्की दिख रही थी लेकिन फिर हार्दिक पंड्या और तिलक वर्मा ने मैच में रोमांच ला दिया। दोनों के बीच 34 गेंदों पर 89 रनों की साझेदारी हुई। हालांकि चार गेंदों के भीतर दोनों ही आउट हो गए और मुंबई को हार मिली। पहले खेलते हुए आरसीबी ने 221 रन बनाए थे। मुंबई की टीम 9 विकेट पर 209 रन ही बना सकी और 12 रनों से हार गई। 2015 के बाद आरसीबी ने वानखेड़े स्टेडियम पर मुंबई को हराया है।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए विराट कोहली ने 67 जबकि कप्तान रजत पाटीदार ने 64 रनों की तूफानी अर्धशतकीय पारी खेली। जनवरी के बाद पहली बार जसप्रीत बुमराह कोई प्रोफेशनल मैच खेलने मैदान पर उथरे। कोहली ने 42 गेंदों पर 67 रनों की पारी के साथ इस सत्र का अपना दूसरा अर्धशतक लगाया। पाटीदार की 32 गेंदों में 64 रन (पांच चौके, और चार छक्के) और जितेश शर्मा की 18 गेंदों में 40 रन (दो चौके और चार छक्के) की आक्रामक पारियों ने खराब फॉर्म में चल रही मुंबई इंडियंस को 222 रनों का लक्ष्य मिला।फिल साल्ट (चार) ने ट्रेंट बोल्ट के खिलाफ पारी की पहली गेंद पर चौका जड़ा लेकिन दूसरी गेंद पर बोल्ड हो गये। इस विकेट का कोहली की पारी पर कोई असर नहीं हुआ। उन्होंने देवदत्त पडिक्कल (22 गेंद में 37 रन) के साथ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पावर प्ले में एक विकेट पर 72 रन बना लिये। आरसीबी ने शुरुआती तीन ओवरों में दबदबा बना लिया था जसके बाद चौथे ओवर में मुंबई इंडियंस ने बुमराह को गेंद थमाई और कोहली ने भारतीय टीम के अपने साथी का स्वागत छक्का लगाकर किया।

आरसीबी ने लगभग 10 रन प्रति ओवर के रन रेट से आगे बढ़ते हुए पावरप्ले के आखिरी ओवर में दीपक चाहर के खिलाफ 20 रन बटोरे। इस ओवर में पडिक्कल ने दो छक्के और एक चौका जड़ा। पडिक्कल ने आक्रामक रुख अपनाते हुए तीन छक्के और दो चौके लगाये। वह नौवें ओवर में विग्नेश पुथुर की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में आउट हुए। उन्होंने कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 52 गेंद में 91 रन की साझेदारी की।

विराट कोहली ने 15वें ओवर मे हार्दिक पंड्या की ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद को डीप मिडविकेट के क्षेत्र में नमन धीर को कैच थमाया। पाटीदार ने विकेट से सामने आक्रामक शॉट खेलने के साथ विकेट के पीछे भी सहजता से रन बनाये। उन्होंने मात्र 25 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 17वें ओवर में मुंबई के हार्दिक के खिलाफ 23 रन बटोरे।पाटीदार को 19वें ओवर में बोल्ट की गेंद पर विकेट के पीछे रियान रिकेलटन ने शानदार कैच लपककर पवेलियन की राह दिखाई।

धोनी बोले, आईपीएल से संन्यास का फैसला फिटनेस के आधार पर करुंगा

चेन्नई, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा है कि अभी वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास नहीं ले रहे और इस मामले में कोई भी फैसला अपनी फिटनेस के आधार पर करेंगे। धोनी ने कहा कि वर्तमान सत्र के बाद अपनी फिटनेस का आंकलन करने के बाद ही वह अगले सत्र में खेलने पर कोई फैसला करेंगे। वहीं आईपीएल से संन्यास के बारे में पूछे गए सवाल पर धोनी ने कहा कि मैं अभी भी आईपीएल में खेल रहा हूं और इसी पर ध्यान दे रहा हूं। मैं अभी 43 साल का हूं और एक बार में एक साल तक की ही बात कर सकता हूं। जब यह सत्र खत्म होगा, तब तक मैं 44 साल का हो जाऊंगा। इसलिए, मेरे पास यह तय करने के लिए अभी करीब 10 महीने हैं कि मैं अगले साल खेल सकता हूं या नहीं।

उन्होंने कहा कि ये मेरे चाहने या न चाहते की जगह फैसला इस पर आधारित होगा कि मेरा शरीर क्या चाहता है। यह शरीर है जो आपके लिए फैसले लेता है। मैं खेल जारी रख सकता हूं या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि मैं शारीरिक रूप से कैसा महसूस करता हूं। अभ मैं इस बात पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर रहा हूं कि इस सत्र में क्या करना होगा। वहीं इस सत्र में धोनी का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा और वह बल्लेबाजी में भी निचले क्रम पर उतरे।

धोनी ने कहा कि खेल में मिली सफलता कड़ी मेहनत और अनगिनत व्यक्तियों के समर्थन का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल के दिनों से ही मेरे माता-पिता, मेरे खेल शिक्षक और वे लोग जिनके साथ मैंने अपने शुरुआती मैच खेले, सभी ने इसमें भूमिका निभाई। यहां तक कि टेनिस-बॉल क्रिकेट ने भी मुझे कई चीजें सिखाईं, हालांकि इसमें भी कुछ अजीब चीजें भी हैं। उन्होंने कहा कि असफलताएं खेल का हिस्सा हैं पर जो मायने रखता है वह वापसी करने की क्षमता है। धोनी ने कहा कि जीवन में कोई बड़ा या छोटा अवसर नहीं होता। सभी मायने रखते हैं। मैं कई लोगों का आभारी हूं। कुछ को तो यह भी नहीं पता होगा कि मैं उनका आभारी हूं।

सूजूका में जापानी ग्रांट प्री रेस में जीत का जश्न मनाते हुए

सूजूका में जापानी ग्रांट प्री रेस में जीत के बाद साथियों के साथ जश्न मनाते हुए रेड बुल के मैक्स वर्सटेपन।

रुद्रांक्ष ने शूटिंग वर्ल्ड कप में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में जीता गोल्ड, बाबूता सातवें स्थान पर

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष बलासाहेब पाटिल ने रविवार को अर्जेंटीना में चल रहे आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं, भारत के ही अर्जुन बाबूता फाइनल में सातवें स्थान पर रहे।

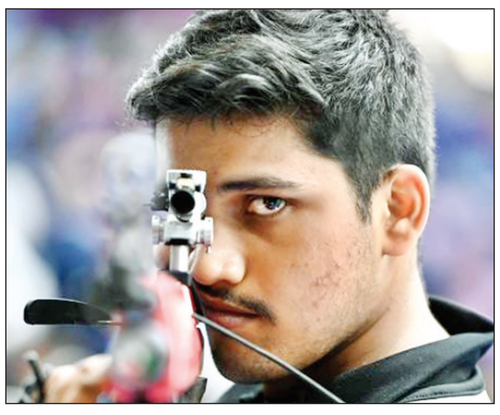

शानदार शुरुआत से अंत तक छाए रहे रुद्रांक्ष

रुद्रांक्ष ने फाइनल की शुरुआत से ही बढ़त बना ली थी। पहले सीरीज में 53.2 अंक जुटाकर वह टॉप पर रहे और पूरे फाइनल के दौरान अपनी पकड़ बनाए रखी। हंगरी के इस्तवान पेनी एक बार उन्हें चुनौती देने की स्थिति में आए, लेकिन रुद्रांक्ष ने जल्द ही वापसी करते हुए गोल्ड मेडल पक्का कर लिया। पेनी को सिल्वर से संतोष करना पड़ा।

बाबूता नहीं दिखा सके दम, जल्दी हुए बाहर

दूसरी ओर अर्जुन बाबूता का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने शुरुआती पांच शॉट्स में सिर्फ 50.4 अंक हासिल किए। हालांकि एक 10.5 स्कोर ने उन्हें पहले एलिमिनेशन से बचा लिया, लेकिन अगली सीरीज में वह बाहर हो गए और सातवें स्थान पर रहे।

चीन और अर्जेंटीना के निशानेबाजों ने दी टक्कर

चीन के वांग होंघाओ ने कई बार एलिमिनेशन से खुद को बचाया, लेकिन ब्रॉन्ज मेडल की दौड़ में वह अर्जेंटीना के एम.जे. गुटिरेज़ से पिछड़ गए। गुटिरेज़ ने घरेलू दर्शकों के सामने कांस्य पदक अपने नाम किया।

क्वालिफिकेशन में भारतीयों का दबदबा

इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में बाबूता और रुद्रांक्ष ने क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया। बाबूता ने 634.5 और रुद्रांक्ष ने 633.7 स्कोर किया।

किरण अंकुश जाधव ने भी टॉप आठ में जगह बनाई लेकिन वह आरपीओ (रैंकिंग पॉइंट्स ओनली) के तहत खेल रहे थे, जिससे वह फाइनल में जगह नहीं बना सके।

एफसी गोवा से हार कर भी बेंगलुरु एफसी बनी बाजीगर, पहुंची फाइनल में

गोवा, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

एफसी गोवा ने रविवार रात अपने घरेलू मैदान फतोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सेमीफाइनल के दूसरे चरण में बेंगलुरू एफसी को 2-1 से हरा दिया लेकिन ब्लूज ने बेहतर गोल अंतर के आधार पर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। बेंगलुरू एफसी के पक्ष में गोल अंतर 3-2 रहा, क्योंकि उसने अपने घर में खेले गए डबल-लेग सेमीफाइनल के पहले मैच में गौर्स को 2-0 से हराया था।

अनुभवी स्ट्राइकर सुनील को निर्णायक गोल करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। जीत के बावजूद गौर्स के बाहर होने से स्पेनिश हेड कोच मैनोलो मार्कुएज जरूर निराश होंगे, क्योंकि गोल अंतर के आधार पर उनकी टीम का सफर इस सीजन में समाप्त हो गया है।

वहीं, ब्लूज भले ही मैच हारे लेकिन वे अपने घरेलू प्रदर्शन के आधार पर फाइनल में पहुंच गए हैं और इससे स्पेनिश हेड कोच जेरार्ड जारागोजा निश्चित रूप से प्रसन्न होंगे।

मैच का पहला गोल 49वें मिनट में आया, जब स्थानापन्न स्पेनिश मिडफील्डर बोर्जा हेरारा ने एफसी गोवा को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1–0 (कुल गोल अंतर 1–2) कर दिया। पेनल्टी बॉक्स के ठीक

बाहर मिली फ्री-किक पर बोर्जा हेरारा ने करारा लेफ्ट फुटर शॉट लगाकर गेंद को बॉटम लेफ्ट कॉर्नर के अंदर पहुंचा दिया जबकि बेंगलुरू एफसी के अनुभवी गोलकीपर गुरप्रीत संधू बचाव करने में नाकाम रहे। यह इस सीजन में हेरारा का छठा गोल है।

88वें मिनट में अल्बेनियाई स्ट्राइकर अर्माडो सादिकु ने इस सीजन में अपना दसवां गोल करके एफसी गोवा को शुरुआती बढ़त को दोगुना करते हुए स्कोर 2–0 (कुल गोल अंतर 2–2) कर दिया।

लेफ्ट-बैक आकाश सांगवान ने बायीं तरफ से क्रॉस डालकर गेंद को सेंटर किया, जिस पर सादिकु ने हैडर से गेंद को बॉटम राइट कॉर्नर के अंदर पहुंचा दिया जबकि बेंगलुरू एफसी के अनुभवी गोलकीपर गुरप्रीत संधू बचाव नहीं कर पाए।

स्टॉपेज टाइम के दौरान 90+2वें मिनट में स्थानापन्न स्ट्राइकर सुनील छेत्री ने इस सीजन का अपना 14वां गोल करके बेंगलुरू एफसी को कुछ राहत पहुंचाते हुए स्कोर स्कोर 1–2 (कुल गोल अंतर 3–2) कर दिया।

कॉर्नर किक के दौरान नामग्याल भूटिया ने बॉक्स के अंदर बायीं तरफ से दाहिनी तरफ से क्रॉस डाला, जिस पर सुनील ने बॉक्स के अंदर से हैडर लगाकर गेंद को गोल जाल में उलझा दिया।

गेंद पर ज्यादा नियंत्रण एफसी गोवा का 62 फीसदी रहा। गौर्स ने सात प्रयास भी किए, जिनमें से तीन शॉट टारगेट पर रखे लेकिन पूरे हाफ के दौरान दबदबा बनाए रखने के बावजूद गोल नहीं कर पाए। वहीं, गेंद पर 38 फीसदी कब्जा रखने वाली बेंगलुरू एफसी की ओर से किए गए दोनों प्रयास टारगेट पर नहीं थे, लिहाजा गोल नहीं आया। हालांकि ब्लूज ने बेहतर रणनीति के साथ खेलते हुए मेजबान टीम को ज्यादा अवसर न देकर अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया।

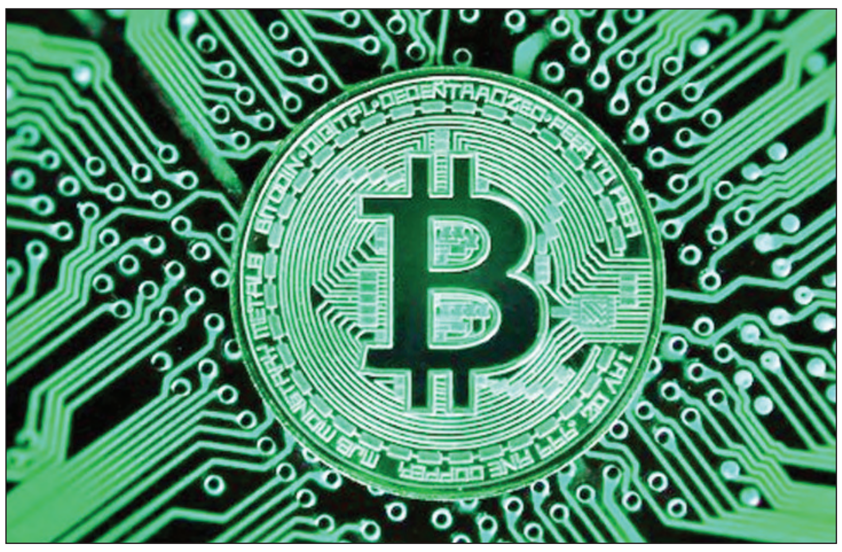

ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी से क्रिप्टो मार्केट भी गिरा
77 हजार डॉलर से भी नीचे आया बिटकॉइन

नई दिल्ली,07 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के कारण दुनिया भर के स्टॉक मार्केट में हलचल मचने के साथ ही क्रिप्टो करेंसी मार्केट में भी जबरदस्त गिरावट आ गई है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की कीमत लगातार गिरती जा रही है। जनवरी में 1,09,000 डॉलर के स्तर को पार करने वाला बिटकॉइन के कारोबार में 76,753 डॉलर के स्तर तक गिर चुका है।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में स्ट्रैटेजिक क्रिप्टो रिजर्व बनाने और क्रिप्टो से जुड़े नियमों में ढील देने की बात कही थी। इसी वजह से चुनाव परिणाम आने के बाद बिटकॉइन की कीमत में जोरदार तेजी दर्ज की गई थी। चुनाव परिणाम आते ही 6 नवंबर, 2024 को इस क्रिप्टो करेंसी ने पहली बार 75 हजार डॉलर के आंकड़े को पार किया था। इसके बाद लगातार तेजी दिखाते हुए ये क्रिप्टो करेंसी 20 जनवरी, 2025 को अपने सर्वोच्च स्तर 1,09,114.88 डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच गई। बिटकॉइन में आई इस तेजी के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ का राग छेड़ना शुरू कर दिया, जिससे ग्लोबल ट्रेड वॉर शुरू होने की आशंका बन गई। इस वजह से स्टॉक मार्केट की तरह ही क्रिप्टो करेंसी मार्केट में भी दबाव बन गया, जिससे बिटकॉइन की चाल में भी गिरावट आने लगी। फिलहाल डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी लागू होने के बाद इस क्रिप्टो करेंसी की चाल में जोरदार गिरावट दर्ज की गई है। बिटकॉइन फिलहाल अपने ऑल टाइम हाई लेवल से 29 प्रतिशत से अधिक की गिरावट का शिकार हो चुका है। के कारोबार में ये क्रिप्टो करेंसी लुढ़क कर 76,753.35 डॉलर के स्तर तक गिर चुकी है। बिटकॉइन की तरह ही दूसरी प्रमुख क्रिप्टो करेंसीज भी अमेरिका की नई ट्रेड पॉलिसी की वजह से बुरी तरह से प्रभावित हुई हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

माइक्रोडेटाः एमओएसपीआई का नया अभियान

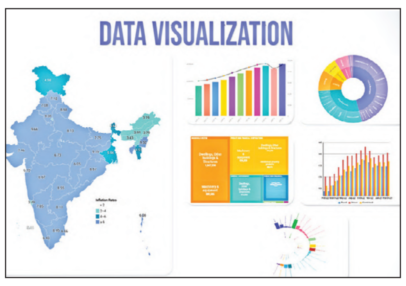

नई दिल्ली। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने विप्लवात्मक प्रौद्योगिकी के साथ नई माइक्रोडेटा मंच की शुरुआत की है। इस मंच का उद्देश्य सार्वजनिक आंकड़ों को सुविधाजनक और दृढ़ ढंग से पहुंचाना है। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि नया मंच राष्ट्रीय सर्वेक्षणों और आर्थिक जानकारी से एकत्रित व्यापक सांख्यिकीय आंकड़ों के लिए एक केंद्रीकृत भंडार के रूप में काम करेगा। यह मंच पिछले सिस्टम के तकनीकी कड़ीयों को सुधारकर उपयोगकर्ताओं का अनुभव बेहतर बनाएगा। विश्व बैंक के प्रौद्योगिकी दल के सहयोग से, यह प्रणाली नए सुरक्षा मानकों का पालन करने के साथ ही उत्तरदायित्वपूर्ण तंत्र को भी समर्थित करेगी। मंत्रालय ने कृत्रिम मेधा/मशीन लर्निंग का प्रमाण (पीओसी) भी पेश किया है, जो राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण के उपयोग को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही, राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली प्रशिक्षण अकादमी की वेबसाइट भी लॉन्च की गई है। इस नए पहल के माध्यम से, एमओएसपीआई एक सुगम और स्केलेबल ढंचे का इस्तेमाल करके देश में विकास को गति देने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

देश के कई राज्यों में सस्ता हुआ पेट्रोल डीजल, बिहार में बढ़े भाव, ब्रेंट क्रूड का भाव करीब ढाई डॉलर टूटकर 63.33 डॉलर प्रति बैरल हुआ

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर से कच्चे तेल की कीमत में वैश्विक बाजार में बड़ी गिरावट देखी गई है। इसका असर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखा और सोमवार को सरकारी तेल कंपनियों ने कई शहरों में तेल के दाम घटा दिए हैं। यूपी, हरियाणा सहित कई राज्यों में सोमवार को तेल सस्ता हुआ है, जबकि बिहार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 11 पैसे सस्ता होकर 94.58 रुपये लीटर बिक रहा है. डीजल भी 13 पैसे गिरा और 87.68 रुपये लीटर पहुंच गया है. हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 21 पैसे गिरकर 94.96 रुपये और डीजल 20 पैसे टूटकर 87.82 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 51 पैसे बढ़त के साथ 106.11 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 49 पैसे महंगा होकर 92.92 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में बड़ी गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब ढाई डॉलर टूटकर 63.33 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बड़ी गिरावट के साथ 59.81 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

अमेरिका को भारत के निर्यात में उच्च शुल्क से 5.76 अरब डॉलर गिरावट के आसारः जीटीआरआई

नई दिल्ली। अमेरिकी शुल्क में वृद्धि के कारण इस वर्ष समुद्री सामान, सोना, इलेक्ट्रिकल, और इलेक्ट्रॉनिक जैसे क्षेत्रों से अमेरिका को भारत के माल निर्यात में 5.76 अरब डॉलर की गिरावट आने के आसार हैं। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने ऐसा आकलन किया है। यह गिरावट भारत की प्रतिस्पर्धी स्थिति को नुकसान पहुंचाने के लिए भी जिम्मेदार हो सकती है। अमेरिका ने दवा सेमीकंडक्टर, और कुछ ऊर्जा वस्तुओं को छोड़कर भारतीय वस्तुओं पर नौ अप्रैल से 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की है। इससे 2025 में भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात में 5.76 अरब अमेरिकी डॉलर या 6.41 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। इससे प्रमुख उत्पाद समूहों में कमी की संभावना जताई गई है।

आरबीआई की पहली एमपीसी बैठक शुरू
रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

मुंबई,07 अप्रैल (एजेंसियां) ।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की वित्त वर्ष 2025-26 में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की पहली समीक्षा बैठक सोमवार को यहां शुरू हो गई। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में आयोजित तीन दिवसीय द्वमासिक यह बैठक 7 से 9 अप्रैल तक चलेगी। आरबीआई गवर्नर 9 अप्रैल को सुबह 10 बजे इस बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देंगे। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इस बार भी रिजर्व बैंक रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती करेगा।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में तीन दिवसीय द्वमासिक मौद्रिक नीति समिति की समीक्षा बैठक की शुरुआत हो गई है, जो 9 अप्रैल तक चलेगी। गवर्नर संजय मल्होत्रा 9 अप्रैल को सुबह 10 बजे इस बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देंगे। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि रिजर्व बैंक इस बार भी नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी तक की कटौती कर सकता है।

मौद्रिक नीति समिति क्या है

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 सदस्य रिजर्व बैंक के होते हैं, जबकि बाकी 3 सदस्य केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। छह सदस्यीय इस समिति को मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मौद्रिक पॉलिसी बनाने के अलावा प्रमुख नीतिगत ब्याज दरें निर्धारित करने का काम सौंपा गया है। ये बैठक आमतौर पर प्रत्येक दो महीने में होती है।

क्या होता है रेपो रेट

रेपो रेट वह नीतिगत ब्याज दर होता है जिस पर भारत के बैंक, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से पैसे उधार लेते हैं। आरबीआई जब इस दर को कम करता है, तो बैंक भी कम ब्याज दरों पर ग्राहकों को लोन दे सकते हैं। इसका मतलब है कि लोन लेने वाले लोगों को कम ब्याज देना होगा। अगर रेपो रेट कम होती है तो होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन पर ब्याज दरें कम हो जाएंगी। इसके साथ ही कारोबारियों के लिए लोन लेना भी आसान हो जाएगा।

वर्तमान में एमपीसी के सदस्य

रिजर्व बैंक के वर्तमान में छह सदस्य हैं। इनमें आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा, केंद्रीय बैंक के कार्यकारी निदेशक डॉ. राजीव रंजन, रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव, डॉ. नागेश कुमार, डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव, औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली के सौगता भट्टाचार्य, अर्थशास्त्री प्रोफेसर राम सिंह, डायरेक्टर, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय हैं।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी एमपीसी की समीक्षा बैठक में रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती की थी, जिसे 6.50 फीसदी से घटकर 6.25 फीसदी किया गया था। आरबीआई ने यह कटौती करीब 5 साल के बाद की थी। आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक आमतौर पर हर दो महीने में होती है। इस वित्तीय वर्ष में कुल 6 बैठकें होंगी। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 आरबीआई के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।

आईडीबीआई बैंक की याचिका खारिज, एनसीएलटी की शानदार जीत, एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने मुंबई पीठ द्वारा पारित आदेश को बरकरार रखा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलटी) ने सोमवार को आईडीबीआई बैंक की याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें जी एंटरटेनमेंट के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया गया था। एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने मुंबई पीठ द्वारा पारित आदेश को बरकरार रखा और आईडीबीआई बैंक को देनदार की याचिका को खारिज करने की स्वतंत्रता प्रदान की। हालांकि, प्राधिकरण ने आईडीबीआई बैंक को दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 10ए में उल्लिखित अवधि से परे चूक के लिए नई याचिका दायर करने की स्वतंत्रता भी प्रदान की। इसमें कहा गया है कि कोविड-19 महामारी के बाद आर्थिक गतिविधियां फिर से शुरू होने के बाद सरकार ने कंपनियों की मदद के लिए आईबीसी में विशेष प्रावधान शामिल किया था। इस विवाद में जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जील) और आईडीबीआई बैंक के बीच हो रही उत्पन्नता और भुगतान की चूकों के बारे में बहस है। सीआईआरपी की धारा 10ए के अनुसार, चूक के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने के लिए उससे एक वर्ष की अवधि तक कोई आवेदन दायर नहीं किया जा सकता है। सिटी नेटवर्क्स ने 150 करोड़ रुपये के ऋण के लिए अपनी गारंटी को जील के लिए उधारने में मदद के रूप में प्रदान किया था, लेकिन उन्होंने चूक की है।

भारत में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में छह प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली,07 अप्रैल (एजेंसियां) ।

> **बाजार में ग्रामीण क्षेत्रों का प्रदर्शन शहरी क्षेत्रों की तुलना में बेहतर रहा**

भारत में वित्त वर्ष 2024-25 में मोटर वाहन की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 2,61,43,943 इकाई हो गई है। यह जानकारी वाहन डीलरों के एक संगठन ने सोमवार को जारी एक बयान में दी। बाजार में ग्रामीण क्षेत्रों का प्रदर्शन शहरी क्षेत्रों की तुलना में बेहतर रहा।

वाहन डीलरों के संगठन के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में यात्री वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि देखी गई है। ग्रामीण बाजारों में दोपहिया वाहनों की बिक्री में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो शहरी क्षेत्रों से अधिक है। इसके साथ ही तिपहिया वाहनों की ग्रामीण बिक्री में नौ प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

वाइन डीलर संगठन के अध्यक्ष ने बयान में बताया कि मोटर वाहनों के खुदरा क्षेत्र में मजबूती देखने के लिए वित्त वर्ष 2024-25 सरकार के लिए एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। वाहनों की बिक्री में ग्रामीण क्षेत्रों में और बढ़ोतरी होने की खबर भविष्य में स्थिरता की ओर इशारा कर सकती है।

उन्होंने अपने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 ने वास्तव में दिखाया कि भारत का मोटर वाहन खुदरा क्षेत्र कितना लचीला हो सकता है, इस वर्ष मुख्य आकर्षण ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन रहा। दोपहिया वाहनों के क्षेत्र में ग्रामीण बाजारों में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो शहरी क्षेत्रों की वृद्धि से काफी अधिक है। यात्री वाहन क्षेत्र में ग्रामीण बिक्री वृद्धि आठ प्रतिशत जबकि शहरी क्षेत्रों में यह तीन प्रतिशत रही। वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में पिछले वित्त वर्ष में तिपहिया वाहनों की बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 12,20,981 इकाई हो गई।

वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में तिपहिया वाहनों की ग्रामीण बिक्री में नौ प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि शहरों में बिक्री में कोई वृद्धि नहीं हुई। पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री मामूली घटकर 10,08,623 इकाई रह गई, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 10,10,324 इकाई थी।

वहीं ट्रैक्टर की बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत घटकर 8,92,410 इकाई रह गई जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 8,83,095 इकाई रही थी।

हालांकि मार्च में यात्री वाहनों का पंजीकरण वार्षिक आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 3,50,603 इकाई हो गया। मार्च 2024 में 15,35,398 इकाइयों की तुलना में दोपहिया वाहनों की बिक्री मार्च 2025 में दो प्रतिशत घटकर 15,08,232 इकाई रह गई।

दुनिया भर के बाजारों में भारी गिरावट

टोक्यो में गिरते हुए शेयर बाजार के पास से गुजरती हुई एक महिला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने की घोषणा के साथ ही दुनिया भर के बाजारों में भारी गिरावट आई है।

भारत में निजी इक्विटी निवेश में गिरावट, रियल एस्टेट में प्रवाह कमजोर

> **कार्यालय और गोदाम परिसंपत्तियों में निवेश की भारी गिरावट भी दर्ज की गई**

नई दिल्ली,07 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में निजी इक्विटी निवेश में तीन प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जिसका एक रियल स्टेट सलाहकार ने अपनी ताजा जानकारी में दावा किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में इस गिरावट के साथ पीई निवेश कुल 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है, जो पहले के वित्त वर्ष की तुलना में थोड़ी कमी का अंक साबित होता है। रियल स्टेट के सलाहकार ने इस गिरावट की वजह के रूप में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक अस्थिरता का जिक्र किया है, जो विदेशी निवेशकों की गतिविधियों में कमी के साथ विनम्रता बनाता है। पिछले वित्त वर्ष में पीई निवेश की ज्यादातर हिस्सेदारी विदेशी निवेशकों के पास थी, जो 84 प्रतिशत तक थी, जबकि घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत रही। इस समय कार्यालय और गोदाम परिसंपत्तियों में निवेश की भारी गिरावट भी दर्ज की गई है, जो निजी इक्विटी निवेश के साथ संबंधित है। गोदाम परिसंपत्तियों में पीई निवेश में तेजी से वृद्धि हुई है, जिसने आवास और कार्यालय संपत्तियों में स्थानांतरण में गिरावट का कारण बना है। वित्त वर्ष 2024-25 में हाइब्रिड सौदों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत रही है, जिसमें इक्विटी और ऋण निवेश में क्रमशः 37 प्रतिशत और 21 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस तरह कुल संदर्भ में रियल एस्टेट सेक्टर में निजी इक्विटी निवेश में गिरावट के साथ वृद्धि और संविदानिक गतिविधियों में संकेत है कि वित्तीय स्थिरता की दिशा में तेजी हो सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अमित शाह...

अब्दुल रहीम राथर पर स्थगन प्रस्ताव को अनुमति देने के लिए दबाव डाला। विधानसभा अध्यक्ष ने ऐसा करने से इन्कार कर दिया, क्योंकि ऐसा करना गैर संवैधानिक कार्यवाही में शामिल हो जाता। सत्ताधारी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों नजीर गुरेजी और तनवीर सादिक की अगुवाई में विधानसभा में जो असंवैधानिक माहौल बनाया गया, उसके खिलाफ आगे क्या कार्रवाई होगी, इसके बारे में अभी आधिकारिक तौर पर चुप्पी है। लेकिन अंदर ही अंदर इसे लेकर चर्चा गर्म है।

राष्ट्रभक्त...

इस दौरान एक सवाल आया कि क्या आरएसएस की शाखा में कोई भी आ सकता है। इस पर संघ प्रमुख ने कहा कि आरएसएस की शाखा में मत, संप्रदाय, जाति, पंथ और भाषा के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। उन्होंने एक बात और स्पष्ट करते हुए कहा कि जो भी भारत माता की जय बोल सकता है, उसके शाखा आने पर कोई मनाही नहीं है। उन्होंने कहा कि संघ की शाखा में सभी का स्वागत है, बस उन लोगों को छोड़कर जो खुद को औरंगजेब का वंशज मानते हैं।संघ के स्वयंसेवक का सवाल था कि क्या हम अपने मुस्लिम पड़ोसियों को भी शाखा में ला सकते हैं। इसी के जवाब में संघ प्रमुख ने कहा, संघ की शाखा के दरवाजे उन सभी के लिए खुले हैं, जो भारत माता की जय बोलते हैं और भगवा ध्वज का सम्मान करते हैं। आरएसएस की विचारधारा में पूजा पद्धति के आधार पर भेदभाव का कोई विचार नहीं है। उन्होंने कहा, उन लोगों को छोड़कर सभी यहां आ सकते हैं, जो खुद को औरंगजेब का वंशज मानते हैं। संघ की शाखा में पूजा पद्धति के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। हमारी जाति, पंथ, संप्रदाय अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन संस्कृति तो एक ही है।उन्होंने कहा, किसी भी पंथ, समुदाय के लोग संघ की शाखा में आ सकते हैं। मोहन भागवत ने इस दौरान अखंड भारत की अवधारणा पर भी बात की। कुछ लोगों को लगता है कि अखंड भारत का विचार व्यवहारिक नहीं है, लेकिन सच यह है कि ऐसा संभव है। आज सिंध प्रांत की हालत देखिए। भारत से जिन हिस्सों को अलग किया गया था, उनके साथ आज भेदभाव की स्थिति है। आरए-सएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संघ में कभी भी किसी से भेदभाव नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि हमारी शाखाओं में हमेशा से सबकी एंट्री रही है।

सिक्किम के ...

राजभवन ने कहा कि यह कार्य राज्यपाल के कुशल मार्गदर्शन और भारतीय सेना के प्रयासों से संभव हो सका। राज्यपाल माथुर ने इस कार्य के लिए भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर के प्रति आभार व्यक्त किया है।

केंद्र सरकार...

बढ़कर 853 रुपए हो जाएगी। यह एक ऐसा कदम है जिसकी हम आगे समीक्षा करेंगे। हम हर 2-3 सप्ताह में इसकी समीक्षा करते हैं। इसलिए, आपने जो उत्पाद शुल्क में वृद्धि देखी है, उसका बोझ पेट्रोल और डीजल पर उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा। उस उत्पाद शुल्क वृद्धि का उद्देश्य तेल विपणन कंपनियों को 43,000 करोड़ रुपए की भरपाई करना है। जो उन्हें गैस के कारण नुकसान के रूप में हुआ है।पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में दो रुपए की बढ़ोतरी की जा रही है। लेकिन इसका बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला गया है। कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत घटकर लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। देश की तेल विपणन कंपनियां 45 दिनों की अवधि के लिए स्टॉक रखती हैं। जनवरी में कच्चे तेल की कीमत 83 डॉलर थी, जो बाद में घटकर 75 डॉलर हो गई। उम्मीद है कि तेल विपणन कंपनियां वैश्विक कीमत के हिसाब से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी करेंगी।

वक्फ कानून ...

इस पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हुआ, लेकिन योगी राज की पुलिस ने प्रमाण सामने होते हुए भी कोई कार्रवाई नहीं की।

मंगल ग्रह को करना है मजबूत तो मंगलवार को जरूर करें उपाय

मंगल को साहस पराक्रम का ग्रह माना गया है। मंगल व्यक्ति को साहस, आत्मविश्वास, और ऊर्जा देता है। मंगल इस समय अपनी नीच राशि कर्क में गोचर कर रहे हैं। ऐसे में मंग का गोचर कई राशियों के लिए अशुभ फल देने वाला है। इस समय मंगल के नीच अवस्था में होने से मेष, मिथुन, धनु और मकर सहित इन राशियों के लिए समय कुछ खास नहीं है। अनुकूल नहीं है। ऐसे में यदि मंगल आपको अशुभ परिणाम दे रहे हैं तो आपको मंगलवार के दिन कुछ उपाय जरुर करने चाहिए। इन उपायों को करने से आपको मंगल दोष से राहत मिल सकती है।

हनुमान जी की पूजा करें

मंगलवार को प्रातः स्नान करके लाल वस्त्र पहनें और हनुमान जी के मंदिर जाएं। वहां सिंदूर, चमेली का तेल, और गुड़-चना अर्पित करें। इसके बाद ॐ हं हनुमते नमः मंत्र का 108 बार जाप करें। इससे भय, बाधाएं और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

मंगलवार को करें इन चीजों का दान

मंगल ग्रह को मजबूत करने के लिए मंगलवार को विशेष रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करें और लाल मसूर की दाल का दान करें। इससे मंगल ग्रह मजबूत होगा। यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में विवाह में बाधा आ रही है या वैवाहिक जीवन की समस्याएं दूर होती हैं।

गरीबों को भोजन कराएं

मंगलवार के दिन लाल रंग के खाद्य पदार्थ जैसे मसूर की दाल, गुड़, या लाल चावल गरीबों को दान करें या उन्हें भोजन कराएं। यह उपाय आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करता है और मंगल पुण्य फल भी प्रदान करता है।

बड़ के पेड़ पर दीपक जलाएं

शाम के समय बड़ के पेड़ के नीचे तिल के तेल का दीपक जलाएं और हनुमान जी का ध्यान करें। इस उपाय को करने से मंगल ग्रह का शुभ फल आपको मिलेगा। साथ ही जिन लोगों पर शनि की दशा चल रही है उनकी बाधाएं भी शांत होती हैं।

मंगलवार का दिन इन कामों को करने से बचें

✻ मंगलवार के दिन बाल कटवाना या दाढ़ी न बनवाएं ऐसा करने से मंगल शुभ फल प्रदान नहीं करेंगे।

✻ मंगलवार के दिन दूध या सफेद वस्तुओं का दान न करें। हो सके को मसूर की दाल का दान करें।

✻ झूठ बोलने और क्रोध करने से बचें। यदि आप किसी से झूठ बोलते हैं तो मंगल का अशुभ परिणाम आपको मिलेगा।

तीन राशियों पर पूरे साल रहेगी साढ़ेसाती !

ऐसे करें शनिदेव को प्रसन्न

शनि देव कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में 29 मार्च 2025 को गोचर कर चुके हैं। इसी के साथ जहां कुछ राशियों को शनि की साढ़े साती से मुक्ति मिल गई है, वहीं कुछ राशियों पर इसका प्रभाव शुरू हो गया है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि किन राशियों को इस दौरान सबसे ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है।

इन्हें रहना होगा सावधान

शनि गोचर के साथ मेष राशि पर साढ़ेसाती शुरू हो चुकी है। इसी के साथ कुंभ राशि की साढ़ेसाती उतर रही है और मीन राशि वालों पर साढ़ेसाती का मध्य चरण शुरू हो चुका है। ऐसे में मेष, कुंभ और मीन राशि वालों पर इसका अधिक प्रभाव देखने को मिलेगा। इसी के साथ शनि गोचर के साथ सिंह एवं धनु राशि के जातकों पर भी शनि की ढैय्या शुरू हो चुकी है, जिसके चलते सिंह एवं धनु राशि के जातकों को भी सावधान रहने की जरूरत है।

साढ़े साती के उपाय

शनि की साढ़े साती के अशुभ प्रभाव से बचने के लिए शनिवार के दिन पीपल के पेड़ में जल चढ़ाएं और सरसों के तेल का दीपक जलाएं। इसी के साथ शनिवार के दिन छायादान करने के लिए लोहे के पात्र में 250 ग्राम तिल का तेल लेकर उसमें अपनी परछाई देखें और इस तेल के पात्र का दान करें। वहीं आपको शनिदेव के साथ-साथ भगवान शिव और हनुमान जी की आराधना करने से भी आपको शनि की साढ़ेसाती से राहत मिल सकती है। इसी के साथ गरीबों, जरूरतमंदों को दान दें।

शनि ढैय्या से बचाव के उपाय

जिन लोगों पर शनि ढैय्या चल रही है, उन्हें शराब पीना, झूठ बोलना, वाद-विवाद, क्रोध करने या फिर किसी जीव-जंतु को परेशान करने जैसे कार्यों से दूर रहना चाहिए। इसी के साथ शनि ढैय्या के प्रभाव को कम करने के लिए हनुमान जी की पूजा-अर्चना करें व शनिवार के दिन हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ करें। शनिवार के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करें और सरसों के तेल का दीपक जलाएं। इस सभी कार्यों से आपको शनि ढैय्या के प्रभाव से कुछ राहत मिल सकती है।

किस बात की ओर इशारा करता हैं तुलसी का सूखना

बिल्कुल भी न करें नजरअंजाद

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, रोजाना विधिवत रूप से तुलसी जी की पूजा-अर्चना करने से साधक व उसके परिवार पर तुसली जी के साथ-साथ मां लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। ऐसे में अगर आपके घर का तुलसी का पौधा अचानक से सूख गया है, तो इसके बुरे परिणामों से बचने के लिए आप ये उपाय कर सकते हैं।

मिलते हैं ये संकेत

सर्दियों में तुलसी का सूख जाना एक आम बात है, लेकिन वहीं अगर तुलसी का पौधा अचानक से सूख जाता है, तो यह इस बात की ओर इशारा करता है, कि आपको कोई हानि झेलनी पड़ सकती है। इसका एक कारण घर में नकारात्मकता का प्रवाह बढ़ना हो सकता है। साथ ही इससे घर में लड़ाई-झगड़े की स्थिति बनने लगती है।

तुलसी से मिलने वाले शुभ संकेत

घर में हरा-भरा तुलसी का पौधा होता तो एक शुभ संकेत है ही, इसी के साथ घर में अपने आप तुलसी का पौधा उग जाना भी एक शुभ संकेत माना जाता है। इसका अर्थ यह माना जाता है कि जल्द ही व्यक्ति के अच्छे दिन शुरू होने वाले हैं। साथ ही साधक को मां लक्ष्मी के साथ-साथ विष्णु जी की भी कृपा मिलने वाली है।

तुलसी के सूखने पर क्या करें

तुलसी के पौधे के सूख जाने के बाद उसे तुरंत गमले से हटा देना चाहिए, वरना इससे नकारात्मकता का वास बढ़ने लगता है। इसके बाद आप गमले में नया तुलसी का पौधा लगा दें। पौधे को उखाड़ते समय इस बात का ध्यान रखें कि तुलसी को जड़ सहित निकालें और क्षमायाचना करते हुए किसी पवित्र नदी, तालाब में विसर्जित करें।

कर सकते हैं ये उपाय

अगर आपके घर में सूखा हुआ तुलसी का पौधा है, तो इसकी जड़ को निकाल लें और इसे धोकर साफ कर लें। इसके बाद इस जड़ को किसी लाल या फिर पीले रंग के कपड़े में बांध दें और घर के प्रवेश द्वार पर टांग दें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास बना रहता है और मां लक्ष्मी की कृपा भी आपके ऊपर बनी रहती है।

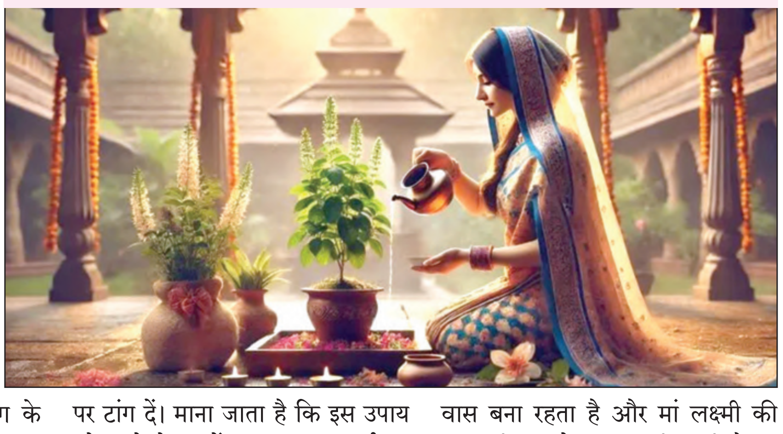

प्रसिद्ध है राजस्थान का जीण माता मंदिर जहां दर्शन करने से रोग होते हैं दूर!

देश में ऐसे कई मंदिर हैं, जो किसी खास मान्यता की वजह से प्रसिद्ध हैं। इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं राजस्थान के जीण माता मंदिर के बारे में, जहां मंदिर में लंबे समय से दीपक जल रहा है और इतिहास मुगल काल से जुड़ा हुआ है।

कहां है जीण माता मंदिर

जीण माता मंदिर राजस्थान के सीकर जिले में है। यह मंदिर जीण माता को समर्पित है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जीण माता मंदिर पहाड़ियों के बीच स्थित है। हर साल मंदिर में नवरात्र के दौरान अधिक संख्या में भक्त आते हैं और जीण माता की पूजा-अर्चना करते हैं और दर्शन का लाभ उठाते हैं।

कब और किसने बनवाया मंदिर?

जीण माता मंदिर को चौहान शासक ने 1200 साल पहले (आठवीं सदी) में बनवाया था। इस मंदिर का इतिहास बेहद पुराना है। इस मंदिर के पास में भैरवनाथ मंदिर भी है। ऐसा बताया जाता है कि जीण माताजी मंदिर के पट कभी बंद नहीं होते हैं और ग्रहण के दौरान जीण माताजी मंदिर में आरती समय पर होती है।

क्या है मंदिर की विशेषता

इस मंदिर में जीण माता की अष्टभुजी प्रतिमा स्थापित है। यहां पर चैत्र और शारदीय नवरात्र के दौरान मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमे अधिक संख्या में लोग शामिल होते हैं। इस मंदिर की दीवारों पर तांत्रिकों की मूर्तियां लगी हुई हैं और मंदिर के अंदर शिलालेख स्थापित हैं।

मंदिर की वास्तुकला

इस मंदिर में राजपूतों चौहान वंशों की वास्तुकला देखने को मिलती है। यह मंदिर जंगलों से घिरा हुआ है। मंदिर के मंदिर के नीचे मंडप भी है, जिसे गुफा के नाम से जाना जाता है।

महत्व और मान्यता

धार्मिक मान्यता के अनुसार, जीण माता मंदिर में दर्शन करने से कुष्ठ रोग से छुटकारा मिलता है। मंदिर में भक्त देवी को स्वर्ण छत्र भी अर्पित करते हैं। मंदिर में चैत्र और शारदीय नवरात्र के दौरान बेहद खास रौनक देखने को मिलती है।

मंदिर से जुड़ी कथा

प्राचीन समय में औरंगजेब की सेना के द्वारा शेखावाटी मंदिरों को तोडना शुरू किया। ऐसे में लोगों ने जीण माता से मदद की गुहार लगाई। इसके बाद माता ने सेना पर मधुमक्खियों को छोड़ दिया, जिसकी वजह से सेना को वहां से भागना पड़ा। लोगों ने जीण माता के चमत्कार को देखकर मंदिर में अखंड ज्योति जलाई। यह अखंड ज्योति मंदिर में आज भी जल रही है।

प्राचीन है मां मुंडेश्वरी का यह मंदिर हैरान कर देती हैं इसकी मान्यताएं

आज हम बात कर रहे हैं मां मुंडेश्वरी मंदिर की, जो देश के सबसे प्राचीन मंदिरों में भी शामिल है। हर साल खासकर नवरात्र की अवधि में यहां लाखों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर में स्थित माता की मूर्ति मुख्य आकर्षण का केंद्र है। वैसे तो इस मंदिर में हमेशा भक्तों का तांता लगा रहता है, लेकिन नवरात्र की अवधि में यहां भक्तों की लंबी कतार देखने को मिलती है।

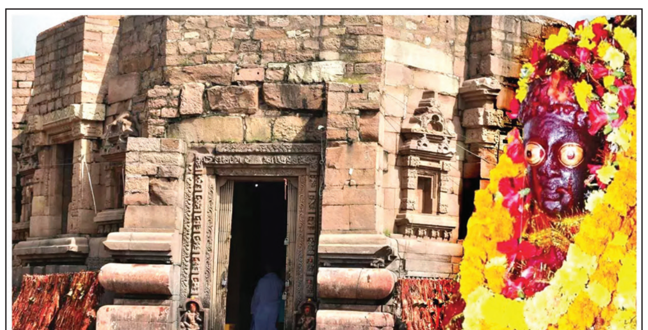

मंदिर की खासियत

मां मुंडेश्वरी मंदिर बिहार के कैमूर जिले के भगवानपुर प्रखंड में स्थित है, जो पहाड़ पर लगभग 608 फीट की ऊंचाई पर बना हुआ है। मंदिर में स्थापित माता मुंडेश्वरी की प्रतिमा की बात करें, तो यह मूर्ति बहुत ही जीवंत लगती है। माता मुंडेश्वरी भैंसे पर सवार हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार, सृष्टि की रक्षा करने के लिए मां मुंडेश्वरी ने मुंड नामक एक राक्षस का वध किया था, जिस कारण उन्हें मां मुंडेश्वरी के नाम से जाना जाने लगा। यह मंदिर अपनी महिमा के लिए प्रसिद्ध है, जहां नवरात्र के साथ-साथ रामनवमी और शिवरात्रि के मौके पर भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है।

मंदिर काल और वास्तुकला

पुरातत्वविदों के अनुसार, मंदिर का शिलालेख 349 ई. का है, जो इस मंदिर की प्राचीनता को दर्शाता है। वहीं मुण्डेश्वरी मंदिर की नक्काशी और मूर्तियों उत्तर गुप्तकालीन की बताई जाती हैं। वहीं वास्तुकला की बात करें, तो माता मुंडेश्वरी का मंदिर श्री यंत्र के आधार पर निर्मित है।

मंदिर अष्टकोणीय है, जिसके चारों दिशाओं में एक-एक द्वार है। वहीं मंदिर के पूर्वी भाग में देवी मुण्डेश्वरी की भव्य व प्राचीन मूर्ति बनी हुई है, जो पत्थर की बनी हुई है। इसी के साथ मां मुंडेश्वरी मंदिर के गर्भगृह में पंचमुखी शिवलिंग भगवान गणेश की प्रतिमा भी स्थापित है।

क्या हैं मान्यताएं

इस मंदिर में एक प्राचीन मान्यता चली आ रही है, जिसके अनुसार, मां मुंडेश्वरी रक्त विहीन बलि स्वीकार करती हैं। जिसके अनुसार, मंदिर का पुजारी मां मुंडेश्वरी के चरणों से चावल को स्पर्श कराकर बकरे पर छिड़क देता है, जिससे वह बेहोश हो जाता है। इसके बाद जब दोबारा मां मुंडेश्वरी से चरणों से स्पर्श कराकर बकरे पर चावल छिड़के जाते हैं, तो बकरा फिर से होश में आ जाता है। इसी बीच मां बलि स्वीकार कर लेती हैं।

मनोरम तथा उपयुक्त फलदायक है धर्मस्थली कामाख्याधाम

प्रसिद्ध धर्मस्थली कामाख्या धाम, गुवाहाटी से तकरीबन दो किलोमीटर पूर्व में नीलांचल पर्वत पर स्थित है, जिसकी ऊंचाई 525 फीट है। कामाख्या मंदिर देश विदेश के पर्यटकों के लिए प्रसिद्ध धाम के रूप में प्रसिद्ध और सिद्ध है।

भगवान त्रिलोचन शिव के कन्धे से छिन्न-भिन्न होकर सती के अंग भिन्न-भिन्न स्थानों पर गिरे। ये स्थान तीर्थरूप में प्रसिद्ध हुए। ये सभी सिद्धपीठ कहे जाते है। देवी इन स्थानों में विद्यमान रहती है, इस कारण ये सब सिद्ध पीठ माने जाते है। नीलाचंल पर्वत पर सती माता का योनिमण्डल कटकर, गिरकर पत्थर बन गया। इस शिला के स्पर्श मात्र से मनुष्य अमरत्व को प्राप्त कर ब्रह्मलोक में निवास कर अंत में मोक्ष लाभ करते है, ऐसा माना जाता है।

मान्यता है कि मंदिर की दीवारों पर चौसठ योगिनियां और अष्टादश भैरवों की मूर्ति खुदवाकर कामदेव ने इसे आनन्दाख्य मंदिर के नाम से प्रचारित किया। आज इस मंदिर के नीचे का भाग ही शेष रह गया है। कामरूप तथा कामाख्या पर्वत के चारों और अनेक तीर्थ स्थान है। इसमें उमानन्द, अश्क्रांत, मणिकणेश्वर, नवग्रह, उग्रतारा, वशिष्ठाश्रम, पाण्डुनाथ और हथग्रीव आदि प्रसिद्ध है।

कामाख्या देवी के समीप ही उत्तर की ओर सौभाग्य कुण्ड है, सर्वप्रथम तीर्थयात्री इसी सौभाग्यकुण्ड में स्नान कर मंदिर में प्रवेश करते है। कामाख्या मंदिर, विशिष्ठ शिलापीठ के ऊपर है यहां पाताल से निरन्तर जल निकलता रहता है। यही कामाख्या योनिमण्डल है। जिसका परिमाण एक हाथ लम्बा तथा बारह अंगुल चौड़ा है मातृअंग होने के कारण इसका आधा भाग सोने की टोप से ढ़का रहता है और आधे भाग को भी वस्त्र, पुष्प माल्यादि से सुशोभित रखा जाता है। कामाख्या में कुमारी पूजा का अत्यधिक महत्व है। कुमारी पूजा करने से सम्पूर्ण देवी, देवताओं की पूजा का फल प्राप्त होता है। प्रतिवर्ष देवी मंदिर में विभिन्न पर्वो के उपलक्ष्य में उत्सव पूजा आदि कार्य बड़े समारोह के साथ अनुष्ठित होते है, जिसमें 'अम्बुवासी' मेला प्रसिद्ध है। आषाढ़ महीने में मृगशिरा नक्षत्र के तृतीय चरण बीत जाने पर चतुर्थ चरण में आद्रा नक्षत्र के प्रथम पाद के मध्य में देवी मां ऋतुवती हुई थी, इसी समय पांच दिनों का यह अम्बुवासी मेला लगता है।

तीन दिन तक मंदिर का द्वार बंद रहता है, चौथे दिन कपाट खुलने पर यात्रियों को दर्शन करने दिया जाता है। इस अवसर पर देश-विदेश से भारी संख्या में साधु, महात्मा, औघड़ एवं तांत्रिक एकत्रित होकर अपनी तंत्र विद्या की साधना करते है। जिनके ठहरने तथा खाने-पीने के लिए अनेक स्वयंसेवी सस्थायें निरन्तर कार्यरत रहती है। प्राचीन काल में यह ज्योतिष का प्रमुख केन्द्र माना जाता था। कामाख्या मंदिर के पास ही पूजा पाठ की सभी सामग्रियां उपलब्ध हो जाती है। होटल, फल-फूल तथा मिठाई की दुकानें भी है। इसके अतिरिक्त पर्वत के ऊपर पर्यटकों के रहने, खाने तथा अन्य सभी सुख-सुविधाओं का भी उचित प्रबंध नगर-निगम द्वारा किया जाता है। जिससे यात्रियों को असुविधा नहीं होती है। यहां यात्रियों के आवागमन की सुविधाएं भी पर्याप्त है जिससे असुविधा का प्रश्न ही नहीं उठता। इस प्रकार जगन्माता कामाख्या देवी का मंदिर सभी दृष्टियों से मनोरम तथा उपयुक्त फलदायक है।

जो व्यक्ति भक्ति भाव से योनिमण्डल के दर्शन-स्पर्शन करके जलपान करते हैं, वे देवऋण, पितृऋण से मुक्त हो परम धाम को प्राप्त होते है। कोटि गोदान करने से जो फल मनुष्य को मिलता है वही फल कामाख्या देवी की पूजा करने से प्राप्त होता है।

– रीता मिश्रा

ममूटी की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म बाज़ूका का ट्रेलर रिलीज़

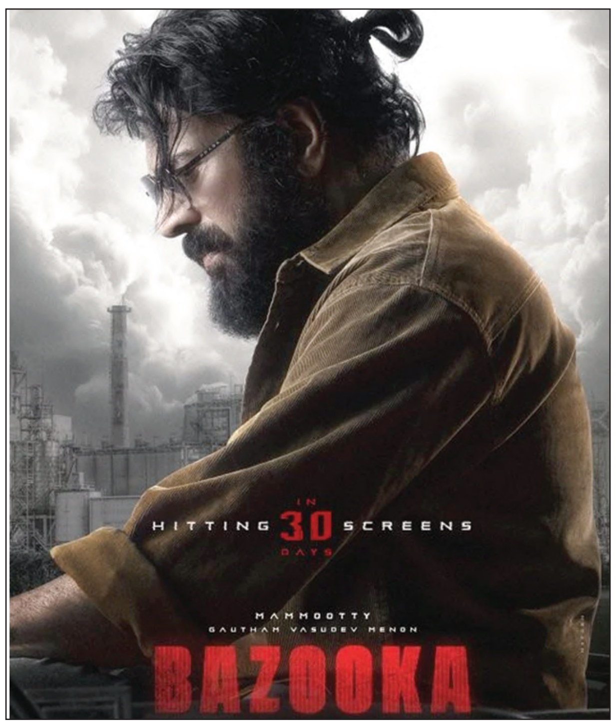

ममूटी की आने वाली फिल्म बाज़ूका का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है, और यह अच्छाई बनाम बुराई का रोमांचक खेल पेश करता है। दीनो डेनिस द्वारा निर्देशित यह फिल्म 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। ट्रेलर में हमें एक्शन से भरपूर थ्रिलर की झलक मिलती है, जिसमें ममूटी विनोद मेनन की भूमिका निभा रहे हैं। गौतम वासुदेव ... आईपीएस अधिकारी बेंजामिन जोशुआ ... भूमिका निभा रहे हैं, ममूटी के किरदार ... मिस्टर नोबडी लेकिन निश्चित रूप से को... व्यक्ति के रूप में पेश करते हैं। ट्रेलर में ... सौम्य और स्टाइलिश ममूटी को दिखाया ... गया है, जो अपनी मांसपेशियों को ... मज़बूत करते हुए दिखाई देते हैं, साथ ... गौतम वासुदेव मेनन का किरदार भी ... जो बुरे लोगों को खत्म करने के लिए ... संकल्पित है। एक्शन से भरपूर ट्रेलर में ... लोग निशाना साधते हुए नजर आते हैं, और ममूटी का किरदार इन सबके बीच में नजर आता है। अपनी रोमांचक कहानी और स्टाइलिश एक्शन सीक्वेंस के साथ, बाज़ूका एक रोमांचक फिल्म होने का वादा करती है।बाज़ूका के ट्रेलर ने प्रशंसकों के बीच काफ़ी दिलचस्पी पैदा की है, जो फ़िल्म की रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। अपनी अनूठी कथा और स्टाइलिश एक्शन दृश्यों के साथ, बाज़ूका मलयालम सिनेमा की दुनिया में एक गेम-चेंजर प्रतीत होती है।

ममूटी का किरदार, विनोद मेनन, एक ...दार लगता है, गौतम ...व मेनन के किरदार ने ... क्लासी और स्लीक ...या है। ट्रेलर कई ...वाल उठाता है, और ...शंसक बेसब्री से इंतज़ार ...र रहे हैं कि कहानी ... आगे बढ़ती है।बाज़ूका ...साथ, ममूटी अपने तत्व ...स आ गए हैं, एक ऐसा ... रहे हैं जो स्टाइलिश और एक्शन से भरपूर है। 10 अप्रैल, 2025 को फ़िल्म की रिलीज़ का काफ़ी बेसब्री से इंतज़ार किया जा रहा है, और प्रशंसक बड़े पर्दे पर ममूटी के अभिनय को देखने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

अजय देवगन की रेड 2 का टीजर जारी

आयकर विभाग की छापेमारी पर आधारित है फिल्म

काफी समय से दर्शक अजय देवगन की फिल्म रेड 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है। उनकी यह फिल्म 1 मई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।इस फिल्म में अजय की जोड़ी पहली बार वाणी कपूर के साथ बनी है, वहीं रितेश देशमुख भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं।अब निर्माताओं ने रेड 2 का टीजर जारी कर दिया है, जिसकी कहानी आयकर विभाग की छापेमारी पर आधारित है।यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसमें पहली बार वाणी, रितेश और अजय की तिकड़ी नजर आएगी। फिल्म के निर्देशक राज कुमार गुप्ता हैं।अजय ने टीजर साझा करते हुए लिखा, 74वीं छापेमारी, 4200 करोड़। इस बार बाजी होगी सबसे बड़ी।रेड 2 2018 में आई फिल्म रेड का सीक्वल है। इसमें 1980 के दशक में सरदार इंदर सिंह के घर पर पड़े आईटी विभाग की छापेमारी की सच्ची कहानी दिखाई गई थी।पहली किस्त की तरह ही, यह सीक्वल बड़े पैमाने पर आयकर संचालन से जुड़ी सच्ची घटनाओं से प्रेरित है, जहाँ अधिकारी हाई-प्रोफाइल वित्तीय धोखाधड़ी पर नकेल कसने के लिए खुफिया इकाइयों के साथ मिलकर काम करते हैं। सीक्वल का खुलासा अप्रैल 2020 में हुआ था, और अजय देवगन ने अपने किरदार की कहानी को जारी रखते हुए अमय पटनायक के रूप में अपनी भूमिका को फिर से निभाया। वाणी कपूर ने पहली फिल्म से इलियाना डिक्रूज की जगह मुख्य भूमिका निभाई।रेड 2 का निर्माण भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार ने किया है। फिल्म को गुलशन कुमार और टी-सीरीज ने प्रस्तुत किया है और यह पैनोरमा स्टूडियोज का प्रोडक्शन है। नवीनतम अपडेट के अनुसार, रेड 2 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। अपनी मनोरंजक कहानी, जबरदस्त एक्शन दृश्यों और प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ, रेड 2 के ब्लॉकबस्टर हिट होने की उम्मीद है।

श्रीकांत ओडेला ने फिल्म निर्माण में रखा कदम

नई फिल्म गुलाबी का ऐलान

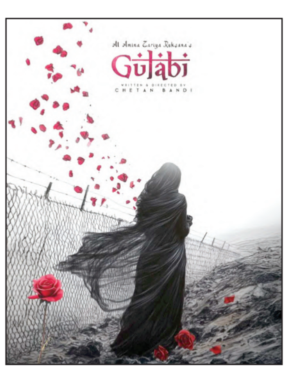

ब्लॉकबस्टर फिल्म दशहरा के पीछे प्रतिभाशाली फिल्म निर्माता श्रीकांत ओडेला, अपना खुद का बैनर, सम्मक्का सरक्का क्रिएशंस लॉन्च करके फिल्म निर्माण में अपने क्षितिज का विस्तार कर रहे हैं। चाई बिस्केट फिल्म्स के अनुराग रेड्डी और शरत चंद्र इस उद्यम पर ओडेला के साथ साझेदारी कर रहे हैं। प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म, अल अमीना ज़रिया रुक्साना की गुलाबी, 2009 में कोयला शहर गोदा-वरीखानी में हुई सच्ची घटनाओं पर आधारित एक कठोर प्रेम कहानी है। ओडेला न केवल फिल्म का निर्माण करते हैं, बल्कि कहानी भी प्रदान करते हैं, जिसे नवोदित चेतन बंदी द्वारा लिखा और निर्देशित किया गया है।फिल्म के शीर्षक और पोस्टर ने काफी रुचि पैदा की है, पोस्टर में एक लड़की को काले रंग की साड़ी में किनारे पर चलते हुए दिखाया गया है, जिसके चारों ओर लाल गुलाब बिखरे हुए हैं। शीर्षक और आकर्षक पोस्टर के संयोजन ने दर्शकों को फिल्म के बारे में और अधिक जानने के लिए उत्सुक कर दिया है। अल अमीना ज़रिया रुक्साना की गुलाबी एक प्रेम गाथा है जो एक लड़की की गहरी भावनाओं को दर्शाती है जो एक लड़के से बहुत प्यार करती है। प्री-प्रोडक्शन का काम पहले ही शुरू हो चुका है और टीम जल्द ही नियमित शूटिंग शुरू करने की तैयारी कर रही है।श्रीकांत ओडेला का फिल्म निर्माण में प्रवेश तेलुगु फिल्म उद्योग में एक महत्वपूर्ण विकास है। एक फिल्म निर्माता के रूप में अपने अनुभव और कहानी कहने के अपने जुनून के साथ, ओडेला ऐसी फिल्में बनाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं जो दर्शकों को पसंद आएंगी। सिनेमा में अपने बेजोड़ स्वाद के लिए जानी जाने वाली चाई बिस्केट फिल्म्स के साथ साझेदारी इस नए प्रोडक्शन वेंचर के प्रति उत्साह को बढ़ाती है।जैसे-जैसे टीम शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हो रही है, प्रशंसक फिल्म के बारे में और अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

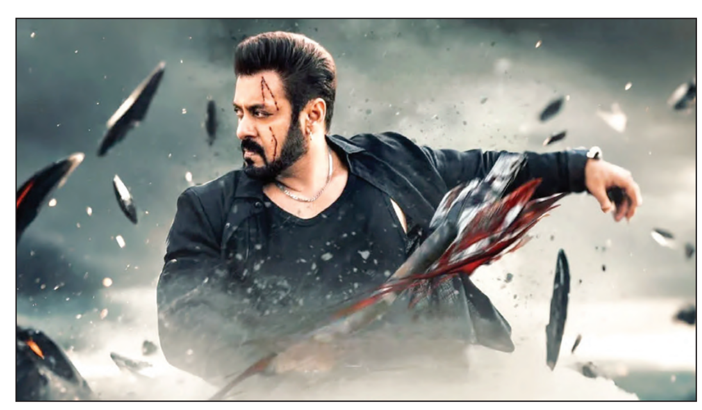

बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम सिकंदर सिंगल डिजिट में हुई कमाई

सलमान खान की फिल्म सिकंदर ईद के मौके पर 30 मार्च को रिलीज हुई चार दिनों में वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। सलमान खान और रश्मिका मंदाना स्टारर मास एक्शन फिल्म सिकंदर कुछ दर्शकों को पसंद आ रही है, कुछेक को यह सलमान खान के स्टाडम के आगे फीकी लगी है। फिल्म सिकंदर ने 5 दिनों में कितना कलेक्शन कर लिया और 5वें दिन कितनी कमाई हुई है। आइए जानते हैं। सिकंदर ने पहले दिन 35।47 करोड़ रुपये से ओपनिंग की थी। दूसरे दिन 39।37 करोड़ रुपये, तीसरे दिन 27।16 करोड़ रुपये और चौथे दिन 13।85 करोड़ रुपये कमाए हैं। सैकनिल्क की मानें तो फिल्म की कमाई में एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई है। सिकंदर ने पांचवें दिन 5।75 करोड़ रुपये कमाए हैं। फिल्म सिकंदर की कमाई में 41।03 फीसदी की गिरावट आई है। इसस पहले चौथे दिन फिल्म की कमाई में 50 फीसदी की गिरावट महसूस हुई थी। सिकंदर का भारत में चार दिनों का कुल कलेक्शन 115।85 करोड़ रुपये का हो गया है। सिकंदर ओ-वरसीज में अबतक इन चार दिनों में 42।65 करोड़ रुपये कमा चुकी है।वहीं, फिल्म ने वर्ल्डवाइड 158।5 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया है। पांचवें दिन फिल्म की कमाई सिंगल डिजिट में आ चुकी है और इससे साबित होता है सिकंदर बॉक्स ऑफिस पर जल्द ही दम तोड़ देगी। सिकंदर को एआर मुरुगदास ने डायरेक्ट किया है। साजिद नाडियाडवाला फिल्म सिकंदर के निर्माता हैं।

अंजलि आनंद ने रणवीर सिंह के साथ अपने अनोखे संबंध के बारे में बात की

अभिनेत्री अंजलि आनंद ने रणवीर सिंह के साथ अपने गहरे संबंध के बारे में बात की है और बताया है कि कैसे वे व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों स्तरों पर एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।वह उनकी समानताओं पर चर्चा करती हैं, उनके ऊर्जावान व्यक्तित्व से लेकर उनके काम के प्रति उनके साझा जुनून तक, और कैसे उनकी बातचीत ने एक सार्थक संबंध बनाया है। ... कार्टेल की अभिनेत्री ने ... केवल एक अभिनेता के ... रूप में उनके शानदार ... काम के लिए बल्कि ... उनके उदार स्वभाव ... के लिए भी सिंह की ... प्रशंसा की।अंजलि ... ने बताया, रणवीर ... के साथ काम ... करना बेहद ... मजेदार है। ... वह ऊर्जा से ... भरपूर है ... और हम ... कई स्तरों ... पर एक-... दूसरे ... जुड़ते ... हम द... फिल्मों के बहुत बड़े ... प्रशंसक हैं, इसलिए हमारा साझा जुनून ... साथ काम करने को बहुत मजेदार बनाता है। वह न केवल एक अभिनेता के रूप में बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी अविश्वसनीय रूप से उदार है। चाहे हम काम कर रहे हों, पार्टी कर रहे हों या बस साथ में मौज-मस्ती कर रहे हों, यह हमेशा खुशी की बात होती है।आनंद को करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रणवीर सिंह की बहन गायत्री रंधावा के किरदार में देखा गया था। 2023 की रोमांटिक कॉमेडी में आलिया भट्ट, धर्मेंद्र, जया बच्चन, शबाना आज़मी, तोता रॉय चौधरी, चूर्णी गांगुली, आमिर बशीर और क्षिती जोग ने भी अभिनय किया।अंजलि आनंद ने डब्बा कार्टेल के सेट पर एक अविस्मरणीय क्षण को भी याद किया, जहां वह अनुभवी अभिनेत्री शबाना आज़मी के साथ एक दृश्य को फिल्माते समय पूरी तरह से आश्चर्यचकित रह गई थीं।अंजलि ने ... एक खास पल था जब मैं ...ना जी के साथ डब्बा ...ताल में एक सीन फिल्मा ...ी थी। उन्होंने यूं ही एक नाम ...लया- कोई ऐसा व्यक्ति जो ...कभी उनका बॉस था, कोई ...महत्वपूर्ण व्यक्ति- और मैं पूरी ...तरह से चौंक गई। उस पल में मेरे ...विचार बिखर गए। मैं सोच रही ...थी, मैं यहां हूं, शबाना आज़मी के ...सामने खड़ी हूं! यह निश्चित रूप से ...मुझे थोड़ा परेशान कर रहा था। ...लेकिन फिर मुझे एहसास हुआ कि ...मुझे अपना संयम बनाए रखना है और ...मेरे सामने मौजूद व्यक्ति की परवाह किए ...बिना प्रदर्शन देने पर ध्यान केंद्रित करना .... उस पल ने निश्चित रूप से मुझे कुछ ...सेकंड के लिए अपना ध्यान खो दिया, जो ...मेरे लिए असामान्य था। ऐसा पहले कभी नहीं ...हुआ, लेकिन यह एक शक्तिशाली क्षण था।अंजलि हाल ही में नेटफ्लिक्स के शो डब्बा कार्टेल में नजर आईं, जहाँ उन्होंने बिंदास लेकिन भोली-भाली शाहिदा का किरदार निभाया। हितेश भाटिया द्वारा निर्देशित इस सीरीज़ में शबाना आज़मी, गजराज राव, ज्योतिका, निमिषा सजयन और शालिनी पांडे भी थे।

रामचरण के प्रशंसकों को मिला तोहफा

फिल्म पेड्डी 27 मार्च, 2026 को होगी रिलीज!

आरआरआर की जबरदस्त सफलता के बाद पैन इंडिया स्टार रामचरण निर्देशक शंकर की गेमचेंजर में नजर आए थे। गेमचेंजर बॉक्स ऑफिस पर बड़ी असफलता थी। असफलता के बावजूद रामचरण की स्टार वैल्यू में कोई कमी नहीं आई है। उनके पास कई फिल्में पाइपलाइन में हैं, जिनमें से एक पेड्डी है। इस फिल्म का निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं। रामनवमी के अवसर पर मेकर्स ने इसकी झलक शेयर की है जो बेहतरीन लग रही है। राम चरण एक अलग और खूंखार अवतार में वापस आ गए हैं और एक ग्रामीण लड़के की भूमिका निभा रहे हैं जो हर एक मौके का अच्छे से फायदा उठाना जानता है।

जिस तरह से निर्देशक बुची बाबू सना ने राम चरण को दिखाया है वह वाकई सरप्राइजिंग है क्योंकि इस फिल्म में आरआरआर स्टार का मेकओवर एकदम अलग लग रहा है। लंबे बाल और नाक में अंगूठी पहने हुए, राम चरण का किरदार थोड़ा इंटेंस और खतरनाक लग रहा है। इस टीजर का खास पहलू एआर रहमान का शानदार बैकग्राउंड स्कोर है। जिस तरह से उन्होंने एक दमदार कोरस और धमाकेदार BGM के साथ राम चरण के स्क्रीन प्रेजेंस को बढ़ाया है, वह फिल्म का सबसे अच्छा हिस्सा है।

फर्स्ट शॉट झलक के साथ ही मेकर्स ने रिलीज डेट की घोषणा भी कर दी है। पेड्डी 27 मार्च, 2026 को पूरे भारत में स्क्रीन पर आएगी। यह पहली बार है जब राम चरण ने इतनी बड़ी भूमिका निभाई है और उन्होंने इसे दर्शकों के सामने शानदार तरीके से निभाया है। आखिरी शॉट जिसमें वह क्रिकेट स्ट्रोक खेलते हैं, वह बेहद स्टाइलिश लग रहा है और सिनेमाघरों में सीटी बजाने लायक सीन होगा।इस टीजर में अन्य कलाकारों को नहीं दिखाया गया है और इसमें स्पेशली राम चरण के किरदार को ही हाइलाइट किया गया है। राम चरण एक खास विजाग स्लैंग बोलते हैं और क्रिकेट खेलते हुए उनका स्टाइल वाकई कमाल का है। सुकुमार इस फिल्म को माइथ्री मूवी मेकर्स के साथ मिलकर को-प्रोड्यूस भी कर रहे हैं। मेकर्स इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। जान्हवी कपूर इस फिल्म में फीमेल लीड रोल में हैं और जूनियर एनटीआर की देवरा के बाद वह एक बार फिर साउथ फिल्म में नजर आएंगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे। थकाऊ और उबाऊ दिन को अलविदा कहने के लिए एक बढ़िया डिनर की योजना बनाएँ। उनका साथ आपके शरीर में फिर से ऊर्जा भर देगा। पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच–समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शाम को मंदिर में घी का दीपक अवश्य जलाये जिससे आपके सारे कष्ट दूर हो सके. आपके प्रियजन ख़ुश हैं और आपको शाम के लिए उनके साथ कोई योजना बनानी चाहिए. किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है. धार्मिक स्थलों पर जाना आपके अच्छा रहेगा. किसी पसंदीदा व्यक्ति से भी संपर्क हो सकता है. अपनी सेहत पर ध्यान दें खान–पान में सावधानी रखें. दाम्पत्य जीवन खुशहाली से परिपूर्ण रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

प्रेमियों के लिए समय अनुकूल है. जो लोग प्रेम विवाह की प्रतीक्षा में थे उन्हें भी अब मुंह मांगी मुराद मिलने वाली है. खोई हुई वस्तु के मिलने से ख़ुशी होगी. परीक्षा–प्रतियोगिता के लिए भी समय थोड़ा कमज़ोर है, सफल होने के लिए अधिक और कठिन परिश्रम करें. रिश्तेदारों की तरफ से भी कोई दुखद समाचार का योग है. गलत लोगों की संगत के कारण कुछ गलत कर्मों की ओर रुझान बढ़ेगा ऐसे में क्या करना चाहिए यह निर्णय आप स्वयं लें.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

करियर में कुछ बदलाव हो सकते हैं. इस दिशा में आज आप प्लानिंग भी शुरू कर दें. आज स्थिति में काफी सुधार भी हो सकता है. आप अपनी कोशिशों में बहुत हद तक सफल रहेंगे. पैसा खर्चा होगा और ये आपके लिए अच्छा भी रहेगा. करीबी लोगों के लिए कुछ त्याग करनापड़े, तो संकोच न करें. पार्टनर से संबंध अच्छे रहेंगे. आपकी सकारात्मक सोच कारगर हा सकती है. कामकाज के बजाए योजना बनाने में ज्यादा समय लगेगा. संतान पर ध्यान दें.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बच्चों के खास काम में आपके पैसे खर्च होंगे. आपका दिन सामान्य बना रहेगा. काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है. आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी. किसी की कही–सुनी बातों पर विश्वास करने से आपको बचना चाहिए. सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए. जीवन में प्यार बना रहेगा. मन्दिर में चने की दाल दान करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बच्चों के खास काम में आपके पैसे खर्च होंगे. आपका दिन सामान्य बना रहेगा. काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है. आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी. किसी की कही–सुनी बातों पर विश्वास करने से आपको बचना चाहिए. सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए. जीवन में प्यार बना रहेगा. मन्दिर में चने की दाल दान करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपको उत्कृष्ट परिणाम प्रदान कर सकता है. अगर आप नौकरी की तलाश में हैं तो आपको अब और इंतजार नहीं करना पड़ेगा. यदि आप अपना खुद का व्यवसाय कर रहे हैं या रचनात्मक नौकरियों से जुड़े हैं तो आपको आगे बढ़ने के अच्छे अवसर मिलेंगे. नौकरीपेशा जातकों के लिए पदोन्नति संभव है. भाग्य आपके पक्ष में है इसलिए अपने अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं. काम से संबंधित यात्रा अचानक उत्पन्न हो सकती है जो नए दरवाजे खोलने में मदद करेगी.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जरूरी काम हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ शुरू करेंगे. सफलता मिल जाएगी. थोड़ा बहुत त्याग भी करना होगा. वृश्चिक राशि वालों के कॉन्टैक्ट्स अपडेट होंगे. कुछ गुप्त सूचनाएं और जानकारियां आपको मिल सकती हैं. कामकाज निपटाने के लिए थोड़ा बहुत पैसा खर्च करेंगे और आगे बढ़ जाएंगे.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप कोई नया बिजनेस शुरू सकते हैं . आपको घर के बड़ों से पूरा सपोर्ट मिलेगा. आर्थिक रूप से पिता आपकी मदद करेंगे. आज आप बच्चों को कहीं घूमाने ले जा सकते हैं. परिवार में खुशहाली और तालमेल बना रहेगा. अगर आपकी संतान विवाह के लायक है, तो उनके लिये कोई अच्छा रिश्ता आ सकता है. सेहत के लिहाज से आप फिट रहेंगे. ऑफिस में अपना काम अच्छे से पूरा करेंगे.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज समझौते और धैर्य का मन बना कर चलें. वाणी पर संयम रखें वरना विवाद हो सकता है. जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है. चीजों की नए सिरे से शुरुआत करनी पड़े, लेकिन आपके लिए ये अच्छा रहेगा. आज आप अपने निर्धारित किए गए कार्य को पूरा करेंगे. आपकी सेहत खराब हो सकती है. आप किसी भी कीमत पर अपने लक्ष्य को पाने की आशा ना छोड़ें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप व्यावसायिक रूप से बहुत सफल होंगे और आपका नाम और प्रसिद्धि व्यापक होगी. आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे और आपका आत्मविश्वास भी काफी बढ़ जाएगा. आप अपने वरिष्ठों और सह–कर्मियों का ध्यान समान रूप से आकर्षित करेंगे. प्राधिकरण और रैंक के व्यक्ति आपके पक्ष में होंगे और आप एक उच्च जिम्मेदार पद पर आसीन हो सकते हैं. आपकी आमदनी बढ़ेगी.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बिना प्लानिंग किए भी कोई बड़ा काम जल्दी हो सकता है. आपके रिश्तों में अचानक बड़े बदलाव होने के योग हैं. मन की बात जताने और रूठे हुए लोगों को मनाने का समय है. इससे आप अच्छा महसूस करेंगे. आप में उत्साह भी बहुत रहेगा. मन में अच्छे विचार आएंगे. लोग आपसे आपके विचारों के बारे में बातें कर सकते हैं. आज आप अपने लिए नए अवसर तलाश करने की पूरी कोशिश करें. कुछ महत्व–पूर्ण लोगों से दोस्ती हो सकती है. परिवार से सहयोग मिलता रहेगा.

आज का पंचांग

दिनांक : 08 अप्रैल 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र, शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 09:15 तक
नक्षत्र : आश्लेषा प्रातः 07:55 तक
योग : शूल रात्रि 06:09 तक
करण : वणिज प्रातः 08:35 तक
चन्द्रराशि : कर्क प्रातः 07:55 तक
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:27 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कामदा एकादशी व्रत , खरमास चालू है ,
भद्रा प्रातः 08:35 से रात्रि 09:15 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मैं बहुत कम उम्र से सार्वजनिक जीवन से जुड़ा हूं : अमित शाह

जयपुर,07 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को राजस्थान के कोटपूतली में कहा कि नाथ संप्रदाय ने सनातन धर्म को शक्ति देने का काम किया है। शाह, कोटपूतली में बाबा बालनाथ आश्रम में 108 कुंडीय रुद्र महामृत्युंजय महायज्ञ की महा पूर्णाहुति एवं सनातन सम्मेलन में शामिल हुए थे। शाह ने कहा, 'मैं बहुत कम उम्र से सार्वजनिक जीवन से जुड़ा हूं। कई सारे धार्मिक कार्यक्रमों में भी गया हूं, लेकिन इस प्रकार का समाज को जोड़ने वाला, व्यक्तियों को धर्ममय बनाने वाला और पर्यावरण की सेवा करने वाला प्रयास मैंने आज तक नहीं देखा।'

उन्होंने कहा कि इस आश्रम में बाबा बालनाथ की प्रेरणा से 16 वर्ष से लगातार यज्ञ का आयोजन बाबा बस्ती नाथ के प्रयास से हुआ है। शाह ने कहा, 'हमारे यहां अनेक संतों, महापुरुषों, ऋषियों व मुनियों का जन्म हुआ। बाबा बालनाथ जी भी ऐसे महायोगी थे, जिन्होंने इसी भूमि पर जन्म लेकर देश व विदेश में 84 धूनियों की स्थापना कर अपने पूरे जीवन को धर्ममय बनाने बनाने का काम किया।'

उन्होंने नाथ संप्रदाय की बात करते हुए कहा, 'महाप्रभु आदिनाथ से लेकर नौ गुरुओं तक और उसके बाद भी अनेक ऊर्जा के वाहकों के माध्यम से सनातन धर्म को नाथ संप्रदाय ने जरूरत के अनुसार शक्ति देने का काम किया है।' गृह मंत्री ने कहा कि वे यहां भाषण देने नहीं बल्कि बाबा बालनाथ जी की समाधि से ऊर्जा प्राप्त करने आये हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद थे।

राजस्थान हाईकोर्ट से आसाराम को बड़ी राहत

30 जून तक बढ़ाई गई जमानत

जोधपुर,07 अप्रैल (एजेंसियां)। यौन उत्पीड़न के मामलों में उम्रकैद की सजा काट रहे स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से अस्थायी राहत मिली है। अदालत ने सोमवार, 7 अप्रैल को सुनवाई के बाद उनकी अंतरिम जमानत की अवधि 30 जून 2025 तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने इस संबंध में दायर याचिका को स्वीकार कर लिया है। इससे पहले, बीते मंगलवार को अंतरिम जमानत की अवधि समाप्त होने पर आसाराम ने दोपहर में जोधपुर सेंट्रल जेल में आत्मसमर्पण किया था। जेल में करीब 10 घंटे बिताने के बाद रात 11:30 बजे उन्हें पाली रोड स्थित एक निजी अस्पताल 'आरोग्यम' में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि तबीयत बिगड़ने के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया।

इस मामले की सुनवाई के दौरान पीड़िता की ओर से आपत्ति दर्ज कराई गई। पीड़िता के वकील ने अदालत को बताया कि आसाराम पूर्व में भी अदालती शर्तों का उल्लंघन कर चुके हैं, ऐसे में उनकी अंतरिम जमानत को आगे बढ़ाना उचित नहीं होगा। कोर्ट ने इस पर आसाराम के वकील से पूछा कि क्या उन्होंने प्रवचन देकर सुप्रीम कोर्ट की शर्तों का उल्लंघन किया है? अदालत ने इस पर दोनों पक्षों से शपथ पत्र (एफिडेविट) दाखिल करने को कहा। इस याचिका पर सुनवाई जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने की। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 14 जनवरी 2025 को आसाराम को अंतरिम जमानत दी थी, जिसे जोधपुर हाई कोर्ट ने 31 मार्च तक बढ़ाया था। इसके बाद जमानत अवधि समाप्त होने पर आसाराम की ओर से इसे बढ़ाने के लिए एक नई याचिका दायर की गई थी।

आमजन से जो वादा किया है, वह समय पर पूरा होगा, यही हमारी कार्यशैली : भजनलाल

जयपुर,07 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम 'विकसित भारत और विकसित राजस्थान' के विजन के साथ 'आपणो अग्रणी राजस्थान–आपणो स्वस्थ राजस्थान' के संकल्प को साकार करने की दिशा में प्रतिबद्धता से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने प्रदेशवासियों से जो वादा किया है, वह हर हाल में समय पर पूरा होगा। इसमें कोई लापरवाही नहीं होगी, यही हमारी कार्यशैली है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने पिछले एक साल में स्वास्थ्य सेवाओं में सकारात्मक सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य को केंद्र में रखते हुए विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आज निरामय राजस्थान जैसे व्यापक जन अभियान और विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का शुभारम्भ किया गया है। इनमें टाइप–1 डायबिटीज देखभाल के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भारत के पहले समर्पित कार्यक्रम मिशन मधुहारी की शुरूआत, मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना की शुरूआत, 24 मोबाइल मेडिकल यूनिट 'राम रथ' तथा 10 एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस को हरी झण्डी, 29 यूनिट में स्तनपान प्रबन्धन इकाइयों का शुभारम्भ, ईट राइट राजस्थान अभियान तथा मिशन लीवर स्माइल का शुभारम्भ शामिल हैं। साथ ही, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च, आयुष पद्धति से उपचार के लिए पैकेज का शुभारम्भ, एआई आधारित एकीकृत मॉनिटरिंग सिस्टम, 50 चिकित्सा संस्थानों में हीमो डायलिसिस वार्ड का शुभारंभ भी आज किया गया। विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नवीन विभाग एवं अन्य सुविधाओं का भी आज लोकार्पण किया गया।

शर्मा सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में निरामय राजस्थान अभियान एवं स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मरीज चिकित्सकों को भगवान के रूप में देखते हैं तथा चिकित्सक भी स्वस्थ समाज के निर्माण में महती भूमिका निभा रहे हैं। शर्मा ने समस्त प्रदेशवासियों से अपील की कि वे निरामय राजस्थान अभियान का हिस्सा बनकर इसको जन अभियान बनाएं और आयुष्मान राजस्थान के संकल्प को साकार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति की पद्धतियां स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देती हैं। साथ ही, संत–महात्माओं का भी अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में योगदान है। नवरात्र के नौ दिन संयम, उपवास और साधना के माध्यम से हमें यह सिखाते हैं कि हमारी संस्कृति में भी स्वास्थ्य का ध्यान रखा गया है।

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। गांव, गरीब और महिलाओं की पीड़ा को समझा है और स्वास्थ्य सेवाओं की कायापलट करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री जन–आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र जैसी योजनाओं से देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांति आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने टाइप–1 डायबिटीज़ देखभाल के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भारत के पहले समर्पित कार्यक्रम मिशन मधुहारी को शुरू किया है। उन्होंने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसकी शुरुआत जयपुर, नागौर, उदयपुर और जोधपुर के 12 जिला और उप जिला अस्पतालों से की गई। अब प्रदेश के सभी जिलों में चरणबद्ध रूप से ये प्रारंभ की जा रही है। साथ ही, आज शुरू हुई मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना स्वास्थ्य सूचकांकों को बेहतर बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल है। इसके तहत प्रमुख स्वास्थ्य सूचकांक में शत–प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने वाली ग्राम पंचायत को 11 लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

स्वावलंबन पोर्टल से मिल रही दिव्यांगजनों को पहचान

श्रीगंगानगर,07 अप्रैल (एजेंसियां)। 'दिव्यांगता बाधा नहीं, बल्कि नई शुरुआत का अवसर है।' माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की यही सोच प्रदेश के दिव्यांगजनों के लिए विश्वास की लौ बन रही है। इसी सोच को मजबूत बना रहा है भारत सरकार द्वारा संचालित स्वावलंबन पोर्टल, जो प्रदेश के पात्र दिव्यांगजनों की पहचान का आधार बन रहा है। प्रदेश का कोई भी पात्र दिव्यांगजन 'स्वावलंबन पोर्टल' के जरिए विशेष दिव्यांगता प्रमाण पत्र (यूडीआईडी) के लिए आवेदन कर सकता है। पात्रता के अनुसार विशेष योग्यजनों को प्रमाण पत्र जारी किया जाता है।

वक्फ कानून ऐतिहासिक, कांग्रेस की राजनीति होगी खत्म : गौरव गौतम

चंडीगढ़,07 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार के मंत्री गौरव गौतम ने वक्फ कानून को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि इसके जरिए लंबे समय से जमीनों पर कब्जा करने, शोषण और गुंडागर्दी करने वालों पर लगाम लगेगी। गौतम ने दावा किया कि यह कानून खास तौर पर गरीब मुस्लिम समुदाय को फायदा पहुंचाएगा और वक्फ बोर्ड के नाम पर होने वाली गुंडागर्दी को खत्म करेगा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। गौतम ने कहा कि कांग्रेस हमेशा देशहित में लाए गए फैसलों का विरोध करती है, चाहे वह धारा 370 को हटाना हो, तीन तलाक पर कानून हो या कोई और सुधार।

उनके मुताबिक, कांग्रेस अब सिर्फ विरोध की राजनीति तक सिमट गई है और देश की जनता का उस पर से भरोसा उठ चुका है। गौतम ने यह भी कहा कि कांग्रेस की राजनीति अब खत्म होने की कगार पर है, क्योंकि वह समाज के लिए कुछ करना ही नहीं चाहती।गौतम ने हरियाणा में प्रस्तावित आईआईटी के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पलवल के लोग चाहते हैं कि यह संस्थान उनके जिले में बने।

पीएम मोदी की रैली के लिए हरियाणा के किसान ने किया सब कुछ न्यौछावर

यमुनानगर,07 अप्रैल (एजेंसियां)। किसान सिर्फ अन्नदाता नहीं होता, वो ज़रूरत पड़ने पर देश का बेटा भी बन जाता है। इसका जीवंत उदाहरण हैं यमुनानगर के कैल गांव के किसान सुखदेव सिंह, जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 अप्रैल को होने वाली रैली के लिए अपनी 30 एकड़ उपजाऊ जमीन प्रशासन को सौंप दी। वो जमीन जहां गेहूं की बालियो हवा में झूम रही थीं, जहां गन्ने की कतारें खड़ी थीं और हरा चारा पशुओं के लिए तैयार था। फसल पूरी तरह पकने में अभी कुछ दिन बाकी थे, लेकिन देशहित को प्राथमिकता देते हुए सुखदेव सिंह ने आधी कच्ची फसलों पर भी कंबाइन चलवा दी। अब खेतों में रोड रोलर दिन–रात चल रहे हैं, ताकि ज़मीन को रैली के लायक समतल किया जा सके।

किसान सुखदेव से जब इस बारे बात की गई तो उनकी आंखों में गर्व और बलिदान की चमक साफ दिखाई दे रही थी। उन्होंने कहा कि यह उनकी मेहनत थी, उनकी रोज़ी–रोटी थी। मगर जब सुना कि पीएम मोदी उनकी जमीन पर आएंगे तो लगा जैसे खुद देश उनकी चौखट पर आया है। ऐसे मौके ज़िंदगी में बार–बार नहीं आया करते।

किसान सुखदेव सिंह ने यह भी बताया कि सिंचाई के लिए डाली गई पाइपलाइनें मशीनों से टूट गई हैं। उन्हें अब न सिर्फ अपने घर के लिए गेहूं मंडी से खरीदना पड़ेगा, बल्कि पशुओं का चारा भी बाहर से लाना पड़ेगा। लेकिन इन सबके बीच न उन्हें कोई शिकायत है, और न पछतावा। सुखदेव ने कहा किसी ने मजाक उड़ाया, किसी ने कहा–'फसल बर्बाद कर दी', मगर वह मुस्कुरा कर जवाब देते हैं कि प्रधानमंत्री मेरे खेत में कदम रखेंगे, इससे बड़ी इज़्ज़त और क्या हो सकती है? किसान सुखदेव सिंह ने अपने भाइयों हुकुम चंद, बलिंद्र और परिवार का भी आभार जताया, जिन्होंने इस फैसले में उनका साथ दिया। उनका मानना है कि ये सिर्फ एक रैली की ज़मीन नहीं है ये उस सोच की जमीन है जहां 'मैं' की जगह 'हम' है, और 'फायदे' की जगह 'फर्ज़' झलकता है।

भगवान राम हमारी संस्कृति और भारतीयता के प्रतीक हैं : सैनी

चंडीगढ़,07 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भगवान श्रीराम हमारी संस्कृति, परंपरा और 'भारतीयता' के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें सत्य, धर्म, कर्तव्य और मर्यादा का मार्ग दिखाता है। वे हमारे प्रेरणा के स्रोत हैं।मुख्यमंत्री ने राम नवमी के अवसर पर फ्रांस के पेरिस में प्रवासी हरियाणवी समुदाय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया। यह कार्यक्रम हरियाणा सरकार के विदेश सहयोग विभाग द्वारा आयोजित किया गया।मुख्यमंत्री ने इस पावन पर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि पूरा देश भगवान राम के नाम से गुंजायमान है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक श्रीराम जन्मोत्सव की धूम है। चारों ओर भक्ति का अद्भुत वातावरण है। श्रीराम नाम की धुन और भजनों की गूंज हर दिशा में सुनाई दे रही है। केवल भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी करोड़ों श्रद्धालु इस पर्व को उत्साह और उमंग से मना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राम नवमी हमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों और जीवन मूल्यों को याद करने का अवसर देती है। भगवान राम से हम यह भी सीखते हैं कि अपने जन्मस्थान से जुड़े रहना चाहिए। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी कैसे धैर्य रखते हुए सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर चला जाए। उनका व्यक्तित्व हमें पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करना सिखाता है। उनके आदर्श हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनकी जन्मभूमि अयोध्या हर भारतीय के लिए ऊर्जा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में निर्मित भव्य, दिव्य और नव्य श्रीराम मंदिर भारत का गौरव है और देशवासियों की आस्था का केंद्र है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें अभी भी 22 जनवरी 2024 के वे दृश्य याद हैं, जब अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के समय पूरा देश दिवाली मना रहा था। यह हमारे पुण्य कर्मों का ही फल है कि हम उस क्षण के साक्षी बने। राम नवमी का यह पर्व केवल भगवान राम के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि सत्य के मार्ग पर चलने वालों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन अंततः जीत सत्य की ही होती है। श्रीराम के आदर्श न केवल हमारे व्यक्तिगत जीवन में, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण में भी मार्गदर्शक हैं। आज जब हम विकसित हरियाणा–विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर हैं, तो हमें भगवान श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' का मंत्र भी रामराज्य के आदर्शों को साकार करने का प्रयास है। यह हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री 14 अप्रैल को हिसार स्थित महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट से श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या के लिए हवाई सेवा का भी उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राम नवमी पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने समाज और राज्य में शांति, समृद्धि और सद्भाव के वातावरण को बरकरार रखेंगे।

आईटी सेक्टर में नवाचार के लिए सूचना प्रावैधिकी विभाग की पहल

10 स्टार्ट-अप को निशुल्क ऑफिस स्पेस का आवंटन

पटना (एजेंसियां)।
बिहार सरकार द्वारा राज्य में आईटी क्षेत्र में उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए एक अहम कदम उठाया गया है। सूचना प्रावैधिकी विभाग ने सोमवार को पटना स्थित बिस्कोमान टावर के 9वें और 13वें तल पर 10 स्टार्ट-अप कंपनियों को निशुल्क ऑफिस स्पेस आवंटित किया। इस योजना का उद्देश्य राज्य में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना, आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम सेक्टर में निवेश आकर्षित करना और युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

इस अवसर पर बिहार के सूचना प्रावैधिकी मंत्री कृष्ण कुमार मंटू ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि आईटी सेक्टर में निवेश को गति देने के लिए बिहार सरकार ने जनवरी 2024 में बिहार आईटी नीति लागू की थी, जिसके बाद इस क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश दर्ज किया गया है। मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार यह मानती है कि अगर स्टार्ट-अप को प्रोत्साहन दिया जाए, तो वे भविष्य के बड़े रोजगार सृजनकर्ता बन सकते हैं। इसलिए यह योजना विशेष रूप से तैयार की गई है।

उन्होंने जानकारी दी कि आज जिन स्टार्ट-अप को स्पेस आवंटित किया गया है, उनमें हाइप्रोटेक इंडिया टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, ग्रीनस्टार्क इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड और फ्लो एपीआईज प्राइवेट लिमिटेड सहित कुल 10 कंपनियां शामिल हैं।

विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने बताया कि इन स्टार्ट-अप कंपनियों को प्रारंभिक छह महीने तक निशुल्क ऑफिस स्पेस की सुविधा दी जाएगी। इस अवधि के बाद उनके प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी और अच्छा काम करने वाली कंपनियों को आगे छह महीने तक और यह सुविधा प्रदान की जा सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले 13 आईटी स्टार्ट-अप कंपनियों को इसी योजना के तहत ऑफिस स्पेस उपलब्ध कराया जा चुका है, जो वर्तमान में बिस्कोमान टावर में कार्यरत हैं।

इस योजना के तहत स्टार्ट-अप कंपनियों को केवल ऑफिस स्पेस ही नहीं, बल्कि एक पूरी तरह से सुसज्जित कार्यस्थल उपलब्ध कराया जा रहा है। इसमें केबिन, बिजली, एयर कंडीशनिंग, हाई-स्पीड इंटरनेट, रिसेप्शन एरिया, डेडीकेटेड लिफ्ट, सिक्योरिटी, हाउसकीपिंग, वाहन पार्किंग और कैफेटेरिया जैसी सुविधाएं शामिल हैं। यह पहल न केवल नवाचार को बढ़ावा देने वाली है, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और बिहार को तकनीकी हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

गौरतलब है कि बिहार सरकार द्वारा नौ जनवरी 2024 को लागू की गई 'बिहार आईटी नीति 2024' के तहत पहले से ही निवेशकों को कई प्रकार की सब्सिडी और प्रोत्साहन प्रदान किए जा रहे हैं। इनमें पूंजीगत निवेश सब्सिडी, ब्याज अनुदान, लीज रेंटल सब्सिडी, विद्युत बिल सब्सिडी और रोजगार सृजन सब्सिडी शामिल हैं। इस नीति का असर यह हुआ है कि अब देश के विभिन्न हिस्सों से आईटी कंपनियां बिहार में निवेश करने के लिए आकर्षित हो रही हैं। इससे राज्य की आर्थिक संरचना और रोजगार परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

बड़ी साजिश नाकाम

जंगल में जमीन के नीचे से मिला नक्सलियों के हथियारों का जखीरा

मुंगेर (एजेंसियां)।
लखीसराय के मनियारा जंगल में पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने एक बड़ी नक्सली साजिश को नाकाम कर हथियारों का भारी जखीरा बरामद किया है। यह कार्रवाई पीरीबाजार थाना क्षेत्र के कठोतिया, मनियारा और हदहदिया के जंगलों में चलाए गए विशेष सर्च ऑपरेशन के दौरान हुई।

गुप्त सूचना के आधार पर इस अभियान को अंजाम दिया गया। सुरक्षा बलों को इनपुट मिला था कि नक्सली किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहे हैं और इसके लिए जंगल में हथियार छुपाए गए हैं। इसी सूचना के आधार पर पुलिस और एसएसबी की टीम ने पूरे क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान चलाया।

जानकारी के मुताबिक, तलाशी के दौरान टीम को जमीन के नीचे छिपाकर रखे गए घातक हथियार और विस्फोटक सामग्री मिली। बरामद सामानों में एक मास्केट, आठ जिंदा कारतूस, 13 नॉन इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, साथ ही नौ लेवी बुक, इंसास और एलएमजी की मैगजीन शामिल हैं। पुलिस का मानना है कि नक्सली इन हथियारों का इस्तेमाल सुरक्षा बलों या आम नागरिकों पर हमले के लिए कर सकते थे। सुरक्षा बलों ने अत्यंत सतर्कता और सावधानी से इन हथियारों को बरामद किया, जिससे किसी भी तरह का हादसा टल गया।

इस ऑपरेशन के दौरान कोई भी नक्सली मौके पर नहीं पकड़ा गया। सभी जंगल के भीतर से फरार हो गए। हालांकि एसपी अजय कुमार ने बताया कि नक्सलियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी जारी है। एसपी ने यह भी कहा कि इस ऑपरेशन से स्पष्ट है कि नक्सली एक बार फिर इलाके में अपने नेटवर्क को सक्रिय करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पुलिस की समय रहते हुई कार्रवाई से उनकी योजना विफल हो गई।

एसपी अजय कुमार ने स्पष्ट किया कि नक्सलियों के खिलाफ यह अभियान अब और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले में शांति, सुरक्षा और विकास को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सघन निगरानी और गश्त बढ़ा दी गई है।

बीपीएससी शिक्षिका की संदिग्ध हालत में मौत

दरभंगा (एजेंसियां)।
समस्तीपुर के मोहिउद्दीन नगर के प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षिका की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से और मौत के कारणों पता लगाए। मृत शिक्षिका की पहचान रोहतास जिले के सासाराम स्थित मोहद्दीगंज गांव की निवासी डिंपल कुमारी (28) के रूप में की गई। वह वर्ष 2023 से मोहिउद्दीन नगर के सर्दभैरों गांव स्थित एक प्राइमरी स्कूल में कार्यरत थी।

मृत शिक्षिका के छोटे भाई राजेश कुमार ने बताया कि दीदी (डिंपल कुमारी) ने मोहिउद्दीन नगर के सुधीर कुमार झा के मकान में किराए पर रह रही थी। यहीं से वह स्कूल आती और जाती थी।

पहले छोटी बहन भी दीदी के साथ रहती थी। होली में दोनों घर आई। छोटी बह घर पर रह गई। दीदी समस्तीपुर लौट आई। इसी बीच रविवार रात मकान मालिक ने मुझे फोन पर बताया कि डिंपल की तबीयत खराब है। जब मैं अपने चचेरे भाई के साथ वहां पहुंचा तो देखा दीदी बेहोश थी। उन्हें तुरंत सदर अस्पताल में लाया जा रहा था। रास्ते में उनकी मौत हो गई। मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हैं।

जिला शिक्षा पदाधिकारी कामेश्वर प्रसाद गुप्ता ने बताया कि उन्हें शिक्षिका की मौत की सूचना मिली है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा होगा। उच्च अधिकारियों को पूरे मामले की जानकारी दी जा चुकी है। वहीं पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। मकान मालिक से पूछताछ चल रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

गोपालगंज में तेजस्वी यादव की जनसभा कल

70 बेड वाले निशुल्क अस्पताल का करेंगे उद्घाटन

गोपालगंज (एजेंसियां)।
राजनीतिक सरगर्मी के बीच नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव नौ अप्रैल को गोपालगंज जिले के बरौली प्रखंड के छोटा बढ़ेंया गांव पहुंचेंगे। इस मौके पर वे राजद जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह द्वारा निर्मित 70 बेड वाले निशुल्क हरिओम जनसेवा अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का आगमन दोपहर दो बजे हेलीकॉप्टर के माध्यम से होगा। इसके लिए सरफरा पंचायत के छोटा बढ़ेंया में हैलीपैड का निर्माण किया गया है।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए राजद कार्यकर्ता पूरे जोश से जुटे हैं और आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। राजद के

प्रधान महासचिव इम्तेयाज अली भुट्टो ने बताया कि हेलीकॉप्टर की लैंडिंग और सभा स्थल की तैयारी पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने बताया कि कार्यकर्ताओं में कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है और बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी की उम्मीद है।

कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के लिए राजद जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें पंचायत स्तर पर समितियों का गठन किया गया। इन समितियों को कार्यक्रम के आयोजन और जनसभा में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दिलीप कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि अस्पताल का उद्घाटन सामाजिक सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। तेजस्वी यादव खुद इस सेवा कार्य से जुड़े रहना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जनसभा में तेजस्वी यादव राज्य की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, जनता के मुद्दे और राजद की नीतियों को लेकर जनता से संवाद करेंगे।

जनसभा और हैलीपैड की तैयारियों का जायजा लेने के लिए राजद विधायक प्रेम शंकर यादव ने रविवार को स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता उनके साथ मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान राजद जिला उपाध्यक्ष सुरेश चौधरी, पिंटू पांडेय, सुनील कुमार बारी, फैज अकरम, बिट्टू चौरसिया, सुरेश प्रसाद यादव, अनिल यादव, ओम प्रकाश गुप्ता, संतोष यादव, रवि कुमार गुप्ता, राजेश राम और निरंजन यादव भी मौजूद रहे।

जिसे दादा कहती थी, उसकी घिनौनी करतूत

शादी रोकने के लिए महबूब से लड़की पर कराया एसिड अटैक

बेगूसराय (एजेंसियां)।
उम्र पिता से कुछ कम। रिश्ता, पिता से एक दर्जा ऊपर। मगर, नज़र सड़क छाप लफंगे वाली। नतीजा- सोयी अवस्था में 24 साल की लड़की के चेहरे पर एसिड अटैक। बेगूसराय के बखरी तेजाब कांड की यह हकीकत एक घिनौने सच पर आकर खत्म हुई। ऐसा सच, जिसे स्वीकार करना बेहद मुश्किल है। उसके लिए भी, जो इसका नतीजा भुगत रही है। लड़की उसी वंश की है, जिसका वह। कुछ पुश्तों की दूरी है। लेकिन, लड़की उसे रिश्ते से ही दादा ही कहती थी। उस शख्स ने उस रिश्ते की मर्यादा रखी और न वंश का मान। रिश्ते की पोती पर बुरी नजर थी। वह हाथ नहीं आ रही थी और शादी की बात चलने

लगी तो गुस्से में उसने एक दूसरे युवक की मदद से उसपर सोयी अवस्था में तेजाब फेंकवा दिया। रविवार से बिहार की राजनीति में हंगामा मचाने वाली इस खबर की पुलिस ने प्राथमिक जांच पूरी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

रविवार सुबह जिस समय से बेगूसराय में भरतीय जनता पार्टी के नेता की बेटी पर एसिड अटैक की खबर निकली, तभी से हंगामा मचा हुआ है। बेगूसराय का बखरी अचानक खबरों में आ गया। कई नेताओं की गाड़ियों ने उधर का रुख कर लिया तो कई पहुंचने की तैयारी में थे। इसी बीच पुलिस ने तेजी से काम करते हुए एसिड अटैक कांड की जांच करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एसपी मनीष कुमार ने बताया कि शनिवार की रात बखरी थाना क्षेत्र के नगर परिषद वार्ड नंबर 23 में सोयी अवस्था में 24 साल की एक युवती पर तेजाब फेंक उसे गंभीर रूप से जख्मी कर दिया गया था। कांड की जांच में सामने आया कि रिश्ते में लगने वाला और घर की दीवार से सटे मकान में रहने वाले अंजनी सिंह की उस लड़की पर बुरी नजर थी। वह लड़की की शादी नहीं होने देना चाहता था। जब उसे लगा कि लड़की रिस्पांस नहीं दे रही है तो उसने अपने एक साथी को उसपर एसिड अटैक करने के लिए कह दिया।

एसपी मनीष कुमार ने बताया है कि एसिड के बोतल के साथ तेजाब फेंकते समय अभियुक्त महबूब आलम उर्फ फुलटूस के शरीर पर रहे कपड़े- शर्ट, पैंट, मफलर, जूते को भी बरामद किया गया है। उसके दो मोबाइल को भी पुलिस ने जब्त किया है। एसिड फेंकने वाला महबूब गांव में अपने दोस्त सोनू कुमार के घर में छिपा था। सीसीटीवी के आधार पर पुलिस को उसका हुलिया मिला और फिर पूछताछ करते हुए उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एसिड का बोतल बखरी स्थित कानू टोला में नाला के निकट केला के जड़ के पास से बरामद किया गया। पुलिस ने जब महबूब से कड़ी पूछताछ की तो उसने पूरे कांड का उद्भेदन कर दिया। उसने ताया कि अंजनी कुमार सिंह उस लड़की से एकतरफा प्यार करता था। वह भाव नहीं दे रही थी, इसलिए एसिड फेंकने के लिए कहा। अंजनी ने भी गिरफ्तारी के समय पूरे घटनाक्रम को स्वीकार कर लिया।

मां ने दो बेटियों के संग जहर खाकर किया सुसाइड

मधेपुरा (एजेंसियां)।
मधेपुरा में पारिवारिक विवाद में एक महिला ने अपने दो बच्चों संग जहर खाकर आत्महत्या कर ली। घटना मुरलीगंज थाना क्षेत्र के बेलोडीह वार्ड तीन की घटना है। मृतक बेलोडीह वार्ड चार निवासी राजेश राम की पत्नी चंदन देवी (26), राजकुमारी (5), रागिनी (3) है। बताया जा रहा है कि रविवार को पति पत्नी के बीच किसी बात लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद पत्नी ने अपने दो बच्चे के साथ जहर खाकर ली। शाम में जब पति मजदूरी कर घर पहुंचा तो घटना की जानकारी मिली।

बताया जा रहा है कि रविवार को किसी घरेलू बात को लेकर पति-पत्नी के बीच बहस हुई थी। यह विवाद इतना बढ़ गया कि आहत होकर चंदन देवी ने आवेश में आकर यह आत्मघाती कदम उठा लिया। उसने पहले अपने दोनों बच्चों को जहर खिलाया और फिर स्वयं भी जहर का सेवन कर लिया। इसके बाद वह खेत में गेहूं काटने के लिए चली गई। खेत में जब चक्कर आने लगा तो वह घर लौट गई। स्थानीय लोगों के अनुसार पति-पत्नी के बीच अक्सर छोटी-छोटी बातों को लेकर कहासुनी होती रहती थी, लेकिन किसी ने कभी यह अंदेशा नहीं लगाया था कि यह विवाद इतना भयंकर रूप ले लेगा। पीड़ित परिवार को संवेदना देने के लिए आसपास के लोग जुटे हुए हैं, लेकिन तीन जिंदगियों के इस असमय अंत ने पूरे गांव को गहरे शोक में डुबो दिया है।

घटना की जानकारी मिलते ही मुरलीगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस महिला के मायके से परिजनों के आने का इंतजार कर रही है। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। मुरलीगंज थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। फिलहाल आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com